https://www.facebook.com/jantaunion

जनता यूनियन

झाँसी
रविवार, 1 मार्च 2026
वर्ष 18 अंक 167
पृष्ठ 8 मूल्य ₹ 3.00

www.epaperjantaunion.com

अधिकतम : 33° से.
न्यूनतम : 21° से.

jantaunion@gmail.com

किसी भी जनपद में अवैध मदिरा के सेवन से न हो ...- 3 | भक्ति रस के रंग में डूबी झाँसी...-8

सार संक्षेप

पश्चिम बंगाल एसआईआर की फाइनल वोटर लिस्ट जारी, 5.46 लाख वोटर्स के नाम लिस्ट से हटा दिए गए

(जीएनएस)। इलेक्शन कमीशन ऑफ़ इंडिया ने शनिवार को स्पेशल इंटेंसिव रिविज़न (एसआईआर) के बाद पश्चिम बंगाल के लिए वोटर लिस्ट जारी की। 28 फरवरी, 2026 तक, राज्य में कुल 70,459,284 वोटर हैं और 546,053 वोटरों के नाम लिस्ट से हटा दिए गए हैं (फॉर्म 7)। मुख्य चुनाव अधिकारी मनोज कुमार अग्रवाल ने शनिवार को कहा कि पश्चिम बंगाल में स्क्रुके बाद की वोटर लिस्ट में वोटरों की संख्या 7.04 करोड़ से ज़्यादा हो गई है, जिसमें बदलाव के दौरान नाम हटाए और जोड़े गए हैं। अग्रवाल ने रिपोर्टर्स को बताया कि वोटर रोल में बदलाव की प्रक्रिया में स्नश्हद्ध-7 के ज़रिए 5.46 लाख से ज़्यादा वोटरों के नाम हटाए गए और स्नश्हद्ध-6 और स्नश्हद्ध-6 जमा करके 1.82 लाख से ज़्यादा वोटरों के नाम जोड़े गए। उन्होंने कहा कि बदलाव की प्रक्रिया के दौरान 58 लाख से ज़्यादा गिनती के फ़ॉर्म नहीं मिले, जिनमें मरे हुए, शिफ्ट हुए और डुप्लीकेट वोटरों के मामले शामिल हैं। सीईओ ने यह भी कहा कि 60 लाख से ज़्यादा वोटर अंडर एडजुडिकेशन कैटेगरी में हैं, लेकिन उन्हें एसआईआर के बाद की वोटर रोल में शामिल कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि बदलाव की प्रक्रिया चुनाव आयोग के निर्देशों के अनुसार की गई थी।

दिल्ली में आप वनाम बीजेपी क्लीन चिट मिलते ही केजरीवाल का केंद्र पर हल्ला बोल, जंतर मंतर पर महा-रैली की तैयारी

नई दिल्ली (जीएनएस)। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल 1 मार्च को जंतर-मंतर पर एक रैली का नेतृत्व करेंगे, जिसमें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा दिल्ली में हजारों कर्मचारियों की कथित बर्खास्तगी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। पार्टी की राज्य इकाई के अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने यह जानकारी दी। भारद्वाज ने आरोप लगाया कि दिल्ली के लोग भाजपा सरकार के जनविरोधी फैसलों से परेशान हैं और केजरीवाल की ओर रुख कर रहे हैं।

नए बैंक नोट ले जा रहा बोलिवियाई एयरफोर्स का प्लेन क्रैश, 15 लोगों की मौत

(जीएनएस)। शुक्रवार शाम को कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई और 30 घायल हो गए, जब बोलिविया एयर फ़ोर्स का हरक्यूलिस एयरक्राफ़्ट, जो देश के सेंट्रल बैंक से नए प्रिंट किए गए बैंक नोट ले जा रहा था, एल ऑल्टो में एक बिज़ी सड़क पर क्रैश हो गया।मिलिट्री प्लेन टेकऑफ़ के थोड़ी देर बाद ही नीचे गिर गया, जिससे एल ऑल्टो इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास घनी आबादी वाले इलाके में एक बिज़ी सड़क और पास की गाड़ियों पर टक्कर लगी। न्यूज़ एजेंसी रॉयटर्स ने बताया कि इमरजेंसी रेस्पॉन्डर्स मौके पर पहुँचे, जहाँ सड़क पर मलबा बिखरा हुआ था और टक्कर से कई गाड़ियाँ डैमेज हो गई या नष्ट हो गईं। बोलीविया की वायु सेना से संबंधित हरक्यूलिस विमान देश के 'सेंट्रल बैंक' से अन्य शहरों में नए नोट पहुंचाने जा रहा था। दुर्घटना के बाद जमीन पर बड़ी संख्या में नोट बिखरे हुए थे।

ईरान पर अमेरिका-इजरायल का बड़ा सैन्य ऑपरेशन

तेल अवीव (जीएनएस)। इज़राइल और संयुक्त राज्य क्षेत्रीय तनाव में वृद्धि के बीच अमेरिका ने ईरान द्वारा उत्पन्न अस्तित्वगत खतरे को बेअसर करने के उद्देश्य से एक संयुक्त अभियान शुरू किया है। राष्ट्र को संबोधित करते हुए, इज़राइली

आतंकी शासन को हथियार नहीं देंगे : नेतन्याहू

प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ईरानी शासन की लंबे समय से चली आ रही शत्रुता पर ज़ोर देते हुए इस कदम को रक्षात्मक और रणनीतिक दोनों बताया। बयान में कहा गया कि मेरे भाइयों और बहनों, इज़राइल के नागरिकों, अभी एक घंटे पहले, इज़राइल और संयुक्त राज्य अमेरिका ने ईरान में आतंकवादी शासन द्वारा उत्पन्न अस्तित्वगत खतरे को समाप्त करने के लिए एक अभियान शुरू किया है।

नेतन्याहू ने अमेरिकी समर्थन के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प को धन्यवाद दिया और ट्रम्प के नेतृत्व को ऐतिहासिक बताया। उन्होंने कहा कि मैं अपने महान मित्र, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को उनके ऐतिहासिक नेतृत्व के लिए धन्यवाद देता हूँ। 47 वर्षों से, अयातुल्ला शासन इज़राइल मुर्दाबाद और अमेरिका मुर्दाबाद के नारे लगाता रहा है। इसने हमारा खून बहाया है, कई अमेरिकियों की हत्या की है और अपने ही लोगों का नरसंहार किया है। इस हत्यारे आतंकवादी शासन को परमाणु हथियार जमा करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए, जो इसे पूरी मानवता के लिए खतरा बनने में सक्षम बना देगा। हमारी संयुक्त कार्रवाई बहादुर ईरानी जनता को अपना भाग्य अपने हाथों में लेने के लिए परिस्थितियाँ प्रदान करेगी।

इसके बाद नेतन्याहू ने इस्लामी शासन के खिलाफ उठने के लिए ईरानी जनता से भावुक अपील की। उन्होंने कहा कि ईरान के सभी वर्गों - फारसियों, कुर्दों, अज़ेरियों, बलूचियों और अहवाज़ियों - के लिए अत्याचार के जुए से खुद को मुक्त करने और एक स्वतंत्र और शांतिप्रिय ईरान की स्थापना करने का समय आ गया है। इससे पहले, आईडीएफ ने ऑपरेशन रोरिंग लायन नाम से इन हमलों की घोषणा करते हुए कहा था कि इसका उद्देश्य इज़राइल के लिए खतरे को खत्म करना है।

आईडीएफ ने कहा कि आईडीएफ और अमेरिकी सशस्त्र बलों ने ईरानी आतंकवादी शासन को पूरी तरह से कमजोर करने और समय के साथ इज़राइल के अस्तित्व के लिए मौजूद खतरों को खत्म करने के लिए एक व्यापक और संयुक्त अभियान शुरू किया है। ईरानी शासन ने इज़राइल को नष्ट करने की अपनी योजना नहीं छोड़ी है। शासन इज़राइल की सीमाओं पर तैनात अपने प्रॉक्सी को वित्तपोषण, प्रशिक्षण और हथियार मुहैया कराना जारी रखे हुए है। ये कार्रवाइयां इज़राइल के लिए अस्तित्व का खतरा हैं और मध्य पूर्व और पूरी दुनिया के लिए खतरा पैदा करती हैं।

हथियार डाल दें या मौत का सामना करें... हमले के बाद ट्रंप का पहला बयान

वाशिंगटन (जीएनएस)। अमेरिका और इज़राइल ने ईरान पर अटैक के बाद प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के लोगों से अपील की है कि वे अपनी सरकार पर कब्ज़ा करें जब हमला किया। ट्रंप ने कहा कि यह आपको लेना होगा। रॉयटर्स ने अधिकारियों के हवाले से बताया कि तेहरान ने इज़राइल के अचानक हमलों का जवाब देने की कसम खाई है और कहा है कि जवाब बहुत बुरा होगा। अमेरिकी प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को तेहरान पर इज़राइल के हमले के बाद ईरान पर हुए हमलों में अमेरिका की भूमिका की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि स ने ईरान में बड़े लड़ाकू ऑपरेशन शुरू कर दिए हैं। अमेरिका और इज़राइल ने ईरान में 30 से ज़्यादा जगहों को निशाना बनाया, जिसमें ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन का घर और इंटेलिजेंस हेडक्वार्टर शामिल हैं। तेहरान में जिन दूसरे सरकारी ऑफिसों पर हमला हुआ, वे थे - सुप्रीम लीडर अली खामेनेई का ऑफिस, ईरान का एटॉमिक एनर्जी ऑफिस, डिफेंस मिनिस्ट्री का ऑफिस और परचिन, जो ईरान का एक बड़ा मिलिट्री कॉम्प्लेक्स है।

डॉयलाग और डिप्लोमेसी ही रास्ता, खाड़ी देशों में तनाव पर भारत का पहला बयान

नई दिल्ली (जीएनएस)। भारत ने शनिवार को कहा कि वह ईरान पर अमेरिका और इज़राइल के जॉइंट स्ट्राइक के बाद मिडिल ईस्ट में हाल के हालात को लेकर बहुत चिंतित है, और सभी पक्षों के बीच हालात को सुलझाने के लिए बातचीत और डिप्लोमेसी की अपील की है। एक बयान में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने आगे कहा कि इस इलाके में भारतीय मिशन वहां सभी भारतीय नागरिकों के साथ लगातार संपर्क में हैं, और उनसे सतर्क रहने को कहा है। उन्होंने कहा कि भारतीय नागरिकों को लोकल सिक्योरिटी गाइडेंस का पालन करना चाहिए और मिशन के संपर्क में रहना चाहिए। जायसवाल ने कहा, हम सभी पक्षों से संयम बरतने, तनाव बढ़ने से बचने और आम लोगों की सुरक्षा को प्राथमिकता देने का आग्रह करते हैं। तनाव कम करने और अंदरूनी मुद्दों को सुलझाने के लिए बातचीत और डिप्लोमेसी अपनाई जानी चाहिए। सभी देशों की सॉवरेनिटी और टेरिटोरियल इंटीग्रिटी का सम्मान किया जाना चाहिए।

अभी तो बस मिसाइल दागा है, ऐसे-ऐसे हथियार छोड़ूंगा जो पहले कभी नहीं देखे होंगे, ईरान की यूएस-इजरायल को खुली धमकी

वाशिंगटन (जीएनएस)। अमेरिका और इज़राइल ने शनिवार को ईरान पर हमले किए, जिससे मिडिल ईस्ट में मिलिट्री टेंशन बढ़ गया, जो कई हफ़्तों से लड़ाई की कगार पर है। इज़राइल ने कहा कि स के नेतृत्व वाले ऑपरेशन, जिसे एपिक फ्यूरी कहा जाता है, ने पहले से हमले किए थे। अमेरिकी प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप ने एक बड़े कॉम्बैट ऑपरेशन की पुष्टि की क्योंकि ईरान के कई हिस्सों में धमाके सुने गए। तेहरान, जिसने अमेरिकी के नेतृत्व वाले हमलों का करारा जवाब देने का वादा किया था। मिडिल ईस्ट के देशों ने अपने एयरस्पेस बंद कर दिए हैं, जबकि कई देशों ने अपने नागरिकों को एडवाइजरी जारी की है। ईरान के साउथ-ईस्ट पोर्ट सिटी चाबहार में एक धमाका सुना गया, ईरान की सरकारी मीडिया ने शनिवार को बताया। हताहतों या धमाके के कारण के बारे में तुरंत कोई जानकारी नहीं मिली। अधिकारियों ने अभी तक घटना का ऑफिशियल असेसमेंट जारी नहीं किया है।

ट्रंप ने कहा- मुझे बस ईरानी लोगों के लिए आज़ादी चाहिए

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को कहा कि ईरान के अंदर यूएस-इज़राइल के जॉइंट मिलिट्री हमलों के बाद, उनकी सबसे बड़ी चिंता ईरानी लोगों के लिए आज़ादी पक्की करना है। एक वीडियो मैसेज में बड़े कॉम्बैट ऑपरेशन की घोषणा करने के तुरंत बाद ट्रंप ने वॉशिंगटन पोस्ट को एक छोटे से फ़ोन इंटरव्यू में बताया, मुझे बस लोगों के लिए आज़ादी चाहिए। मुझे एक सुरक्षित देश चाहिए, और हमें वही मिलेगा।भारत ने शनिवार को कहा कि वह ईरान पर अमेरिका और इज़राइल के जॉइंट स्ट्राइक के बाद मिडिल ईस्ट में हाल के हालात को लेकर बहुत चिंतित है, और सभी पक्षों के बीच हालात को सुलझाने के लिए बातचीत और डिप्लोमेसी की अपील की है। एक बयान में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने आगे कहा कि इस इलाके में भारतीय मिशन वहां सभी भारतीय नागरिकों के साथ लगातार संपर्क में हैं, और उनसे सतर्क रहने को कहा है। उन्होंने कहा कि भारतीय नागरिकों को लोकल सिक्योरिटी गाइडेंस का पालन करना चाहिए और मिशन के संपर्क में रहना चाहिए। जायसवाल ने कहा, हम सभी पक्षों से संयम बरतने, तनाव बढ़ने से बचने और आम लोगों की सुरक्षा को प्राथमिकता देने का आग्रह करते हैं। तनाव कम करने और अंदरूनी मुद्दों को सुलझाने के लिए बातचीत और डिप्लोमेसी अपनाई जानी चाहिए।

मुंबई कोर्ट का बड़ा फैसला, महाराष्ट्र स्टेट को-ऑपरेटिव बैंक में डिप्टी सीएम दिवंगत अजीत पवार और पत्नी को मिली क्लीन चिट

मुंबई (जीएनएस)। महाराष्ट्र स्टेट को-ऑपरेटिव बैंक घोटाले मामले में दिवंगत उप मुख्यमंत्री अजित पवार और उनकी पत्नी सुनेत्रा पवार को बड़ी राहत मिली है। दरअसल, मुंबई की एक विशेष अदालत ने आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) की उस रिपोर्ट को माना है, जिसमें महाराष्ट्र स्टेट को-ऑपरेटिव बैंक (शिखर बैंक) में लोन बांटते समय करीब 25,000 करोड़ रुपये के कथित घोटाले में अजित पवार और उनकी पत्नी सुनेत्रा पवार को क्लीन चिट मिली है। कोर्ट ने क्लोजर रिपोर्ट को मंजूरी देकर कहा कि मामले में कोई भी सजा लायक अपराध साबित हुआ नहीं है। खासतौर पर विशेष अदालत ने आर्थिक अपराध शाखा की दिवंगत उपमुख्यमंत्री की सी-समरी रिपोर्ट को स्वीकार किया है। इससे अजित पवार सहित उन सभी राजनीतिक नेताओं को राहत की सांस मिली है, जिनका नाम इस घोटाले में आया था।

चांदीपुर (जीएनएस)। ओडिशा के तट के पास चांदीपुर से अत्यंत कम दूरी की वायु रक्षा मिसाइल प्रणाली के तीन उड़ान परीक्षण सफलतापूर्वक संपन्न किए गए। रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। मंत्रालय ने बताया कि ये परीक्षण विभिन्न गति, दूरी और ऊंचाई पर उड़ने वाले उच्च गति वाले खतरों को बेअसर करने में वीएसएचओआरएडीएस (बहुत कम दूरी की वायु रक्षा प्रणाली) मिसाइल प्रणाली की क्षमता की पुष्टि करने के लिए किए गए थे।

रक्षा मंत्रालय के अनुसार, ये परीक्षण ङ्कस्ॐह्रक्रष्ठस्र मिसाइल प्रणाली की क्षमता को फिर से प्रमाणित करने के लिए किए गए थे। इस प्रणाली को विभिन्न गति, सीमा और ऊंचाई पर उड़ने वाले हाई-स्पीड खतरों को बेअसर करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

सटीक निशानाः परीक्षण के दौरान, मिसाइलों ने दुश्मन के विमानों की नकल करने वाले उच्च गति वाले हवाई लक्ष्यों को सफलतापूर्वक इंटरसेप्ट किया और उन्हें नष्ट कर दिया। अंतिम विन्यास परीक्षणः ये परीक्षण मिसाइल के उस अंतिम स्वरूप में किए गए, जिसे सेना उपयोग करेगी। इसमें लक्ष्य को पहचानने और मिसाइल दागने का काम सीधे फील्ड ऑपरेटरों द्वारा किया गया। यह एक मैन-पोर्टेबल एयर डिफेंस सिस्टम है, जिसे सैनिकों द्वारा आसानी से एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाया जा सकता है। स्वदेशी तकनीकः इसे रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन की प्रयोगशाला रिसर्च सेंटर इमारत ने अन्य डीआरडीओ लैब और भारतीय उद्योग भागीदारों के सहयोग से स्वदेश में ही विकसित किया है। बहुआयामी सुरक्षाः यह कम दूरी पर उड़ने वाले विमानों, हेलीकॉप्टरों और ड्रोन्स को नष्ट करने में सक्षम है। सटीक डेटाः चांदीपुर रेंज में तैनात टेलीमेट्री, इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल ट्रैकिंग सिस्टम और रडार जैसे उपकरणों ने परीक्षण के दौरान मिसाइल की प्रभावशीलता की पुष्टि की है।

मिनिस्ट्री ने एक बयान में कहा, सभी फ्लाइट-टेस्ट के दौरान, मिसाइलों ने अलग-अलग खतरे वाले सिनेरियो में दुश्मन के एयरक्राफ्ट की नकल करते हुए हाई-स्पीड एरियल टारगेट को इंटरसेप्ट किया और नष्ट कर दिया, और सभी एक्सट्रीम एंगेजमेंट पॉइंट्स को पूरा किया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मिसाइल सिस्टम के सफल फ्लाइट-टेस्ट के लिए छ्रस्रह्र, सशस्त्र बलों और इंडस्ट्रीज़ को बधाई दी।

उन्होंने कहा कि वीएसएचओआरएडीएस के लगातार तीन फ्लाइट ट्रायल एक बड़ी सफलता हैं, और इस सिस्टम को जल्द ही सशस्त्र बलों में शामिल किया जा सकता है।

ईरान-इजरायल तनाव के बीच इंडिगो का बड़ा फैसला, यात्रियों के लिए जारी की ट्रैवल एडवायजरी

नई दिल्ली (जीएनएस)। इंडिगो एयरलाइंस ने शनिवार को एक यात्रा सलाह जारी करते हुए कहा कि क्षेत्र में बदलती भू-राजनीतिक स्थिति के मद्देनजर वह ईरान और उसके हवाई क्षेत्र से संबंधित क्षेत्रीय अपडेट पर बारीकी से नजर रख रही है। इंडिगो ने एक?स पर एक पोस्ट में कहा कि यात्रियों और चालक दल की सुरक्षा उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है और एयरलाइन की टीमें स्थिति में बदलाव के अनुसार आवश्यक समायोजन करने के लिए तैयार हैं। इंडिगो ने पोस्ट किया कि हम ईरान और उसके हवाई क्षेत्र से संबंधित क्षेत्रीय अपडेट पर बारीकी से नजर रख रहे हैं। हमारे यात्रियों और चालक दल की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। हमारी टीमें स्थिति में बदलाव के अनुसार आवश्यक समायोजन करने के लिए तैयार हैं। एयरलाइन ने यात्रियों को प्रस्थान से पहले अपनी उड़ान की स्थिति की जांच करने की सलाह दी। एयरलाइन ने कहा कि यात्रियों को प्रस्थान से पहले अपनी उड़ान की स्थिति की जांच करने की सलाह दी जाती है।

राजस्थान में पीएम मोदी का मेगा ऐलानः

वादे तेजी से पूरे हो रहे, 17 हजार करोड़ के परियोजनाओं की सौगात

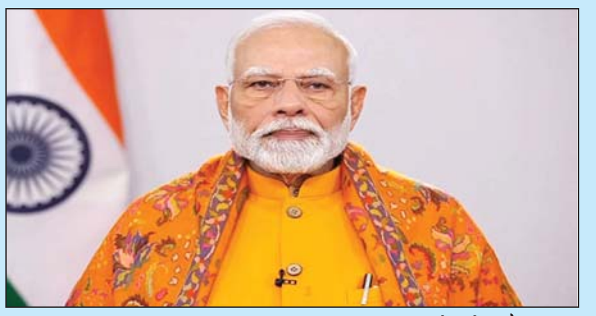

जयपुर (जीएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को अजमेर में 16,680 करोड़ रुपये से अधिक की कई विकास परियोजनाओं का शुभारंभ, उद्घाटन और शिलान्यास किया। इससे शहरी विकास, पेयजल आपूर्ति, सड़कें, सिंचाई, ऊर्जा और औद्योगिक अवसंरचना सहित प्रमुख क्षेत्रों को और बढ़ावा मिलेगा। कार्यक्रम के बाद एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि राजस्थान में भाजपा की दो इंजन वाली सरकार ने दो साल पूरे कर लिए हैं और राज्य अब विकास के एक नए पथ पर अग्रसर है। मोदी ने कहा कि विकास के जिन वादों के साथ भाजपा सरकार आपकी सेवा करने आई थी, उन्हें तेजी से पूरा किया जा रहा है। और आज का दिन विकास के इस अभियान को और गति देने का दिन है। इस अवसर के महत्व को रेखांकित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि कुछ ही समय पहले राजस्थान में भाजपा की दो इंजन वाली सरकार ने 2 साल पूरे किए हैं। मुझे खुशी है कि आज राजस्थान विकास के एक नए पथ पर अग्रसर है। कार्यक्रम के शुभारंभ पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज यहां राजस्थान के विकास से संबंधित लगभग 17,000 करोड़ रुपये की परियोजनाओं की आधारशिला रखी गई और उनका उद्घाटन किया गया। सड़क, बिजली, पानी, स्वास्थ्य और शिक्षा - हर क्षेत्र में नई ऊर्जा का संचार हो रहा है। इन सभी परियोजनाओं से राजस्थान के लोगों की सुविधा बढ़ेगी और राजस्थान के युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे। पिछली सरकार पर निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, दो साल पहले तक राजस्थान से भर्तियों में भ्रष्टाचार और कागजी कार्रवाई में ढील की खबरें ही छाई रहती थीं। अब राजस्थान में कागजी कार्रवाई में ढील पर लगाम लग गई है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। रोजगार सृजन के प्रयासों पर प्रकाश डालते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि 21,000 से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि यह एक बहुत बड़ा बदलाव है। मैं इस बदलाव, नई नौकरियों और विकास के सभी कार्यों के लिए राजस्थान के सभी लोगों को हार्दिक बधाई देता हूं। प्रधानमंत्री ने अजमेर से राष्ट्रव्यापी एचपीवी टीकाकरण अभियान का भी शुभारंभ किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज, वीर महिलाओं की इस धरती से मुझे पूरे देश की बेटियों के लिए एक महत्वपूर्ण अभियान शुरू करने का अवसर मिला है। अजमेर में एचपीवी टीकाकरण अभियान शुरू किया गया है।

असम में बीजेपी का चुनावी शंखनाद, सीएम हिमंता ने जन आशीर्वाद यात्रा से मांगा जनता का साथ

सोनितपुर (जीएनएस)। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने शनिवार को आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों के मद्देनजर सोनितपुर जिले के ढेकियाजुली निर्वाचन क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी की जन आशीर्वाद यात्रा का आधिकारिक रूप से शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने यात्रा के पहले चरण का शुभारंभ करते हुए पार्टी के भावी प्रयासों के लिए जनता से समर्थन मांगा। मीडिया से बात करते हुए मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा कि भाजपा की जन आशीर्वाद यात्रा आज से शुरू हो रही है। मैं असम की जनता का आशीर्वाद चाहता हूं।

इस बीच, असम भाजपा ने आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों के मद्देनजर शनिवार को राज्य भर में जन आशीर्वाद यात्रा का शुभारंभ किया। यात्रा का पहला चरण 28 फरवरी से 9 मार्च तक चलेगा। इस अवसर पर बोलते हुए भाजपा सांसद प्रधान बरुआ ने कहा कि जन आशीर्वाद यात्रा आज से शुरू हो रही है। इस कार्यक्रम में हमारे मुख्यमंत्री के साथ-साथ राष्ट्रीय नेता और राज्य समिति के सदस्य भी उपस्थित रहेंगे। इस यात्रा का उद्देश्य हमारे मुख्यमंत्री का आम जनता तक पहुंचना, उनसे मिलना और उनका आशीर्वाद प्राप्त करना है। इसके माध्यम से लोगों को पिछले 10 वर्षों में हमारे द्वारा किए गए कार्यों, विशेष रूप से पिछले 5 वर्षों में हमारे मुख्यमंत्री द्वारा किए गए कार्यों की जानकारी मिलेगी। हमारी पार्टी इस यात्रा को सफल बनाने के लिए प्रयासरत है।

cmyk

रसोई गैस सिलेंडर रिफिल सब्सिडी का वितरण

जनता यूनियन मथुरा । होली के शुभ अवसर पर प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अंतर्गत रुपए 1,500 करोड़ की धनराशि से उत्तर प्रदेश के 1.86 करोड़ उज्ज्वला परिवारों को रसोई गैस सिलेंडर रिफिल सब्सिडी का वितरण माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा लखनऊ के लोक भवन सभागार में आयोजित कार्यक्रम में किया गया। लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम का जनपद मथुरा के राजीव भवन परिसर में सजीव प्रसारण देखा गया। माननीय मंत्री गन्ना विकास एवं चीनी मिलें श्री लक्ष्मी नारायण चौधरी जी, माननीय विधायक बल्देव श्री पूरन प्रकाश जी, माननीय एम0एल0सी0 ठाकुर ओम प्रकाश सिंह जी, जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह, मुख्य विकास अधिकारी श्रीमती पूजा गुप्ता, जिला पूर्ति अधिकारी संजीव कुमार सहित जनपद के विभिन्न लाभार्थियों द्वारा उक्त कार्यक्रम का सजीव प्रसारण देखा गया।

कार्यक्रम में माननीय मंत्री गन्ना विकास एवं चीनी मिलें श्री लक्ष्मी नारायण चौधरी जी, माननीय विधायक बल्देव श्री पूरन प्रकाश जी एवं माननीय एम0एल0सी0 ठाकुर ओम प्रकाश सिंह जी, जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह एवं मुख्य विकास अधिकारी श्रीमती पूजा गुप्ता ने जनपद के लाभार्थियों को चेक वितरण किया। लाभार्थियों में सर्वश्रीमती आरती मेहतो, कल्लो देवी, ईशू देवी, पिंकी देवी, गुड्डी, जूली, रेखा, इसरत बेगम, हेमलता एवं शारदा को निःशुल्क एल0पी0जी0 सिलेण्डर की राज्य सरकार की ओर से सब्सिडी के चैक प्रदान किये गये साथ ही अन्य उपस्थित उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को भी सब्सिडी के चैक प्रदान किये गये। जनपद में कुल लाभार्थी 213380 है।

उ0प्र0 सरकार द्वारा प्रतिवर्ष दिपावली एवं होली पर्व पर 01-01 निःशुल्क गैस सिलेण्डर प्रदान कराये जाने हेतु लाभार्थियों को जानकारी दी गयी। जिलाधिकारी द्वारा निर्देश दिये गये कि उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों का शीघ्रताशीघ्र जिनके बैंक खाते आधार लिंक होगे तथा जिनके आधार प्रमाणित होगे वही उक्त योजना हेतु पात्र होगे। समस्त एल0पी0जी0 वितरक अपने यहाँ उक्त योजना के सम्बन्ध मे फ्लेक्सी बोर्ड लगवाएं तथा लाभार्थियों को उनका आधार प्रमाणन कराये जाने के समबन्ध में टेलीफोन, हॉकर्स, मोबाइल एस0एम0एस0 प्रेषित कराये।

परिक्रमा के दौरान किशोरी लापता, नामजद पर बहला-फुसलाकर भगा ले जाने का आरोप

जनता यूनियन मथुरा । राया थाना क्षेत्र के एक गांव से रंग भरनी एकादशी के अवसर पर परिवार के साथ परिक्रमा देने गई एक किशोरी संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। घटना के बाद परिजनों में हड़कंप मच गया और काफी तलाश के बावजूद देर रात तक उसका कोई सुराग नहीं लग सका। प्राप्त जानकारी के अनुसार किशोरी अपने परिवार व गांव की सहेलियों के साथ वृन्दावन परिक्रमा देने गई थी। परिक्रमा के दौरान वह भीड़ में परिवार से बिछड़ गई। काफी खोजबीन के बाद भी जब उसका पता नहीं चला तो परिजन चिंतित हो उठे। किशोरी की एक सहेली ने बताया कि नामजद युवक अपने एक अन्य साथी के साथ बाइक पर आया और कथित रूप से किशोरी को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया। किशोरी के पिता ने थाना वृन्दावन में शिकायती पत्र देकर नामजद युवकों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है !तथा बेटी की सकुशल बरामदगी की गुहार लगाई है। पुलिस जांच करने में जुट गई है! और आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है !और संभावित स्थानों पर दबिश दी जा रही है। परिजनों ने पुलिस से जल्द से जल्द किशोरी को सुरक्षित वरामद करने की मांग की है!

बगीचे में विराजमान होकर होली खेलेंगे राजाधिराज आज

जनता यूनियन मथुरा । नगर के पुष्टिमार्गीय संप्रदाय के सुप्रसिद्ध मंदिर ठाकुर द्वारकाधीश में एक मार्च को ठा. राजाधिराज जी मंदिर प्रांगण में सजाये गए बगीचे में विराजमान होकर भक्तों के साथ होली खेलेंगे।

मंदिर के मीडिया प्रभारी राकेश तिवारी एडवोकेट ने बताया कि एक मार्च को प्रातः काल मंगला, श्रृंगार और ग्वाल के दर्शन यथावत निर्धारत समय पर खुलेंगे। दोपहर 1 से 2.30 बजे तक ठाकुर राजाधिराज जी मंदिर प्रांगण में सजाये गये बगीचे में विराजमान होकर भक्तों के साथ होली खेलेंगे। इसके बाद सेवा कार्य चलेगा। शाम 4.30 से 5 बजे तक शयन के दर्शन होंगे। जिसके पश्चात मंदिर के पट बंद हो जाएंगे। उन्होंनेदर्शनार्थियों से विशेष निवेदन किया है कि भीड़ को देखते हुए अपने साथ छोटे बच्चों और वृद्धजनों को न लाएं। बाहर से किसी भी प्रकार के रासायनिक रंग, गुलाल, केमिकल या पिचकारी मंदिर परिसर में लाना पूर्णतः वर्जित है। मंदिर में केवल ठाकुर जी के प्रसादी अबीर-गुलाल का ही प्रयोग किया जाता है, कृपया उसी का आनंद लें। मंदिर की गरिमा बनाए रखें और किसी भी अन्य यात्री या श्रद्धालु के साथ अभद्र व्यवहार न करें। शांतिपूर्वक और प्रेम से होली का उत्सव मनाएं। सम्पूर्ण मंदिर सीसीटीवी की निगरानी में है अगर कोई भी व्यक्ति किसी के भी साथ अभद्रता करते हुए पाए गए तो उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मथुरा में 30 हजार किशोरियों को लगाई जाएगी एचपीवी वैक्सीन

जनता यूनियन मथुरा । जनपद मथुरा में 30 हजार से अधिक 14 वर्ष की किशोरियों को सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए एचपीवी टीकाकरण किया जाएगा। शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा इस अभियान का देशव्यापी शुभारंभ राजस्थान के अजमेर से किया गया, वहीं उत्तर प्रदेश में उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक द्वारा लखनऊ स्थित केजीएमयू के कन्वेंशन सेंटर से अभियान का शुभारंभ किया गया।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राधा वल्लभ ने बताया कि जनपद मथुरा में भी कार्यक्रम के सजीव प्रसारण हेतु कार्यालय मुख्य चिकित्सा अधिकारी मथुरा एवं समस्त सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र इकाईयों पर समुचित व्यवस्था की गई जिसमें कि समस्त चिकित्सकगणों, स्वास्थ्य कर्मचारियों, एवं अपार जनमानस के द्वारा प्रतिभाग किया गया।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी मथुरा डा0 राधा वल्लभ ने बताया कि जनपद मथुरा में 30,000 से अधिक 14 वर्ष की किशोरियों को एच.पी.वी. टीकाकरण अभियान चलाकर किया जायेगा।

जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डा0 रोहितास सिंह ने बताया कि एच.पी.वी. वैक्सीन हेतु गार्डासिल-4 (क्वाड्रिवैलेंट एचपीवी वैक्सीन), जो कि स्ट्रेन 6, 11, 16 व 18 से बचाव करेगी और सर्वाइकल कैंसर से बचायेगी। इस हेतु प्रशिक्षण, कार्ययोजना, आदि का कार्य किया जा रहा है। कार्यालय मुख्य चिकित्सा अधिकारी पर तैनात डा. आलोक कुमार, डा. अनुज चौधरी, डा. पीयुष सौनी, डॉ. अनुज यादव, हेल्थ पार्टनर प्रतिनिधि एवं अन्य कर्मचारी द्वारा प्रतिभाग भी किया गया।

न्यूज ब्रीफ

वृन्दावन में दर्शन को आए युवक से कार सवारों ने की लूटपाट, हाईवे पर छोड़ा

जनता यूनियन मथुरा । थाना वृन्दावन के रमनरेती चौकी क्षेत्र में दर्शन करने आए युवक के साथ जबरन कार में बैठाकर लूटपाट किए जाने का मामला सामने आया है।

पीड़ित सौरभ, निवासी कन्नौज, ने बताया कि वह प्रेमानन्द महाराज के दर्शन करने के लिए रमनरेती क्षेत्र की ओर जा रहे थे। इसी दौरान एक स्विफ्ट कार (संख्या यूपी 80 एचएम 4131) में सवार युवकों ने पता पूछने के बहाने उन्हें रोका और जबरन कार में बैठा लिया। आरोप है कि कार सवार युवक उन्हें हाईवे की ओर ले गए, जहां उनके मोबाइल से ऑनलाइन करीब 30 हजार रुपये किसी उदयवीर सिंह के खाते में ट्रांसफर कराए गए। साथ ही जेब में रखे 15 हजार रुपये नगद, सोने की चेन और चांदी की अंगूठी भी छीन ली। इसके बाद आरोपित युवक उन्हें हाईवे पर छोड़कर फरार हो गए।

चंद्र ग्रहण के चलते जन्मस्थान के दर्शनों का समय परिवर्तित

जनता यूनियन मथुरा । श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान (श्रीकृष्ण जन्मभूमि) पर फाल्गुन शुक्ल पूर्णिमा 3 मार्च 2026 की सांय खग्रास चन्द्रग्रहण होने के कारण मंगलवार 3 मार्च को प्रातः 5 बजे मंगला आरती के साथ सभी मंदिरों के पट खुलेंगे, तदोपरान्त प्रातः 6 बजे पट बन्द होंगे। चन्द्रग्रहण मोक्ष के उपरान्त मंगलवार की सांय 8 बजे सभी मंदिरों के पट उत्थापन आरती के साथ पुनः एक साथ खुलेंगे उसके बाद रात्रि 9 बजे नियत समय सभी मंदिरों के पट बन्द होगें।

होली और रमजान के पावन पर्व पर शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से पीस कमेटी की बैठक की गई

महोबा संवाददाता राम लखन सोनी । होली, रमजान के अंतिम शुक्रवार अलविदा की नमाज एवं ईद उल फितर को देखते हुए जनपद में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय पीस कमेटी की बैठक जिलाधिकारी गजल भारद्वाज की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में गणमान्य व्यक्तियों से सुझाव व समस्या जानी गयी ।जिलाधिकारी नें निर्देशित करते हुए कहा कि होलिका दहन स्थलों के आसपास विद्युत तारों को दुरुस्त किया जाए। उपजिलाधिकारी व क्षेत्राधिकारियों को निर्देश दिए कि आगामी पर्वों को लेकर स्थलीय निरीक्षण कर लें ताकि किसी भी प्रकार की अव्यवस्था ना होने पाए। जुलूसों में डीजे पर धार्मिक उन्माद फैलाने अथवा अश्लील गाने ना बजाए जाएं तथा पर्व के दौरान किसी भी दशा में विद्युत कटौती न हो। और उन्होंने कहा कि अधिकारी संवेदनशील स्थानों पर विशेष ध्यान दें. डीपीआरओ एवं नगर निकायों के समस्त अधिशासी अधिकारियों को निर्देशित किया कि विशेष अभियान चलाकर साफ-सफाई काराये। समय से पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि अवैध शराब की शिकायत नहीं मिलनी चाहिए। मिलावटी खाद्य पदार्थों की बिक्री पर रोकथाम हेतु अभियान चलाएं। सोशल मीडिया की कड़ी निगरानी की जाए और किसी तरह का भड़काऊ पोस्ट करने या माहौल खराब करने वाले अराजक तत्वों पर कार्रवाई की जाए जनपद में एकता और भाईचारे की मिसाल को बरकरार रखा जाए। जिलाधिकारी ने समस्त जनपद वासियों को होली की हार्दिक बधाई दी ।पुलिस अधीक्षक प्रबल प्रताप सिंह ने कहा कि होली का पर्व हर्ष उल्लाह के साथ मनाये। सभी अभिभावक अपने बच्चों को मादक पदार्थ का सेवन न करने दे और तेज गति में बच्चे गाड़ी ना चलाएं गाड़ी चलाते समय हेलमेट का प्रयोग जरूर करें और उन्होंने कहा कि भाईचारे के साथ होली का पर्व मनाये और शांति व्यवस्था कायम रखी जाए। आल्हा ऊदल की नगरी आदर्श जिला के नाम से जाना जाता है आप सभी लोग संयम के साथ त्योहार को मनाये। पुलिस प्रशासन आपके सहयोग में हमेशा तत्पर है बैठक में अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे मोईनुल इस्लाम, मुख्य विकास अधिकारी बलराम कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक वंदना सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ आशाराम सहित अन्य अधिकारी व पीस कमेटी के सदस्य एवं विभिन्न धर्म एवं समुदायों के लोग रामजी गुप्ता, मनु गुप्ता, शिव कुमार गोस्वामी, अल्ताफ रजा आदि गणमान्य लोग मौजूद रहे।

मथुरा में जगद्गुरु स्वामी चक्रपाणि महाराज का चित्रगुप्त पीठ पर हुआ स्वागत

जनता यूनियन मथुरा । अखिल भारतीय हिंदू महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं जूना अखाड़े के नवनियुक्त जगद्गुरु स्वामी चक्रपाणिानंद गिरि महाराज के 'जगद्गुरु' की उपाधि प्राप्त करने के पश्चात प्रथम बार मथुरा आगमन पर हिंदू समाज एवं महासभा कार्यकर्ताओं द्वारा चित्रगुप्त पीठ पर उनका भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह एवं हर्ष का वातावरण देखने को मिला। डॉ0 स्वामी सच्चिदानंद महामंडलेश्वर श्री लाल बाबा श्री चित्रगुप्त पीठ अखाड़ा वृंदावन के सानिध्य में हिंदू महासभा,उत्तर प्रदेश के प्रदेश उपाध्यक्ष संजय हरियाणा के नेतृत्व में श्याम शर्मा, आशीष शर्मा, अर्जुन पंडित, अरविंद कुमार सहित अन्य पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने स्वामी चक्रपाणि महाराज का पुष्पमालाओं, अंगवस्त्र एवं शंखध्वनि के साथ जोरदार स्वागत किया। संत समाज एवं उपस्थित श्रद्धालुओं ने जयघोष कर उनका अभिनंदन किया, जिससे संपूर्ण परिसर भक्तिमय वातावरण में गुंजायमान हो उठा। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि स्वामी चक्रपाणि महाराज को जगद्गुरु की उपाधि प्राप्त होना संपूर्ण हिंदू समाज के लिए गौरव का विषय है। उनके नेतृत्व एवं मार्गदर्शन से समाज में धर्म, संस्कृति एवं राष्ट्र सेवा की भावना को नई दिशा मिलेगी। कार्यक्रम में हिंदू महासभा एवं श्री वामन भगवान महोत्सव समिति के पदाधिकारी, संत समाज के प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। सभी ने स्वामी चक्रपाणि महाराज का स्वागत कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

अपने आशीर्वचन में स्वामी चक्रपाणि महाराज ने कहा कि सनातन धर्म एवं संस्कृति की रक्षा करना प्रत्येक सनातनी का कर्तव्य है। उन्होंने समाज से एकजुट होकर धर्म एवं संस्कृति के संरक्षण हेतु कार्य करने का आह्वान किया तथा मथुरा आगमन पर मिले स्नेह एवं सम्मान के लिए सभी का आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम के अंत में उपस्थित श्रद्धालुओं ने स्वामी चक्रपाणि महाराज के दीर्घायु एवं स्वस्थ जीवन की कामना की। यह आयोजन धार्मिक आस्था एवं सामाजिक एकता का प्रेरणादायक उदाहरण बन गया।

होली डोला की तैयारी हेतु माथुर चतुर्वेद परिषद की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न

जनता यूनियन मथुरा । मथुरा में होली डोला के भव्य आयोजन की तैयारियों को लेकर माथुर चतुर्वेद परिषद की एक आवश्यक बैठक परिषद के महामंत्री राकेश तिवारी एडवोकेट की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में डोला आयोजन से संबंधित व्यवस्थाओं पर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक में सभी आवेदकों से शपथ पत्र भरवाकर यह सुनिश्चित किया गया कि डोला उत्सव के दौरान किसी भी तीर्थयात्री या दर्शनार्थी के साथ किसी भी प्रकार की अभद्रता या अनुशासनहीनता न हो।

परिषद ने स्पष्ट किया कि उत्सव की गरिमा बनाए रखना अनिवार्य है और सभी सदस्य व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करेंगे।

बैठक में मुख्य रूप से कोषाध्यक्ष कमल चतुर्वेदी, मंत्री नीरज चतुर्वेदी, अमित चतुर्वेदी, मनोज पाठक, संजय मंत्री, आशीष चतुर्वेदी छुल्ली, अनुज पाठक एवं युवा समिति संयोजक गोपाल बोहरे, सौरभ पंडित सहित युवा समिति के अन्य सदस्य और पदाधिकारी उपस्थित रहे।

नववर्ष मेला, 18 मार्च से, तैयारियों को दिया अंतिम रूप

जनता यूनियन मथुरा । नववर्ष मेला समिति के तत्वावधान में नवसंवत्सर (हिंदू नववर्ष) की पूर्व संध्या पर आयोजित होने वाले विशाल नववर्ष मेला के 25 वर्ष पूर्ण होने पर रजत जयंती वर्ष में इस वर्ष नवसंवत्सर 2083 पर एक दिवसीय विशाल नववर्ष मेला 18 मार्च को सेठ बीएन पोद्दार इंटर कॉलेज में आयोजित होगा। मेला की तैयारी के लिए समिति के पदाधिकारियों ने व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया। मेला का मुख्य आकर्षण गायक बाबा सत्यनारायण मौर्य की संगीतमय प्रस्तुति एक शाम राष्ट्र के नाम का मंचन रहेगा।

नववर्ष मेला समिति मथुरा की वीति रात्रि को सरस्वती शिशु मंदिर दीनदयाल नगर में आयोजित बैठक का संचालन करते हुए मेला महामंत्री प्रदीप श्रीवास्तव ने बताया है कि इस वर्ष नवसंवत्सर 2083 के अवसर पर आयोजित होने वाला विशाल नववर्ष मेला के 25 वर्ष पूर्ण होने पर रजत जयंती वर्ष के रूप में मनाया जाएगा। रजत जयंती वर्ष में मेला स्मारिका का प्रकाशन होगा, जिसका विमोचन मेला के दिन 18 मार्च को मुख्य अतिथि द्वारा किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि मेला में प्रतियोगितायें 15 मार्च से होंगी, जिसमें रंग भरो, पोस्टर बनाओ, मेंहदी प्रतियोगिताएं सरस्वती शिशु मंदिर दीनदयाल नगर में होगी। 17 मार्च को सामान्य ज्ञान एवं निबंध प्रतियोगिताएं कृष्ण चन्द गांधी सरस्वती विद्या मंदिर में और 18 मार्च को रंगोली, रुपसज्जा, एकल नृत्य, समूह नृत्य की प्रतियोगिताएं मेला स्थल सेठ बीएन पोद्दार इन्टर कॉलेज पर होंगी। एकल व सामुहिक नृत्य का ट्रायल (परीक्षण) 16 मार्च को सरस्वती शिशु मंदिर दीनदयाल नगर में होगा। प्रतियोगिताओं में विजयी प्रथम, द्वितीय व तृतीय प्रतिभागियों को नकद पुरस्कार दिया जायेगा। सहभागिता पुरस्कार सभी प्रतिभागियों को दिया जाएगा। धन्यवाद ज्ञापन मेला अध्यक्ष कमलेश अरोड़ा ने किया।

स्वामी वामदेव शताब्दी महोत्सव धूमधाम के साथ प्रारंभ, संतों ने दी भावांजलि

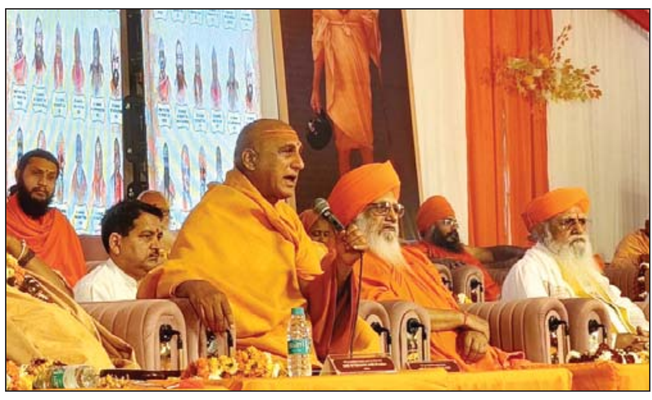

जनता यूनियन मथुरा । ब्रह्मलीन विरक्त शिरोमणि परमहंस श्री स्वामी वामदेव जी महाराज के जन्म शताब्दी के उपलक्ष्य में आयोजित शताब्दी आनंद महोत्सव का आज शनिवार को चैतन्य विहार स्थित वामदेव ज्योतिर्मठ में मंगलमय शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम के देश के प्रख्यात संतों और मनीषियों ने स्वामी जी के त्याग और राष्ट्रभक्ति को याद किया।

महोत्सव की शुभारंभ पादुका पूजन के साथ हुई, जिसके पश्चात जूना अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरी, निर्मल पीठाधीश्वर महंत स्वामी ज्ञान देव सिंह, महानिर्वाणी पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर राजगुरु स्वामी विशोकानंद भारती महाराज, अटल पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी विश्वात्मानंद सरस्वती महाराज, महामंडलेश्वर स्वामी चिदंबरानंद के साथ-साथ अनेक संतों की उपस्थिति में दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर संपूर्ण परिसर जय श्री राम के उद्घोष से गुंजायमान रहा, जो स्वामी वामदेव जी का प्रिय संबोधन था।

मेरी खो गई पायलिया श्याम तेरी होली में

जनता यूनियन मथुरा । सर्वोदयी ब्राह्मण विकास संस्थान महिला सभा द्वारा आनंद नगर जमुना धाम मैं होली का आयोजन किया गया सर्वप्रथम महिला पदाधिकारी डॉ उमा शर्मा, शिक्षाविद मालती भार्गव, डॉक्टर जमुना शर्मा ,शशि शर्मा, द्वारा राधा कृष्ण की छवि पर माल्या अर्पण कर फूलों की होली का शुभारंभ हुआ जिसमें गोरी शर्मा द्वारा मेरी खो गई पायलिया श्याम तेरी होली में पुष्पा शर्मा द्वारा यशोदा जी के लाल खेले ब्रिज में होली, वैशाली शर्मा द्वारा उड़े रंग गुलाल बरसाने में, आशा शर्मा द्वारा आज ब्रज में होली रे रसिया मैं महिलाओं द्वारा भी होली की लोकगीत गाए गए इस अवसर पर मोना शर्मा द्वारा सभी बहनों का पटका उढ़ाकर स्वागत किया गया राधा कृष्ण स्वरूप के साथ सभी विप्र महिलाओं ने फूलों की होली खेली।

बोर्ड की परीक्षा : शामिल हुए 3882 परीक्षार्थी

जनता यूनियन मथुरा । शनिवार को प्रथम पाली में हाईस्कूल संस्कृत और इंटर कृषि की 72 परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षा हुई। हाईस्कूल संस्कृत के लिए पंजीकृत 1647 परीक्षार्थियों में से 15 83 परीक्षार्थी परीक्षा देने के लिए पहुंचे और 64 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। वहीं इंटर कृषि की परीक्षा के लिए पंजीकृत 14 परीक्षार्थियों में से 11 ने परीक्षा दी और 3 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे।

आज द्वितीय पाली में इंटर की ड्राइंग और हाईस्कूल की संगीत विषय की परीक्षा हुई7 जिसके लिए 2428 विद्यार्थी पंजीकृत थे, इनमें से 2288 विद्यार्थी परीक्षा देने के लिए पहुंचे और 140 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे। जिला विद्यालय निरीक्षक रवीन्द्र सिंह ने बताया कि जनपद के किसी भी परीक्षा केंद्र से अनुचित सामग्री के प्रयोग की सूचना नहीं प्राप्त हुई। अभी तक परीक्षा नकल विहीन एवं सकुशल संपादित हुई।

सीबीएसई इंटर रसायन व हाईस्कूल संस्कृति की परीक्षा में बैठे 6817 छात्र-छात्राएं

मथुरा। सीबीएसई की शनिवार को कक्षा 12 की रसायन विज्ञान और हाईस्कूल संस्कृत की परीक्षा शांति पूर्वक सम्पन्न हुई। इस परीक्षा को देने के लिए 6817 परीक्षार्थी परीक्षा देने के लिए पहुंचे और 100 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। इस दौरान कोई भी नकल करते हुए परीक्षार्थी नहीं पकड़ा गया।

सीबीएसईकी परीक्षा के जिला कॉडीनेटर शेलेन्द्र ग्रेवाल ने बताया कि इंटर मीडिएट रसायन विज्ञान की परीक्षा के लिए पंजीकृत 6421 परीक्षार्थियों में से 6321 परीक्षार्थी परीक्षा देने के लिए पहुंचे। जबकि 96 परीक्षार्थी परीक्षा से बंचित रहे। जबकि कक्षा 10 वी संस्कृत की परीक्षा के लिए पंजीकृत 500 परीक्षार्थियों में से 496 परीक्षार्थी परीक्षा देने के लिए पहुंचे और चार परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे।

किसी भी जनपद में अवैध मदिरा के सेवन से न हो कोई दुर्घटना : मुख्य सचिव

■ संवेदनशील जनपदों में बरती जाए विशेष सतर्कता ■ किसी भी जनपद में न हो अवैध तथा जहरीली शराब का उत्पादन एवं बिक्री

■ खनन विभाग के राजस्व लक्ष्य की शत-प्रतिशत पूर्ति हो सुनिश्चित

झांसी जयूसं। मुख्य सचिव एस.पी.गोयल ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी मण्डलायुक्तों, जिलाधिकारियों एवं वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक कर होली पर्व के दौरान कानून-व्यवस्था एवं आबकारी व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा की। मुख्य सचिव ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि त्योहार के अवसर पर विशेष सतर्कता बरती जाए और अवैध तथा जहरीली शराब के किसी भी प्रकार के उत्पादन एवं बिक्री को पूर्णतः रोका जाए। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि किसी भी जनपद में अवैध मदिरा के सेवन से कोई दुर्घटना न होने पाए। इसके लिए संवेदनशील जनपदों में विशेष चौकसी सुनिश्चित की जाए तथा अंतर्विभागीय समन्वय स्थापित कर प्रभावी प्रवर्तन कार्रवाई की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि किसी भी क्षेत्र में न तो अवैध एवं जहरीली शराब का निर्माण हो और न ही उसकी बिक्री होने पाए।

उन्होंने कहा कि शराब की दुकानों, ढाबों एवं अन्य संभावित स्थानों का औचक निरीक्षण किया जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि कहीं भी अवैध शराब की बिक्री न हो तथा अधिक दर पर मदिरा विक्रय की शिकायत न मिले। सीमा क्षेत्रों, विशेषकर अंतरराज्यीय बार्डर पर सतर्कता बढ़ाई जाए और संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जाए। साथ ही भांग की अधिकृत दुकानों पर किसी भी दशा में गांजा की बिक्री न होने देने के निर्देश भी दिए गए।

मुख्य सचिव ने प्रशासन को अवैध शराब के विरुद्ध विशेष अभियान चलाने के निर्देश देते हुए कहा कि अंतरराज्यीय सीमाओं पर सघन चेकिंग अभियान संचालित किया जाए। कानून का उल्लंघन करने वाले तथा अवैध शराब के उत्पादन एवं बिक्री में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए यह सुनिश्चित करें कि होली पर्व शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं व्यवस्थित वातावरण में संपन्न हो।

उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि शराब की दुकानों को अनावश्यक रूप से लंबे समय तक बंद न रखा जाए, क्योंकि इससे अवैध तरीके से शराब की क्रय-विक्रय को बढ़ावा मिल सकता है तथा अवैध एवं जहरीली शराब के सेवन से दुर्घटनाओं की संभावना रहती है। स्थानीय परिस्थितियों के आधार पर ही जिला प्रशासन दुकानों की बंदी के संबंध में निर्णय ले, ताकि व्यवस्था संतुलित एवं नियंत्रित बनी रहे।

खनन विभाग की समीक्षा में उन्होंने राजस्व लक्ष्य की शत-प्रतिशत पूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही ओवरलोडिंग और अवैध खनन पर स्रोत बिंदु पर ही प्रभावी निगरानी सुनिश्चित करने को कहा। ओवरलोडिंग में संलिप्त वाहन मालिकों एवं परिवहनकर्ताओं के विरुद्ध सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाए। अधिकारियों से अपेक्षा की गई कि वे नियमित एवं आकस्मिक निरीक्षण करते रहें तथा मौके पर ही प्रभावी और कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करें।

बैठक में अपर मुख्य सचिव आबकारी श्रीमती वीना कुमारी मीना, आबकारी आयुक्त आदर्श सिंह, सचिव भूतत्व एवं खनिकर्म श्रीमती माला श्रीवास्तव, विशेष सचिव आबकारी अभिषेक आनंद, विशेष सचिव खनन अरुण कुमार, जिलाधिकारी मृदुल चौधरी, जिला आबकारी अधिकारी मनीष गुप्ता, जिला खनिज अधिकारी शैलेंद्र सिंह आदि उपस्थित थे।

पहले महिला को चाकुओं से गोंदा, फरार होकर युवक ने लगा ली फाँसी

झांसी जयूसं। एक महिला पर चाकुओं से हमला कर फरार हुए हमलावर ने पुलिस से बचने का काफी प्रयास किया। लेकिन पुलिस की घेराबंदी कड़ी होने पर आरोपी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रेमनगर थाना क्षेत्र के नैनागढ़ निवासी माया देवी को आज उसके घर पहुंच कर आरोपी महेंद्र साहू ने चाकुओं सेउसकेशरीर पर कई बार कर हमलाकर घायल कर दिया था। हमलावर महेंद्र साहू घटना को अंजाम देकर भाग निकला था। दिनदहाड़े महिला को चाकुओं से गोदने की घटना से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई थी। इधर घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची प्रेमनगर थाना पुलिस ने घायल महिला को उपचार के लिए अस्पताल भिजवा दिया था और आरोपी की सरगर्मी से तलाश शुरू कर दी थी। पुलिस ने बताया कि आरोपी महेंद्र साहू, माया देवी का रिश्तेदार है, वह पूर्व डेढ़ वर्ष पूर्व महेंद्र के साथ मायादेवी अपनी छोटे बच्चे के साथ अहमदाबाद चली गई थी। बीस दिन रहने केबाद वापस मायादेवी अपने पति के साथ रहने लगी थी। लेकिन मायादेवी ओर महेंद्र की फोन पर होने वाली बातों को लेकर घर में लगातार विवाद होता रहता था। जिस पर पति ने मायादेवी की महेंद्र फोन पर बातचीत भी बंद करवा दी थी। जिससे आक्रोशित होकर महेंद्र आज सुबह हाथ में चाकू लेकर माया के घर पहुंचा और दरवाजा खटखटाया। जैसे ही माया ने दरवाजा खोला महेंद्र ने उस पर चाकू से कई बार हमलाकर जख्मी कर दिया था। हमलावर महेंद्र घटना को अंजाम देकर फरार हो गया था। जिसकी तलाश में लगातार पुलिस घर परिवार ओर संदिग्ध स्थानों पर दबिश दे रही थी। पुलिस की सरगर्मी ओर घेराबंदी देख महेंद्र घबरा गया और खुद ही प्रेमनगर थाना से कुछ दूरी पर स्थित जुगनू मैरिज हॉल के पास स्थित पत्थर की टाल के पास रस्सी का फंदा लगाकर गले में फांसी का फंदा लगा लिया जिससे उसकी मौत हो गई।

न्यूज ब्रीफ

शराब के अड्डों पर दबिश, 635 लीटर अवैध शराब बरामद

झांसी जयूसं। आबकारी व पुलिस विभाग की टीम ने शराब के अड्डों पर दबिश दी। इस दौरान 635 लीटर शराब बरामद की है।

जिला आबकारी अधिकारी मनीष कुमार के निर्देशन एवं ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/उप जिलाधिकारी टहरौली के नेतृत्व में आबकारी विभाग, झांसी की जनपद में गठित टीमों द्वारा चलाए जा रहे विशेष प्रवर्तन अभियान के अंतर्गत हड्डीघर, पोलेबाबा, कांशीराम कॉलोनी, कांशीराम पार्क के पास, ग्राम टहरौली खास, ग्राम घुरैया, ग्राम धवारी व डेरा सेना, अड़जार, सकरार, बंगरा सेकरा, फरीदा, कल्याणपुरा, अशोक नगर में दबिश दी गई। दबिश के दौरान 635 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद कर 1600 किग्रा लहन मौके पर नष्ट किया गया। इस मामले में एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया है। मौके पर दबिश टीम में मनोज कुमार श्रीवास्तव आबकारी निरीक्षक क्षेत्र-1 झांसी, अजय कुमार आबकारी निरीक्षक क्षेत्र-2 झांसी, हर्ष बाबू आबकारी निरीक्षक क्षेत्र-3 झांसी, सोनीबाला जायसवाल आबकारी निरीक्षक क्षेत्र-4 झांसी एवं ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/उप जिलाधिकारी टहरौली, नारायण गुप्ता आबकारी निरीक्षक क्षेत्र-5 झांसी व थाना पुलिस टहरौली तथा आबकारी स्टॉफ सम्मिलित रहे।

खजुराहो-ललितपुर खंड के उदयपुरा स्टेशन पर डबल डिस्टेंट सिग्नलिंग प्रणाली का कार्यान्वयन

झांसी जयूसं। झांसी मंडल के खजुराहो-ललितपुर खंड के उदयपुरा स्टेशन पर डबल डिस्टेंट सिग्नलिंग प्रणाली का कमीशनिंग कार्य सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह महत्वपूर्ण कार्य मौजूदा पीआई प्रणाली में आवश्यक बदलाव कर पूरा किया गया।

यह उपलब्धि मंडल रेल प्रबंधक अनिरुद्ध कुमार के कुशल मार्ग दर्शन और अपर मंडल रेल प्रबंधक/ इंफ्रा पी पी शर्मा, अपर मंडल रेल प्रबंधक/परिचालन नंदीश शुक्ला ,वरिष्ठ मंडल सिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियर -समन्वय, नरेंद्र सिंह, वरिष्ठ मंडल सिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियर -ब्रांच लाइन, कुमारी रश्मि गौतम, सहायक मंडल सिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियर मनोज कुमार एवं समस्त मंडल अधिकारियों के कुशल नेतृत्व और विभागों के आपसी समन्वय से प्राप्त हुई। डबल डिस्टेंट सिग्नलिंग प्रणाली की स्थापना से ट्रेन चालकों को पहले से संकेतों की स्पष्ट जानकारी प्राप्त होगी, जिससे उन्हें ट्रेन की गति को नियंत्रित करने और सुरक्षित संचालन में सहायता मिलेगी। यह प्रणाली विशेष रूप से उच्च गति वाली ट्रेनों के संचालन के लिए उपयोगी होती है, क्योंकि यह चालक को आगे के सिग्नलों के बारे में अतिरिक्त पूर्व सूचना देती है। इस उन्नत सिग्नलिंग प्रणाली से झाँसी मंडल में रेल यातायात की सुरक्षा, संरक्षा और संचालन क्षमता में महत्वपूर्ण वृद्धि होगी, जिससे यात्रियों को अधिक सुरक्षित और सुगम रेल यात्रा का लाभ मिलेगा।

26 वाँ भव्य महोत्सव का आयोजन 6 मार्च से

झांसी जयूसं। भागवत सत्संग मण्डल प्रेमनगर के तत्वाधान में गतवर्ष की भाँति इस वर्ष भी 26 वां भव्य महोत्सव का आयोजन 6 मार्च से होने जा रहा है, जिसमें 4 वेद, 18 पुराण पूजन, अखण्ड पाठ एवं श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन होगा। 6 मार्च से अखण्ड पाठ आरम्भ होगा, 7 मार्च को भव्य शोभा कलश यात्रा एवं 8 मार्च से श्रीमद् भागवत ज्ञान यज्ञ कथा का शुभारम्भ होगा। कथा वाचन राष्ट्रीय कथा व्यास साध्वी वन्दना उपाध्याय द्वारा किया जायेगा, इस आयोजन में पूरे बुन्देलखण्ड के धर्म गुरुओं, आचार्यों एवं समाजसेवियों को आमंत्रित किया गया है। इस वर्ष सम्पूर्ण प्रेमनगर वासियों के द्वारा भव्य आयोजन में सहभागिता की जायेगी एवं सम्पूर्ण नगरवासी लाभान्वित होंगे। आज भागवत सत्संग मण्डल की बैठक में उक्त कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गई एवं भागवत कार्ड का विमोचन किया गया। कार्यक्रम में योगेंद्र सिंह यादव, मैथिली शरण मुद्गिल, राम आसरे गुप्ता, पं. सिया रामचरण चतुर्वेदी, आनन्द कुमार सक्सेना, अरुण सिंह, इंद्रपाल सिंह खनूजा, श्यामसुंदर अवस्थी, कैलाश नारायण मालवीय, संदीप साहू, मनोज साहू, शोभाराम, दीप चंद्र, नरेश मिश्रा, खेम चंद्र गौतम, चंद्र मोहन तिवारी, विश्वनाथ मिश्रा आदि उपस्थित रहे। अंत में आनन्द कुमार सक्सेना ने सभी का आभार व्यक्त किया।

आठ माह से अपहृत मेघा को पुलिस ने किया बरामद

एसएसपी ने बरामदगी के लिए लगा रही थी कई टीमें

झांसी जयूसं। पिछले चार महीने से पुलिस के सिरदर्द बना नाबालिग मेघा अपहरण कांड की गुत्थी आखरिकार पुलिस ने सुलझा ली। पुलिस ने देर रात नाबालिग मेघा को मध्यप्रदेश से एक अधेड़ व्यक्ति के घर से बरामद कर लिया। पुलिस अभी न्यायिक प्रक्रिया पूरी कर रही है।

सीपरी बाजार थाना क्षेत्र के लहरगिर्द निवासी प्रभा ने अपनी पंद्रह वर्षीय पुत्री मेघा के अपहरण करने के आरोप में एक किशोर के खिलाफ माह जून 2025 में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज करने दो माह बाद आरोपी किशोर को गिरफ्तार कर जेल भेज कर दिया था। आरोपी से पूछताछ में पता चला कि नाबालिग उसे मध्यप्रदेश के बीना स्टेशन पर छोड़ कर भाग गई। इसलिए नाबालिग की बरामदगी नहीं हो सकी। उसकी बरामदगी के प्रयास किए जा रहे है। लेकिन कई दिनों तो नाबालिग की बरामदगी नहीं होने पर प्रभा ने हाईकोर्ट में हैवीयश कॉपर याचिका दाखिल की थी। जिस पर तीन माह से लगातार सुनवाई कर रही हाईकोर्ट का कड़ा रुख देख पुलिस के पसीने छूट रहे थे। इधर एसएसपी बीबीजीटीएस ने मामले को गंभीरता से लेकर नाबालिग की बरामदगी के लिए थाना सीपरी बाजार पुलिस ओर ए एच टी यू की टीम गठित कर उसकी बरामदगी के जल्द से जल्द प्रयास करने के निर्देश दिए थे। एसएसपी के निर्देशन में लगी सीपरी बाजार ओर ए एच टी यू थाना पुलिस ने मध्यप्रदेश के जिला निवाड़ी से नाबालिग मेघा को बरामद कर लिया। सूत्र बताते है कि मेघा ने पूछताछ में बताया कि उसे आरोपी किशोर कल्लू बीना स्टेशन पर चलती ट्रेन से धक्का देकर भाग गया था। वह रात भर वही भटकती रही। एक महिला उसे मिली जो उसे सहारा देने की बात कहकर उसे मध्यप्रदेश के जिला दतिया ले गई। वहां महिला ने उसकी मध्यप्रदेश के निवाड़ी निवासी एक व्यक्ति के साथ शादी करा दी। पुलिस ने उक्त व्यक्ति को भी हिरासत में ले लिया। उस व्यक्ति की उम्र करीब चालीस वर्ष बताई जा रही है। अभी पुलिस टीमें इस मामले में जांच पड़ताल कर रही है।

माटी शिल्पकारों के सर्वांगीण विकास हेतु सरकार निरंतर प्रयासरत : जिला पंचायत अध्यक्ष

एक दिवसीय माटीकला जागरूकता कार्यक्रम एंव टूल किट्स वितरण सम्पन्न

झांसी जयूसं। उत्तर प्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्डद्वारा एक दिवसीय माटीकला जागरूकता कार्यक्रम एंव टूल किट्स वितरण कार्यक्रम लक्ष्मी गार्डन कोछाभॉवर मेंअध्यक्ष जिला पंचायत पवन कुमार गौतम, जिला पंचायत सदस्य चंदन सिंह कुशवाहा द्वारा महात्मा गाँधी की मूर्ति पर माल्यार्पण एंव दीप प्रज्वलित कर किया गया। जागरूकता कार्यक्रम एंव विद्युत चालित चाक एंव पगमिल मशीन, दोना एंव पॉपकोन मशीन का वितरण किया गया, माटीकला से सम्बन्धित बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय से आये हुये प्रो.गणों द्वाराजानकारी प्रदान की गयी। जिला पंचायत अध्यक्ष पवन कुमार गौतम ने कहा कि माटी शिल्पकारों के सर्वांगीण विकास हेतु सरकार निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने बताया कि माटीकला बोर्ड का मूल उद्देश्य पारंपरिक माटी शिल्पकारों के सर्वांगीण विकास के लिए योजनाबद्ध कार्यक्रम के माध्यम से उद्यमिता कौशल विकसित करना है। कुम्भकारों एवं माटी शिल्पियों के आर्थिक तकनीकी एवं सर्वांगीण विकास के लिए तथा पारंपरिक माटी शिल्पकला के संरक्षण योजनाबद्ध कार्यक्रम के माध्यम से उद्यमिता कौशल विकसित करने के लिए माटीकला बोर्ड का गठन किया गया है। बोर्ड द्वारा विभिन्न योजनाएं जैसे प्रशिक्षण, औजार उपकरण सहायता, कार्यशाला अनुदान सहायता, अध्ययन प्रवास, विकास कार्यक्रम, विपणन सहायता आदि माटी शिल्पियों के विकास की योजना का संचालन किया जा रहा हैं, जिससे माटी शिल्पियों की आर्थिक स्थिति को और भी बेहतर बनाया जा सके।

इस मौके पर जनपद के माटीकला कारीगर तथा नगरवासीगण तथा रामकिशोर गुप्ता जिला ग्रामोद्योग अधिकारी, बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय के प्रो.रामेन्द्र कुमार गुप्त, सहा.आचार्य, डॉ.रानी शर्मा, शिक्षण सहायक, जे.पी.अनुरागी सहायक निदेशक रेशम , कैलाश चन्देल, अखिलेश चतुर्वेदी आदि उपस्थित हुये। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

ठगी गई धनराशि पीड़ितों को वापस दिलाई

झांसी जयूसं। साइबर क्राइम टीम ने ठगी गई धनराशि को पीड़ितों के खाते में वापस करवाई है। यह राशि मिलते ही पीड़ितों ने साइबर क्राइम टीम के कार्यों की प्रशंसा की है। पुलिस महानिरीक्षक आकाश कुलहरि, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बीबीजीटीएस मूर्ति, पुलिस अधीक्षक नगर/नोडल अधिकारी साइबर क्राइम श्रीमती प्रीति सिंह, क्षेत्राधिकारी साइबर क्राइम पीयूष कुमार पाण्डेय के निकट पर्यवेक्षण में जनपद में साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत थाना साइबर क्राइम टीम ने पीड़ित की ठगी गई धनराशि वापस कराने में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त की है। एसपी सिटी के मुताबिक सीपरी बाजार थाना क्षेत्र के सी पी मिशन कंपाउंड मोहल्ले में रहने वाले नितिन अग्रवाल ने थाना साइबर क्राइम में ऑनलाइन ठगी का मामला दर्ज कराया था। बताया गया है कि छलपूर्वक उनकी धनराशि विभिन्न बैंक खातों में स्थानांतरित कर दी गई है। इस मामले को गंभीरता के मद्देनजर साइबर सेल टीम द्वारा तकनीकी विश्लेषण कर संबंधित बैंकों/एजेंसियों से त्वरित समन्वय स्थापित किया गया। परिणामस्वरूप होल्ड कराई गई धनराशि में से 50 हजार रुपये की धनराशि सफलतापूर्वक वादी के बैंक खाते में वापस कराई गई।

इसी तरह प्रेमनगर थाना क्षेत्र के खाती बाबा मोहल्ले में रहने वाले सुरेंद्र कुमार दुबे के साथ ऑनलाइन फ्रॉड की घटना घटित हुई थी। धोखाधड़ी कर उनकी धनराशि विभिन्न बैंक खातों में स्थानांतरित कर दी गई थी। इस मामले को भी साइबर सेल द्वारा त्वरित तकनीकी विश्लेषण करते हुए संबंधित बैंकों/एजेंसियों से समन्वय स्थापित किया गया। तत्पश्चात होल्ड कराई गई धनराशि में से 20 हजार रुपये की धनराशि सफलतापूर्वक वादी के बैंक खाते में वापस कराई गई। अपनी आंशिक रूप से वापस प्राप्त धनराशि पाकर पीडित द्वारा झाँसी पुलिस एवं साइबर सेल टीम के प्रति आभार व्यक्त करते हुए भूरि-भूरि प्रशंसा की गई।

राजकीय इंटर कॉलेज मैदान में व्हीलचेयर क्रिकेट का रोमांचक फाइनल, उत्तर प्रदेश बना विजेता

झाँसी जयूसं। शुक्रवार को राजकीय इंटर कॉलेज मैदान में आयोजित चार राज्यों के दिव्यांग व्हीलचेयर क्रिकेट टूर्नामेंट के अंतर्गत दिल्ली और उत्तर प्रदेश के बीच खेले गए फाइनल मुकाबले ने दर्शकों को रोमांच से भर दिया। खेल भावना, जज़्बे और उत्साह से ओत-प्रोत इस मुकाबले में उत्तर प्रदेश की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम किया। फाइनल मैच में टॉस दिल्ली की टीम ने जीता और पहले बल्लेबाज़ी करने का निर्णय लिया। निर्धारित 12 ओवरों में दिल्ली की टीम 68 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। दिल्ली की ओर से सौरभ मलिक ने सर्वाधिक 17 रनों की पारी खेली। उत्तर प्रदेश की सधी हुई गेंदबाज़ी के सामने दिल्ली के बल्लेबाज़ अधिक देर तक टिक नहीं सके। लक्ष्य का पीछा करने उतरी उत्तर प्रदेश की टीम ने मात्र 6 ओवर में 69 रन बनाकर जीत हासिल कर ली। टीम ने केवल 3 विकेट खोकर यह लक्ष्य प्राप्त किया और मैदान पर जीत का परचम लहरा दिया। उत्तर प्रदेश के बल्लेबाज़ों ने संयम और आक्रामकता का संतुलन बनाए रखते हुए शानदार खेल का प्रदर्शन किया। गेंदबाज़ी में भी टीम का दबदबा देखने को मिला। दिल्ली की ओर से शेर सिंह ने 2 विकेट लिए, जबकि एक अन्य गेंदबाज़ को 1 विकेट प्राप्त हुआ। बावजूद इसके उत्तर प्रदेश की टीम के आत्मविश्वास और बेहतर रणनीति के आगे दिल्ली की टीम को हार का सामना करना पड़ा।

कार्यक्रम के अतिथि सदर विधायक रवि शर्मा, संघर्ष सेवा समिति के अध्यक्ष डॉ. संदीप सरावगी, कृभको के चेयरमैन डॉ. चंद्रपाल सिंह यादव, -डायरेक्टर, कॉपरेटिव बैंक उत्तर प्रदेश, लखनऊ,आशीष उपाध्याय, रोहित पाण्डे, नीति शास्त्री उपस्थित रहे। कार्यक्रम में समिति के संरक्षक अनूप चौबे, अध्यक्ष हरीश कुशवाहा, उपाध्यक्ष दिनेश यादव, कार्यवाहक अध्यक्ष हरविंद शिवहरे, सेक्टर अध्यक्ष महेंद्र कुशवाहा, कार्यकारिणी सदस्य अवधेश कुशवाहा एवं संगठन मंत्री सुरेश कुशवाहा की महत्वपूर्ण भूमिका रही। संघर्ष सेवा समिति के अध्यक्ष डॉ. संदीप सरावगी ने व्हीलचेयर क्रिकेट फाइनल के अवसर पर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि दिव्यांग खिलाड़ी किसी भी मायने में कमज़ोर नहीं हैं, बल्कि वे अपने साहस, आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प से समाज के लिए प्रेरणा स्रोत हैं। उन्होंने कहा आज के इस रोमांचक मुकाबले ने साबित कर दिया कि प्रतिभा शारीरिक सीमाओं की मोहताज नहीं होती। आवश्यकता केवल अवसर और प्रोत्साहन की होती है।

डॉ. सरावगी ने आगे कहा कि इस प्रकार के आयोजन समाज में सकारात्मक सोच को बढ़ावा देते हैं और दिव्यांग खिलाड़ियों को मुख्यधारा से जोड़ने का कार्य करते हैं। फाइनल मुकाबले के उपरांत विजेता टीम को ट्रॉफी और सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया। मैदान में मौजूद दर्शकों ने तालियों की गड़गड़ाहट से खिलाड़ियों का अभिनंदन किया। यह टूर्नामेंट दिव्यांग खिलाड़ियों के आत्मबल, संघर्ष और खेल भावना का सशक्त उदाहरण बनकर उभरा।

समाचार पत्र पंजीयन (केन्द्रीय) कानून, 1956 आठवें नियम के अन्तर्गत अपेक्षित **'जनता यूनियन'** झाँसी नामक समाचार पत्र से संबंधित स्वामित्व और अन्य बातों का ब्यौरा :

प्रपत्र-4

1. प्रकाशन स्थान	:	झाँसी (यू.पी.)
2. प्रकाशन अवधि	:	दैनिक
3. मुद्रक का नाम	:	नाथूराम कुशवाहा वास्ते जनता यूनियन
क्या भारत का नागरिक है?	:	हां
(यदि विदेशी है तो मूल देश)	:	××××××××××
पता -	:	श्री शिव परिवार कालोनी बाहर उन्नाव गेट, झाँसी
4. प्रकाशक का नाम	:	नाथूराम कुशवाहा वास्ते जनता यूनियन
क्या भारत का नागरिक है?	:	हां
(यदि विदेशी है तो मूल देश)	:	××××××××××
पता -	:	श्री शिव परिवार कालोनी बाहर उन्नाव गेट, झाँसी
5. संपादक का नाम	:	नाथूराम कुशवाहा
क्या भारत का नागरिक है?	:	हां
(यदि विदेशी है तो मूल देश)	:	××××××××××
पता -	:	श्री शिव परिवार कालोनी बाहर उन्नाव गेट, झाँसी
6. उन व्यक्तियों के नाम व पते जो	:	चाँदनी कुशवाहा
समाचार-पत्र के स्वामी हों, तथा समस्त पूंजी के एक प्रतिशत से अधिक के साझेदार या हिस्सेदार हों।	:	श्री शिव परिवार कालोनी बाहर उन्नाव गेट, झाँसी

मैं नाथूराम कुशवाहा एतद्वारा घोषित करता हूं कि मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिए गए विवरण सत्य हैं।

दिनांक : 1 मार्च, 2026

ह/- नाथूराम कुशवाहा
(प्रकाशक के हस्ताक्षर)

नारी शक्ति ठान ले तो वह सब कुछ कर सकती है: आशा मालवीय

व्हाइट टाइगर डिविजन के सैनिकों ने सोलो साइकिलिस्ट एथलीट और पर्वतारोही सुश्री आशा मालवीय का किया स्वागत

झांसी जयूसं। मध्य प्रदेश के राजगढ़ की रहने वाली सुश्री आशा मालवीय इन दिनों अपने साहस, संकल्प और देशभक्ति के जज्बे से लोगों को प्रेरित कर रही हैं। वह च्नारी शक्ति देश भक्तिज्ज का संदेश लेकर 7,800 किलोमीटर की लंबी साइकिल यात्रा पर निकली हैं। आशा मालवीय ने बताया कि राजस्थान के जयपुर से शुरू हुई उनकी यह यात्रा गुजरात होते हुए कविविंद तक जाएगी। जनपद झांसी में पहुंचने पर झांसी आर्मी कैंट के सैनिकों द्वारा उनका स्वागत और उनके साथ साइकिलिंग करके उनका उत्साहवर्धन किया गया और उनके इस कार्य के प्रयास की प्रशंसा करते हुए शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि नारी शक्ति ठान ले तो वह सब कुछ कर सकती है। आज महिलाएं हर क्षेत्र में कीर्तिमान स्थापित कर रही हैं। तत्पश्चात व्हाइट टाइगर डिविजन के जनरल ऑफिसर कमांडिंग, मेजर जनरल मनदीप सिंह, अति विशिष्ट सेवा मेडल, सेना मेडल द्वारा सुश्री आशा मालवीय को मोमेंटो और कैप भेंट कर उनके हौसले को प्रोत्साहित किया गया। सुश्री आशा मालवीय ने झांसी कैंट के आर्मी पब्लिक स्कूल के बच्चों से मिलकर उनके हौसले को प्रोत्साहित किया और बताया कि हमारे लिए फिजिकल, एथलेटिक्स और साइकिलिंग कितना जरूरी है और साथ ही साथ अपने शरीर को कैसे स्वस्थ रखना है। आशा मालवीय, आशा स्कूल के बच्चों से मिलकर बहुत भावुक हुई और उनके लिए भगवान से प्रार्थना की कि उन्हें पूर्ण रूप से स्वस्थ रखें। आशा मालवीय जी ने बताया कि उन्होंने फिजिकल एजुकेशन में पी.जी. की पढ़ाई की है। उन्होंने यह भी बताया कि इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को आत्मनिर्भर और साहसी बनने के लिए प्रेरित करना है। आशा मालवीय अपनी अगली यात्रा 250 किलोमीटर की दूरी कानपुर के लिए रवाना हो गई।

पुलिस के सामने जमकर चले लाठी-डंडे, चार घायल

झांसी जयूसं। खुशीपुरा मोहल्ले में आपसी विवाद के दौरान दो पक्ष भिड़ गए। उनके बीच जमकर लाठी-डंडे चले। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे को घायल कर दिया। पुलिस भी पहुंची लेकिन, दोनों पक्ष एक दूसरे पर लाठी-डंडे बरसाते रहे। पुलिस ने किसी तरह उपद्रवियों को काबू किया। दोनों पक्षों से कुल चार लोग घायल हैं। उनको मेडिकल अस्पताल ले जाया गया। दोनों पक्षों ने एक दूसरे पर जानलेवा हमले के आरोप में नवाबाद थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

थाना नवाबाद के खुशीपुरा में बैजू का बगीचा मोहल्ला निवासी बहादुर सिंह राय एवं अनिरुद्ध यादव के बीच सार्वजनिक कुएं की जमीन को लेकर काफी समय से विवाद चल रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि बीते रोज दोनों पक्ष इसी बात को लेकर फिर उलझ गए। उनके बीच गाली गलौज होने लगी। इस दौरान मारपीट शुरू हो गई। दोनों ओर से लोग लाठी-डंडे एवं लोहे के रॉड लेकर घरों से बाहर निकल आए। बहादुर राय ने कुमार यादव, अनिरुद्ध यादव, अनु यादव के खिलाफ जबकि अनिरुद्ध यादव ने बहादुर सिंह राय, प्रदीप राय, जयदीप राय समेत अन्य के खिलाफ मामला दर्ज कराया। इस संबंध में नवाबाद थाना प्रभारी निरीक्षक रवि श्रीवास्तव का कहना है कि मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले की जांच की जा रही है।

नगर में नहीं घुसेंगे भारी वाहन, लगा प्रतिबंध

नो एंट्री के उल्लंघन पर लगेगा बीस हजार का अर्थदंड

झांसी जयूसं। पुलिस महानिरीक्षक आकाश कुलहरि के निर्देशानुसार नगर क्षेत्र में यातायात व्यवस्था को सुव्यवस्थित बनाए रखने एवं आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु खनन सामग्री की आपूर्ति करने वाले मालवाहक वाहनों, ट्रैक्टर मय ट्रॉली तथा अन्य भारी वाहनों के नगर क्षेत्र में प्रवेश पर समयबद्ध प्रतिबंध लागू किया गया है।

निर्देशों के क्रम में जनपद झाँसी के समस्त नो-एंट्री प्वॉइंट से नगर क्षेत्र में प्रवेश करने वाले ट्रैक्टर मय ट्रॉली, ट्रक एवं अन्य भारी वाहन प्रातः 8:00 बजे से रात्रि 09:00 बजे तक पूर्णतः प्रतिबंधित रहेंगे। उक्त आदेश का उल्लंघन किए जाने पर संबंधित वाहन चालक/स्वामी के विरुद्ध नो-एंट्री उल्लंघन के अंतर्गत 20 हजार का जुर्माना अधिरोपित किया जाएगा तथा विधिक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

यह भी अवगत कराया जाता है कि जो वाहन रात्रि 09:00 बजे के पश्चात नगर क्षेत्र में प्रवेश करेंगे, उन्हें अनिवार्य रूप से प्रातः 08:00 बजे से पूर्व नगर क्षेत्र से बाहर निकलना होगा। यदि प्रातः 08:00 बजे से रात्रि 09:00 बजे के मध्य कोई ट्रैक्टर मय ट्रॉली अथवा भारी वाहन नगर क्षेत्र में सड़क अथवा पटरी पर खड़ा पाया जाता है, तो उसे नो-एंट्री आदेश का उल्लंघन मानते हुए चालान की कार्रवाई की जाएगी। अतः समस्त वाहन स्वामियों एवं चालकों से अपेक्षा की जाती है कि वे उक्त आदेश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करें, अन्यथा नियमानुसार दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

इन रास्तों पर कैसे लगेगा प्रतिबंध

मैरी से बड़ागांव गेट बाहर, फिल्टर रोड से दतिया गेट अंदर, ग्राम डेली से आवास विकास कॉलोनी, गढ़ियागांव, हंसारी, टपरियन, सदर बाजार के ग्राम सिमराहा समेत अनेकों स्थानों ऐसे है जहां से बालू से भरे ट्रैक्टर ट्रॉलिया खुलेआम चल रही है। इसकी जानकारी पुलिस व प्रशासन को अच्छी तरह से है मगर सत्तादल के नेताओं के विरोध पर कार्रवाई नहीं की जाती है।

न्यूज ब्रीफ

महिला समेत दो लोगों की मौत

झाँसी जयूसं। अलग- अलग स्थानों पर महिला समेत दो लोगों की मौत हो गई। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। एरच थाना क्षेत्र के ग्राम बामौर निवासी विनीता देवी ने कतिपय कारणों के चलते विषाक्त पदार्थ का सेवन कर लिया जिससे उसकी हालत बिगड़ गई। उपचार के लिए मेडिकल कालेज लाया गया। यहां उसकी मौत हो गई। वहीं, तालबेहट के हर्षपुरा निवासी कमलेश कुमार सड़क हादसे में घायल हो गया। उपचार के लिए मेडिकल कालेज लाया गया। यहां उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया।

समाजसेवियों एवं कवियों को इंदीवर अवार्ड सेकिया सम्मानित।

झांसी जयूसं। क्षत्रिय कलचुरी कलबार महासंघ के तत्वाधान में बड़ा बाजार स्थित श्री रामलीला मंच फिल्मी गीतकार विश्व विख्यात स्वतंत्रता संग्राम सेनानी कवि श्यामलाल राय इंदीवर अवार्ड का कार्यक्रम अखिल भारतीय जयसवाल कलचुरी महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेंद्र राय के मुख्य अतिथि में एवं क्षत्रीय क्षकलचुरी कलवार महासंघ के अध्यक्ष अजीत राय की अध्यक्षता में वरिष्ठ समाजसेवी रामस्वरूप काका की विशिष्ट ज् औरआतिश में धूमधाम से मनाया गया और सब प्रथम राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेंद्र राय अजीत राय माला पहनाकर दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया कार्यक्रम में इंदीवर के गीत गाए होठों से छू लो तुम मेरा गीत अमर कर दो। मेरे देश की धरती सोना उगले हीरे मोती मेरे देश की धरती। मैं भारत का रहने वाला हूं भारत की बात सुनाता हूं। धूप में ना निकला करो रूप की रानी गोरा बदन काला ना हो पड़ जाए। फूल तुम्हें भेजा है खत में फूल नहीं मेरा दिल है। चंदन सा बदन चंचल चितवन धीरे से तेरा यह मुस्कान मुझे दोस्त ना देना जग वालों हो जाऊं अगर मैं दीवाना। तेरे चेहरे में वो जादू है बिन डोर खिंचा जाता हूं जाना होता है और कहीं तेरी ओर चला आता हूं। ओ रे ताल मिले नदी के जाल में नदी मिले सागर सागर मिले कौन से जल में कोई जाने ना। आदि गीत सुनाएं भक्तों सुनाएं कार्यक्रम में महासंघ के अध्यक्ष एवं इंदीवर के भतीजे अजीत राय ने कवियों एवं समाजसेवियों का श्रीफल साल अवार्डदेकर सम्मान किया इस अवसर पर रवीश त्रिपाठी राधे राय कपिल राय श्रीमती लक्ष्मी राय शैलेंद्र रायमनोज सेन रामेश्वर राय आनंद राय श्रीमती लक्ष्मी राय शिव कुमारी राय राधा राय अनंत राय तान्या राय कपिल राय भारत राय सिमराहा दिलीप राय राजू राय आदि लोगों को सम्मानित किया संचालन महामंत्री दिनेश शिवहरे ने किया एवं आभार अंकित राय व्यक्त किया

झांसी मंडल के आरक्षण केंद्र हुए अब आधुनिक पीआरएस

झांसी जयूसं। मंडल रेल प्रबंधक अनिरुद्ध कुमार के मार्ग दर्शन और वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अमन वर्मा के नेतृत्व में उत्तर मध्य रेलवे के झांसी मंडल में फरवरी 2026 तक सभी 27 पीआरएस काउंटर (जिनमें 8 नॉन रेल हेड पीआरएस, 22 यूटीएस कम पीआरएस काउंटर और 8 चार्टिंग काउंटर शामिल हैं) को 17 स्थानों पर स्थित नई पीढ़ी के नेक्स्ट जेनरेशन पीआरएस काउंटरों में 100 प्रतिशत रूप से परिवर्तित कर दिया गया है।

अत्यधिक तेज़ बुकिंग : नई प्रणाली प्रति मिनट 1.5 लाख से अधिक टिकट बुक कर सकती हैजो वर्तमान क्षमता की तुलना में 5 गुना तेज है।

तेज़ पूछताछ : टिकट संबंधी पूछताछ क्षमता को 10 गुना वृद्धि हो जाएगी।

आधार-आधारित तत्काल बुकिंग

जुलाई 2025 से तत्काल बुकिंग के लिए ओटीपी आधारित प्रमाणीकरण अनिवार्य होगाजिससे दलालों पर नकेल कसी जाएगी और फर्जी आईडी पर रोक लगेगी।

बेहतर यूजर इंटरफेस: यह प्रणाली बहुभाषी होगी और यात्रियों को पसंद की सीट चुनने और किराया कैलेंडर देखने की सुविधा देगी।

दिव्यांगजन-अनुकूल- नई व्यवस्था में विशेष रूप से दिव्यांगोंछात्रों और मरीजों के लिए एकीकृत सुविधाएं शामिल की गई हैं।

सुरक्षित और स्मार्ट : टीटीई) द्वारा तुरंत (न आने वाले) यात्रियों को चिन्हित करउनकी खाली सीट वेटिंग/आरएसी यात्रियों को जल्द अलॉट कर दी जाएगी। एजेंटों पर नियंत्रण- नए नियमों के अनुसारएजेंट बुकिंग शुरू होने के पहले 10 मिनट तक टिकट बुक नहीं कर पाएंगेजिससे आम यात्रियों को कन्फर्म टिकट मिलने की संभावना बढ़ेगी। यह आधुनिकीकरण टिकट बुकिंग के समय आने वाली तकनीकी खामियों को कम करेगा और यात्रा की योजना को अधिक सुविधाजनक बनाएगा।

दिल्ली में राष्ट्रीय व्यापार महोत्सव में बुंदेलखंड के व्यापारी भी करेंगे प्रतिभा, 40 देश के प्रतिनिधि भी होंगे सम्मिलित

झाँसी जयूसं। नई दिल्ली देश का सबसे बड़ा व्यापारिक संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) की राष्ट्रीय कार्य समिति की बैठक एम.डी.एम.सी सभागार नई दिल्ली में राष्ट्रीय अध्यक्ष बी. सी भारतीय की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में 28 राज्यों के व्यापारी संगठन के प्रतिनिधियों प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय महामंत्री एवं सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने संबोधित करते हुए बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विजन को आगे बढ़ते हुए कैट द्वारा 1 में से 4 2026 में तक राष्ट्रीय व्यापार महोत्सव (स्वदेशी मेला) का आयोजन प्रगति मैदान नई दिल्ली में आयोजित किया जा रहा है, इस व्यापार महोत्सव का उद्घाटन देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे एवं आपने व्यापारियों को बताया कि संपूर्ण देश से लगभग 10,000 दुकान इस मेले में लगाई जा रही है, एवं महोत्सव में 40 देश के व्यापारी प्रतिनिधि भी सम्मिलित होकर स्वदेशी व्यापार को आगे बढ़ाएंगे, एक ओर मेले में जहां भारतीय संस्कृति प्रदर्शित की जाएगी वहीं, मेक इन इंडिया, गो इंडिया, नई स्टार्टअप, को बढ़ावा देने के लिए तकनीकी प्रतिनिधि भी अलग-अलग सेशन में व्यापारियों को संबोधित करेंगे, कि महोत्सव में विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय मंत्री भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराएंगे। कैट के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष कैट एवं उत्तर प्रदेश व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष संजय पटवारी ने बताया कि इस व्यापार महोत्सव में बुंदेलखंड के व्यापारी भी बढ़ चढ़कर अपनी सहभागिता करेंगे एवं बुंदेलखंड को उद्योग व व्यापार में किस तरह से आगे गति मिल सके इस पर भी चर्चा करेंगे । बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष बृजमोहन अग्रवाल उड़ीसा में भी व्यापारियों को संबोधित कर इस आयोजन को सफल बनाने की अपील की ।

रेलवे संस्थान चुनाव : झांसी में 91.49, ग्वालियर में 94.87 व बांदा में 89.67 प्रतिशत मतदान

मतगणना शुरू, देर रात परिणाम आने की संभावना

झांसी जयूसं। सीनियर रेलवे इंस्टीट्यूट के कार्यकारिणी चुनावों के लिए दूसरे दिन वोटिंग सुबह 9 से शाम पांच बजे तक हुई। शाम छह बजे से मतगणना शुरु हो गई है। देर रात उक्त चुनाव के परिणाम आने की संभावना है। इसके मद्देनजर आरपीएफ व सिविल पुलिस को अलर्ट कर दिया है। वहीं झांसी में 91.49 प्रतिशत, ग्वालियर में 94.87 प्रतिशत और बांदा में 89.67 प्रतिशत मतदान हुआ। झांसी में 2809 में से 2570, ग्वालियर में 234 में से 222 व बांदा में 271 में से 243 रेलवे कर्मचारियों ने मतदान किया है। चुनाव के दौरान रेलवे इंस्टीट्यूट के बाहर एनसीआरईएस, एनसीआरएमयू, यूएमआरकेएस व एसयूएमआरकेयू के प्रत्याशी और समर्थक स्टाल लगाकर कर्मचारियों से वोट मांगते नजर आए। रेल संस्थान का कार्यकाल पूरा होने के बाद 27 / 28 फरवरी 2026 को सीनियर रेलवे इंस्टीट्यूट में मंडल के रेल कर्मियों अपने मताधिकारी का प्रयोग करते हुए सचिव, उपाध्यक्ष, कोषाध्यक्ष व सदस्य पद के लिए मैदान में उतरे प्रत्याशियों के पक्ष में मतदान किया गया है। रेल संस्थान के इस चुनाव में एनसीआरईएस, एनसीआरएमयू, यूएमआरकेएस और एसयूएमआरकेयू के प्रत्याशी ताल ठोक रहे हैं। बताते हैं कि चारों संगठनों ने सचिव, उपाध्यक्ष, कोषाध्यक्ष व सदस्य पद के लिए अपने प्रत्याशी मैदान में उतारे हैं। रेलवे संगठन ने सचिव, उपाध्यक्ष, कोषाध्यक्ष के लिए एक-एक प्रत्याशी और सदस्य के लिए 56 प्रत्याशी मैदान में है। वहीं, रेल संस्थान ग्वालियर में सचिव, उपाध्यक्ष, कोषाध्यक्ष व सदस्य के चुनाव होना है। यहां पर एनसीआरएमयू, एनसीआरईएस, यूएमआरकेएस ने अपने - अपने प्रत्याशी मैदान में उतारे थे। बताते हैं कि सचिव के लिए एक, उपाध्यक्ष पद के लिए एक व सदस्य के लिए पांच पद है। वहीं, रेल संस्थान बांदा में सचिव, उपाध्यक्ष व कोषाध्यक्ष पद के लिए एक - एक प्रत्याशी व पांच सदस्यों के लिए प्रत्याशी मैदान में है। यहां पर एनसीआरएमयू, एनसीआरईएस व एसयूएमआरकेयू चुनाव मैदान में है। बताते हैं कि झांसी में 2809, ग्वालियर में 234 और बांदा में 271 मतदाता है।

सेवानिवृत्त वाले दिन सीनियर टेक्नीशियन ने की आत्महत्या

- वैगन मरम्मत कारखाना में स्थित पावर हाउस के पास हुई घटना
- सेवानिवृत्त के एक दिन पहले सहकर्मियों को मिठाई खिलाकर गए थे घर

झांसी जयूसं। वैगन मरम्मत कारखाना में तैनात सीनियर टेक्नीशियन ने सेवानिवृत्त के दिन ही कारखाना के पास स्थित पावर हाउस के निकट शटिंग के दौरान गाड़ी के आगे लेटकर आत्महत्या कर ली। इसकी सूचना मिलते ही रेलवे वर्कशॉप में हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया। इस घटना को लेकर परिजनों को रो-रोकर बुरा हाल है।

मध्य प्रदेश टीकमगढ़ के मोहनगढ़ में रहने वाला छोटेलाल यादव वैगन मरम्मत कारखाने में सीनियर टेक्नीशियन के पद पर तैनात था। वह प्रेमनगर थाना क्षेत्र के खाती बाबा मोहल्ले में एक किराए के मकान में निवास करता था। शनिवार को वह रेलवे से सेवानिवृत्त होने वाले थे। सेवानिवृत्त होने के पहले उनकी ड्यूटी रात्रि दो बजे से सुबह दस बजे तक थी। करीब 12 बजे उनका सेवानिवृत्त होना था। बताते हैं कि पावर हाउस के पास शेड बी के सामने लाइन नंबर आठ पर शटिंग के दौरान निकल रहे वैगन पर लेट गए, जिसकी चपेट में आकर उनका सिर धड़ से अलग हो गया और मौके पर ही मौत हो गई। इसकी जानकारी मिलते ही वर्कशॉप के अधिकारी व स्टॉफ के लोग मौके पर पहुंच गए। इसकी सूचना प्रेमनगर थाने की पुलिस को दी गई। प्रेमनगर थाने की पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया। वहीं रेलवे कर्मियों का कहना है कि शुक्रवार शाम साथियों को मिठाई खिलाकर हंसी-खुशी हो गए थे। कारखाना में अचानक हुई घटना के बाद छोटेलाल के साथ काम करने वाले साथी कर्मचारी हैरान रह गए। कर्मियों ने बताया कि शनिवार को दोपहर कार्यालय से उनका रिटायरमेंट होना था। इसकी चलते शुक्रवार को उन्होंने कार्यालय के सभी साथियों को मिठाई खिलाई थी और फिर मिलने का वादा करके हसी खुशी अपने घर चले गए थे। कर्मचारियों ने बताया कि कल ऑफिस में साथियों को मिठाई खिलाते समय वह काफी खुश थे। साथियों से कहा था कि उन्होंने सात हजार का सूट सिलवाया है और वह प्रोग्राम में इसको पहनेंगे। उन्होंने सभी साथियों को भी आमंत्रित किया था।

झांसी में गूंजा युवाओं का हुनर, मंच पर दिखी कला और आत्मविश्वास की चमक

- कविता से संगीत तक, हर प्रस्तुति ने दर्शकों को किया प्रभावित

झाँसी जयूसं। बुंदेलखंड के युवाओं की प्रतिभा को मंच प्रदान करने के उद्देश्य से औरा लाइन क्लब द्वारा औराफेस्ट 2026 औरा ऑडिशन्सज्ज का आयोजन राजकीय संग्रहालय, झांसी में किया गया। इस कार्यक्रम में विभिन्न कला विधाओं से जुड़े प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी कला का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ निर्णायक मंडल द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। कार्यक्रम का मंच संचालन सुश्री रतन दीवान, सुश्री ईशिका दीवान एवं सुश्री रोशनी यादव द्वारा अत्यंत प्रभावशाली ढंग से किया गया।

इस आयोजन में विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिष्ठित निर्णायक उपस्थित रहे। अविनाश झा -सेवानिवृत्त संगीत शिक्षक, केन्द्रीय विद्यालय संगठन ,संगीत वर्ग,डॉ. मोहम्मद नईम - समन्वयक, सामाजिक कार्य विभाग, बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, साहित्य एवं अभिनय श्रीमती संचिता ठाकुर - संस्थापक, संचिता कथक नृत्य केंद्र,शास्त्रीय नृत्य,अबरार मंसूरी - संस्थापक, बैक टू टैलेंट डांस अकादमी, नृत्य अपने विचार व्यक्त करते हुए अविनाश झा ने कहा कि झांसी के युवाओं में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, आवश्यकता केवल सही मार्गदर्शन और उचित मंच की है जिससे उनकी प्रतिभा निखर कर सामने आ सके। डॉ. मोहम्मद नईम ने औरा लाइन क्लब की सराहना करते हुए कहा कि च्यह संस्था लंबे समय से युवाओं को मंच प्रदान करने का कार्य कर रही है और ऐसे प्रयास समाज में रचनात्मक ऊर्जा को बढ़ावा देते हैं। श्रीमती संचिता ठाकुर ने प्रतिभागियों की प्रस्तुति की सराहना करते हुए कहा कि च्युवा कलाकारों में अद्भुत क्षमता है और ऐसे मंच उन्हें आत्मविश्वास, पहचान और आगे बढ़ने का अवसर देते हैं। वहींअबरार मंसूरी ने कहा कि यह मंच कलाकारों के लिए एक मजबूत शुरुआत है, जहाँ से वे अपने सपनों को आगे ले जा सकते हैं।

औरा ऑडिशन्स में 40 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें संगीत, कविता, नृत्य, कथक एवं अन्य कला विधाओं की उत्कृष्ट प्रस्तुतियाँ देखने को मिलीं। कार्यक्रम में रेमंड, सुमित वर्मा, मोहित प्रजापति, यश चौरसिया, अंशिका, वैभव श्रीवास्तव, निमी पटेल, सागर, राशि विश्वकर्मा, शंभवी ठाकुर, हर्षित कुशवाहा, कुणाल कुशवाहा, जय झा, अभय गुप्ता, सूरज, कुणाल वर्मा, प्रशांत वर्मा सहित अनेक लोगों की कार्यक्रम में अहम भूमिका रही। कार्यक्रम के अंत में औरा लाइन क्लब के संस्थापक शिवांश झा द्वारा सभी अतिथियों, निर्णायकों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया गया। उन्होंने कहा कि औराफेस्ट 2026 के माध्यम से झांसी को एक नई सांस्कृतिक पहचान देने का प्रयास किया जा रहा है, जहाँ हर कलाकार को मंच और अवसर प्राप्त हो सके। औराफेस्ट 2026 के अंतर्गत आयोजित यह ऑडिशन आगामी मुख्य कार्यक्रम की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिसमें चयनित प्रतिभागियों को मुख्य मंच पर प्रस्तुति देने का अवसर मिलेगा।

राजकीय पशु चिकित्सालय की हालत खस्ता पशुपालकों को नहीं मिल रही कोई सुविधा

झांसी जयूसं। पूंछ के तकरीबन 28 गांव का इकलौता राजकीय पशु अस्पताल पूँछ सुविधाओं के अभाव में जर्जर स्थिति में सफेद हाथी साबित हो रहा है। पशुपालक इस कारण बेहद परेशान है। दवा इंजेक्शन से लेकर अस्पताल में कृत्रिम गर्भाधान की कोई व्यवस्था नहीं है।

डॉक्टर कंपाउंडर फार्मासिस्ट पशु अस्पताल में ड्यूटी पर आते तो हैं परंतु पशुपालकों को जानवरों से संबंधित दवा इंजेक्शन या अन्य दवाइयां बाहर जाकर मेडिकल स्टोर से खरीदना पड़ती है। राज्यकीय पशु चिकित्सालय की भारी भरकम इमारत जर्जर हालत में है। गेट टूटा पड़ा है बाउंड्री गिर चुकी है अस्पताल की हालत बेहद खस्ता है। साथ ही अस्पताल में भारी भरकम अजगर के होने के कारण स्टाफ में दहशत व्याप्त रहती है। संबंधित पशुपालकों ने शासन से मांग की है कि अस्पताल की बिल्डिंग को दोबारा बनाना चाहिए एवं अस्पताल में कृत्रिम गर्भाधान की व्यवस्था होनी चाहिए। साथ ही पशुपालकों को पशु अस्पताल में ही दवा इंजेक्शन आदि दी जाएं पशुपालकों ने मांग की है कि शासन एवं विभागीय अधिकारियों को इस और ध्यान देना चाहिए। नए भवन के साथ-साथ अस्पताल में स्टाफ की बढ़ोतरी करनी चाहिए जिससे पशुपालक को पशुओं से संबंधित सभी सुविधाएं मिल सकें।

संपादक की कलम से

रूमी की हवा, जिब्रान की ओस और रोशनी की जिद

कभी सोचा है हमने कि दुनिया की पहली सुबह कैसी रही होगी? जब पहली बार अंधेरे की काई फटी होगी और उजाले ने धरती को छुआ होगा, तब क्या चिड़ियों ने कोई 'कोड' यानी संकेत-भाषा या 'पासवर्ड' का इस्तेमाल किया होगा? शायद नहीं। वह एक आदिम कौतुक रहा होगा। जैसे किसी बच्चे ने पहली बार अपनी आंखें खोली हों और उसे लगा हो कि यह दुनिया कोई ठोस चीज नहीं, बल्कि रोशनी का एक तरल विस्तार है। विनोद कुमार शुक्ल के शिल्प में देखना चाहें, तो सुबह वह खिड़की रही होगी है, जो बिना दीवार के भी खुलती है। वह ऐसा शब्द है, जिसे बोलने के लिए जीभ की नहीं, बस पलकें झपकाने की जरूरत होती है। सुबह कोई घटना नहीं है। यह तो रात भर की थकान के बाद भाषा का संपादन है। सुबह भाषा का सबसे बड़ा शब्द है। यह रात की उस भारी भरकम शब्दावली को छांटकर उसे संक्षिप्त और सुबोध बना देती है। रात जहां विशेषणों का बोझ है, सुबह वहां एक स्पष्ट क्रिया है। जैसे कोई कुम्हार चाक घुमाने से पहले मिट्टी को सहलाता है, सुबह हमारे अस्तित्व को वैसे ही सहलाती है। वह हमें बताती है कि हाथ केवल वजन उठाने के लिए नहीं, बल्कि दुनिया को एक नया आकार देने के लिए बने हैं। विचारों की ओस जब संकल्प की धूप से मिलती है, तभी कर्म का फल पकता है।

सूफी संत और दार्शनिक रूमी सुबह की हवा को आध्यात्मिक संवाद मानते थे। वे कह गए हैं- 'सुबह की ठंडी हवा के पास तुम्हें बताने के लिए कुछ रहस्य हैं। वापस सोने मत जाओ। तुम्हें वह द्वार खटखटाना ही होगा, जहां रूह और दुनिया मिलते हैं।' जिब्रान ने तो सुबह को प्रकृति के संगीत के रूप में देखा- 'ओस की बूंदों में सुबह का दिल धड़कता है। यदि आप सुबह के सौंदर्य को नहीं देख पा रहे, तो समझें कि आपने जीवन के व्याकरण का सबसे कोमल शब्द खो दिया है।' दुनिया भर के सभी दार्शनिकों के मूल में एक बात साझा है- सुबह होती नहीं है, सुबह बनानी पड़ती है। यह रात की हार नहीं, बल्कि प्रकाश की वह जिद है, जो हर रोज शून्य से शुरू होती है। यह श्रम के सौंदर्य का प्रवेश द्वार है, जहां हाथ और विचार एक लय में मिलते हैं।

उदासी का वह पथराया हुआ नाला, जो रात भर अपने वेग में पत्थर ढो रहा था, सुबह होते ही नदी के आंचल में विसर्जित हो जाता है। यहां 'विसर्जन' का अर्थ 'खत्म होना' नहीं, बल्कि 'समाहित होना' है। उत्तर-आधुनिक समय में, जहां हम सब अपनी-अपनी व्यक्तिगत उदासी के 'सेल्फ-आइसोलेशन' यानी स्वनिर्मित एकाकीपन में बंद हैं, सुबह हमें यह याद दिलाती है कि हम पानी हैं। और पानी का स्वभाव है बहना, प्यास की तरह एक जगह ठिठकना नहीं।

आज के समय में सुबह का अर्थ बदल गया है। अब सुबह सूरज के उगने से नहीं, बल्कि स्मार्टफोन के 'नोटिफिकेशन' से शुरू होती है। हमारी खिड़कियां अब कांच की नहीं, पिक्सेल की हैं, लेकिन क्या इस शोर में सुबह की वह 'अथाह शांति' मर गई है? शायद नहीं। सुबह आज भी एक प्रतिरोध है। वह उस 'यांत्रिक' दुनिया के खिलाफ एक जैविक विद्रोह है। जब पूरी दुनिया डेटा और एल्गोरिद्म में बदल रही होती है, तब सुबह की पहली ओस एक ऐसा 'प्रतीक' है, जिसे कोई साफ्टवेयर दोबारा नहीं उतार सकता।

सांस्कृतिक दृष्टि से सुबह का बड़ा महत्त्व है। यह प्रतीक्षा का अंत है। सुबह यह सिखाती है कि इंतजार व्यर्थ नहीं जाता। सुबह साझा अस्मिता भी है। यह किसी एक की नहीं होती। यह धूप का एक ऐसा कंबल है, जिसे पूरी सृष्टि एक साथ ओढ़ती है। सुबह श्रम का न्योता है, वह अदृश्य चिट्ठी है, जिसे सूरज हर घर की चौखट पर छोड़ जाता है, जिस पर लिखा होता है कि दुनिया अभी खत्म नहीं हुई है, उसे आज फिर से थोड़ा-सा बनाना है।

कल्पना कर सकते हैं कि एक बूढ़ा आदमी बरामदे में बैठा अखबार पढ़ रहा है, लेकिन उसकी नजर अखबार के अक्षरों पर नहीं, बल्कि उस गौरैया पर है, जो जमीन पर गिरे हुए बिस्कुट के चूरे को देख रही है। यह दृश्य ही असल में 'सुबह' है। सुबह का अर्थ है पुनरागमन। हर चीज वापस आती है- आवाजें, रंग, गंध और वह भरोसा कि हम अभी जीवित हैं।

उदासी आखिरी पहर का आचरण है, ठीक वैसे ही जैसे दीये की लौ बुझने से पहले थोड़ा फड़फड़ाती है। जो लोग रात भर उदास रहे, उन्होंने असल में सुबह की जमीन तैयार की। बिना काली स्याही के कागज पर सफेद अक्षर कैसे उभरेंगे? इसलिए सुबह केवल उजाला नहीं है, वह रात के संघर्ष का 'प्रमाणपत्र' है।

कुछ सुनना चाहें तो हमें प्यास नहीं बनना है, क्योंकि प्यास में एक तरह का खालीपन और अभाव है। हमें पानी बनना है, जो लचीला है, जो रास्ता बनाना जानता है और जो विसर्जन में विश्वास रखता है। सुबह हमें वह जगह देती है, जहां हम अपने कठोर अस्तित्व को त्यागकर सहज मनुष्य बन सकें। सुबह व्याकरण का सबसे गहन अर्थ है, क्योंकि वह 'पूर्णविराम' नहीं, 'अल्पविराम' है। एक ऐसी सांस, जो हमें अगले कदम के लिए तैयार करती है।

संस्थागत साख और सत्ता का खेल

महेन्द्र तिवारी

दिल्ली की आबकारी नीति का मामला इसका सबसे बड़ा उदाहरण बनकर उभरा है। जब 2021-22 में नई आबकारी नीति लाई गई, तो इसका घोषित उद्देश्य राजस्व में वृद्धि और शराब कारोबार में पारदर्शिता लाना था। यह नीति तकनीकी रूप से एक प्रशासनिक सुधार की तरह थी, लेकिन इसे रातों-रात एक ऐसे %महाघोटाले% के रूप में चित्रित किया गया, जिसने पूरे देश के मीडिया का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया जैसे नेताओं को कटघरे में खड़ा करना महज एक जांच नहीं थी, बल्कि यह विपक्ष की छवि को कलंकित करने की एक सोची-समझी कोशिश थी। जिस तरह से सीबीआई और ईडी जैसी संवैधानिक संस्थाओं का इस्तेमाल किया गया, उसने नागरिकों के मन में एक गहरा अविश्वास पैदा कर दिया।

एक समय था जब राजनीति को महज विचारधाराओं का टकराव माना जाता था, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में जो हमने देखा है, वह किसी साधारण राजनीतिक प्रतिस्पर्धा से कहीं अधिक गहरा और भयावह है। इसे केवल एक व्यवस्था की विफलता नहीं कहा जा सकता, बल्कि यह एक सुनियोजित ढांचे का हिस्सा प्रतीत होता है, जहां सत्ता के गलियारों में बैठकर यह तय किया गया कि लोकतंत्र के उन खंभों को कैसे कमजोर किया जाए, जो जनता और शासन के बीच संतुलन का काम करते हैं। हममें से बहुत से लोग जो उस समय इन घटनाओं को देख रहे थे, उन्हें यह महसूस हो सकता है कि हम एक प्रकार के सामूहिक सम्मोहन का शिकार थे, लेकिन अब, फरवरी 2026 के इस मोड़ पर खड़े होकर, जब धुंध छंट रही है और अदालतों के फैसले हमारे सामने हैं, तो यह स्पष्ट हो गया है कि वह अंधभक्ति नहीं थी, बल्कि एक ऐसा जाल था जिसे बहुत बारीकी से बुना गया था। इस जाल की सबसे बड़ी ताकत वह प्रचार तंत्र था, जिसने सच को झूठ और झूठ को राष्ट्रभक्ति का चोला पहनाकर परोसा।

दिल्ली की आबकारी नीति का मामला इसका सबसे बड़ा उदाहरण बनकर उभरा है। जब 2021-22 में नई आबकारी नीति लाई गई, तो इसका घोषित उद्देश्य राजस्व में वृद्धि और शराब कारोबार में पारदर्शिता लाना था। यह नीति तकनीकी रूप से एक प्रशासनिक सुधार की तरह थी, लेकिन इसे रातों-रात एक ऐसे %महाघोटाले% के रूप में चित्रित किया गया, जिसने पूरे देश के मीडिया का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया जैसे नेताओं को कटघरे में खड़ा करना महज एक जांच नहीं थी, बल्कि यह विपक्ष की छवि को कलंकित करने की एक सोची-समझी कोशिश थी। जिस तरह से सीबीआई और ईडी जैसी संवैधानिक संस्थाओं का इस्तेमाल किया गया, उसने नागरिकों के मन में एक गहरा अविश्वास पैदा कर दिया। वर्षों तक चले मीडिया ट्रायल के दौरान, आम आदमी को यह बताया गया कि सबूतों का अंबार लगा है, लेकिन जब फरवरी 2026 में दिल्ली की विशेष अदालत ने इन सभी को बरी किया और यह कहा कि न केवल साक्ष्यों का अभाव है, बल्कि यह पूरा मामला ही साजिश के तहत गढ़ा गया था, तो उस दिन उस पूरे प्रचार तंत्र का नकाब उतर गया। यह फैसला केवल एक जीत नहीं थी, बल्कि यह आईना था उस व्यवस्था के लिए जिसने टीवी डिबेट्स के जरिए अदालत से पहले ही अपना फैसला सुना दिया था। जब हम उन दिनों को याद करते हैं, तो दुख होता है कि कैसे एक राज्य के उपमुख्यमंत्री को जेल की सलाखों के पीछे रहने पर मजबूर किया गया, सिर्फ इसलिए क्योंकि वे सत्ता के लिए एक चुनौती बन रहे थे।

शिक्षा का क्षेत्र, जिसे समाज को प्रबुद्ध बनाने का केंद्र होना चाहिए था, वह भी इस साजिश से अछूता नहीं रहा। जनवरी 2026 में यूजीसी द्वारा जारी %प्रमोशन ऑफ इक्विटी इन हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशंस रेगुलेशंस% को जिस तरह से पेश किया गया, वह शिक्षा सुधार नहीं, बल्कि समाज के ताने-बाने को तोड़ने की एक कोशिश थी। जाति-आधारित भेदभाव को खत्म करने के नाम पर, जिस तरह से एक नया %अगड़े-पिछड़े% का विभाजन पैदा किया गया, वह संविधान की भावना के खिलाफ था। विश्वविद्यालयों के परिसरों में जिस तरह का असंतोष देखा गया, वह इस बात का सबूत था कि समाज अब इसे सुधार के रूप में नहीं, बल्कि एक दमनकारी उपकरण के रूप में देख रहा था। यह एक खतरनाक खेल था–हिंदू समाज की एकता के दावे करने वालों द्वारा ही उसी समाज को टुकड़ों में बांटना ताकि वे कभी एकजुट होकर सत्ता से सवाल न पूछ सकें। सुप्रीम कोर्ट द्वारा इन नियमों पर रोक लगाना इस बात का संकेत था कि न्यायपालिका अभी भी लोकतंत्र के उन मूल्यों की रक्षा करने के लिए खड़ी है, जिन्हें सरकार शायद नजरअंदाज करना चाहती थी।

इसी तरह, शिक्षा की किताबों के साथ किया गया खिलवाड़ एक लंबी अवधि की साजिश का हिस्सा था। एनसीईआरटी की कक्षा 8 की किताब में न्यायपालिका को भ्रष्ट दिखाने वाला अध्याय जोड़ना यह दर्शाता है कि सत्ता का ध्यान बच्चों के कोमल मन में संस्थाओं के प्रति अविश्वास पैदा करने पर था। यह सोची-समझी रणनीति थी ताकि भविष्य की पीढ़ी यह मान ले कि लोकतंत्र के स्तंभ खुद ही भ्रष्ट हैं और इसलिए एक मजबूत %अधिनायकवादी% नेतृत्व की आवश्यकता है। जब चीफ जस्टिस ने इस पर कड़ा रुख अपनाया और उस सामग्री को हटाने का आदेश दिया, तो यह केवल एक किताब पर बैन नहीं था, बल्कि यह उस विचारधारा के प्रति एक सख्त संदेश था जो लोकतंत्र के आधारभूत ढांचे को ही खोखला करना चाहती थी। यह कोई संयोग नहीं था कि एक तरफ अदालतों को बरी करने पर मजबूर किया जा रहा था, तो दूसरी तरफ किताबों के जरिए उन्हीं अदालतों की विश्वसनीयता पर सवाल उठाए जा रहे थे।

संवैधानिक गरिमा के साथ जो खिलवाड़ हुआ, वह लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ी त्रासदी रही है। मई 2023 में नए संसद भवन के उद्घाटन के दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को निमंत्रण न देना केवल एक शिष्टाचार की चूक नहीं थी, बल्कि यह सत्ता के अहंकार का प्रदर्शन था। एक आदिवासी महिला, जो देश की सर्वोच्च संवैधानिक प्रमुख हैं, उन्हें दरकिनार कर देना यह बताने के लिए काफी था कि सत्ता की नजर में संवैधानिक पदों की क्या अहमियत है। और फिर, जुलाई 2025 में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का इस्तीफा एक ऐसे घटनाक्रम की परिणति था, जिसे शायद ही कभी सार्वजनिक रूप से पूरी तरह समझा जा सके। एक जज के खिलाफ लगे भ्रष्टाचार के आरोपों पर महाभियोग के प्रस्ताव को स्वीकार करना, उनके लिए काल बन गया। यह स्पष्ट था कि जो व्यक्ति सत्ता की लाइन से बाहर जाकर काम करने की हिम्मत करेगा, उसे रास्ते से हटा दिया जाएगा।

इन सारी घटनाओं को अगर एक साथ रखकर देखें, तो एक स्पष्ट पैटर्न उभरता है। यह कोई बिखरी हुई घटनाएं नहीं हैं, बल्कि यह एक बड़े %ब्लूप्रिंट% का हिस्सा हैं। विपक्ष को फंसाकर राजनीति से बाहर करना, शिक्षा को बांटने का हथियार बनाना, संस्थाओं को बदनाम करना और संवैधानिक पदों को रबर स्टैंप की तरह इस्तेमाल करना–यह सब लोकतंत्र की जड़ों को खोखला करने का प्रयास है। हममें से कई लोगों ने इसे तब नहीं देखा, क्योंकि हमारा ध्यान उन कहानियों पर था जो टीवी स्क्रीन पर सुनाई जा रही थीं। लेकिन आज जब हम पीछे मुड़कर देखते हैं, तो पाते हैं कि जिसे हमने राष्ट्रवाद का हिस्सा समझा, वह दरअसल लोकतंत्र के खिलाफ एक युद्ध था।

आज के समय में जागरूकता का महत्व पहले से कहीं अधिक बढ़ गया है। 2026 का यह दौर हमें सिखाता है कि लोकतंत्र में %सवाल पूछना% सबसे बड़ा कर्तव्य है। यदि हम सवाल पूछना बंद कर देंगे, तो हम फिर से उस जाल में फंस जाएंगे जो अदृश्य रहकर भी बहुत गहरा है। सच भले ही देर से सामने आए, लेकिन अदालती फैसलों ने यह साबित कर दिया है कि सच्चाई को पूरी तरह दबाना नामुमकिन है। यह समय है एकजुट होने का, न केवल किसी राजनीतिक दल के समर्थन में, बल्कि उन संस्थाओं की रक्षा के लिए जिन्होंने हमारे लोकतंत्र को जीवित रखा है। हमें उन सभी षड्यंत्रों का पर्दाफाश करना होगा जो छद्म वेष में लोकतंत्र के मंदिर को कमजोर कर रहे हैं। भविष्य की राह अब हमारे ही हाथों में है, और यह राह केवल तथ्यों के आधार पर ही तय की जा सकती है, न कि प्रचार तंत्र के शोरगुल से। लोकतंत्र की असली शक्ति किसी एक नेता या दल में नहीं, बल्कि उन जागरूक नागरिकों में है जो अन्याय के सामने झुकने से इनकार कर देते हैं। आइए, हम सब मिलकर इस जागरूकता को अपनी नई पहचान बनाएं और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक ऐसा समाज छोड़ें जो न तो अंधभक्ति का शिकार हो और न ही सत्ता के किसी अनैतिक खेल का मोहरा। यही सच्ची राष्ट्रभक्ति है और यही वह एकमात्र रास्ता है जिससे हम अपने देश की आत्मा को बचा सकते हैं।

लखनऊ की एक अलग पहचान कायस्थों की होली

संजय सक्सेना

लखनऊ की होली, बाहर से देखिए तो लगेगा बस रंग, गुलाल, हँसी-ठिठोली तक नजर आती है। मगर भीतर उतरकर देखिए तो यह शहर फागुन में सिर्फ़ रंग नहीं बदलता, मिज़ाज भी बदलता है। यहाँ होली एक दिन का नहीं, कई दिनों का सिलसिला है। होलाष्टक लगते ही गली-कूचों में जैसे कोई अदृश्य ढोल बजने लगता है। दुकानें, घर, छतें, चौक-चौराहे हर जगह एक हलचल। और इस हलचल के बीच अगर किसी ने इस शहर की होली को उसके असली रस में संभाल कर रखा है, तो उसमें कायस्थ बिरादरी की हिस्सेदारी को नज़रअंदाज़ करना बेईमानी होगी।लखनऊ की तहज़ीब को अक्सर नवाबों से जोड़कर देखा जाता है। सच है, पर अधूरा सच। तहज़ीब महलों से निकलकर जब गलियों में उतरती है, तभी ज़िंदा रहती है। होली इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। मुस्लिम समाज आम तौर पर रंगों से परहेज़ करता रहा, फिर भी लखनऊ की होली कभी फीकी नहीं पड़ी। वजह साफ़ है यहाँ त्योहार मजहब से नहीं, मिज़ाज से तय होते हैं। और इस मिज़ाज को सबसे सहजता से निभाने वालों में कायस्थ आगे रहे। कायस्थों की होली का मतलब सिर्फ़ पिचकारी और गुलाल नहीं है। उनके यहाँ होली पेट से शुरू होकर दिल तक जाती है। गोश्त, कलेजी, कीमा, दुलमा ये सिर्फ़ व्यंजन नहीं, फागुन की ज़रूरतें हैं। होली हो और गोश्त न बने, तो कायस्थ खुद को अधूरा मानता है। शराब का ज़िक्र दबे पाँव आता है, मगर आता ज़रूर है। कलेजी भुनी न हो तो जाम कैसे उतरे यह तर्क नहीं, परंपरा है।आज के दौर में लोग भूल गए हैं कि पचास-साठ साल पहले न गैस थी, न कुकर। मिट्टी के चूल्हे, लकड़ी, कोयला और घंटों की मेहनत। मांसाहार पकाना आसान काम नहीं था। मसाले कूटे जाते थे, प्याज हाथ से छीले जाते थे, और सब कुछ इत्मीनान से बनता था। इस पूरी प्रक्रिया की रीढ़ महिलाएं थीं। उनके बिना कायस्थों की होली का कोई ज़िक्र ही नहीं बनता। त्योहार का सारा शोर बाहर दिखता है, पर उसकी असली मेहनत रसोई में होती है।

लखनऊ में कायस्थों की आबादी बड़ी रही है। मशक गंज, निवाज़गंज, बाबूगंज, नौबस्ता, रकाबगंज ये सिर्फ़ मोहल्ले नहीं, कायस्थ संस्कृति की पहचान रहे हैं। होली के दिन इन इलाकों से गुज़रिए तो हर घर से पकवानो और नॉनवेज की अलग-अलग खुशबू आएगी। कहीं मटन चढ़ा है, कहीं कलेजी सिक रही है, कहीं कीमा मटर। और इन सबके बीच कहीं न कहीं गिलास टकराने की आवाज़ भी सुनाई दे जाएगी। इसे छिपाया नहीं जाता था, बस दिखावे से बचा जाता था यही लखनवी अदा है।कायस्थों की होली में एक और बात खास रही सफाई और सलीका। गरीब से गरीब कायस्थ फटा कपड़ा पहन ले, पर साफ़। और खाते-पीते घरों के लोग? वे तो हमेशा उजले, धुले, चमकते कपड़ों में ही रंग खेलते थे। रंग पड़े तो निखरे, मैल न बने। कालिख पोतना, भद्दा मज़ाक यह सब उन्हें कभी रास नहीं आया। हुड़दंग भी नफासत के साथ यही फर्क था। कायस्थों को अक्सर आधा मुसलमान कहा गया। वजह भी साफ़ थी गोश्त और शराब उनकी दिनचर्या में शामिल रहे। लेकिन यह तंज नहीं, लखनऊ में एक तरह की पहचान थी। इस पहचान ने ही उन्हें अलग बनाया। उनके घरों में ब्राह्मण, वैश्य, बनिया सब आते थे। कई ऐसे घर थे जहाँ बाहर मांसाहार निषिद्ध था, मगर होली में युवक कायस्थों के यहाँ ज़रूर पहुँचते थे। उन्हें पता होता था यहाँ रोक-टोक नहीं, स्वागत मिलेगा। कायस्थों को खुद खाने से ज़्यादा खिलाने का शौक रहा है। आओ भाई, लो, पीयो, खाओ यह सिर्फ़ कहावत नहीं थी, व्यवहार था। दुलमा को लेकर कितनी ही कहानियाँ हैं। कई लोग उसे मटर की सब्जी समझकर खा गए और बाद में पता चला कि उसमें कीमा भी था। फिर पछतावा नहीं, उलटा अगली बार बुलाने की गुज़ारिश। कायस्थों ने कभी किसी का भेद नहीं खोला। खिलाया भी, और बताया भी नहीं यह भी एक तरह की तहज़ीब है।

आज भी कायस्थ परिवारों में शादी तय होते समय पहला सवाल खान-पान का होता है। लड़की शाकाहारी है तो क्या घर में मांस बनने से परहेज तो नहीं होगा? लेकिन यह सवाल टकराव का नहीं, तालमेल का होता है। कई घरों में आज भी शाकाहारी और मांसाहारी रसोई साथ-साथ चलती है। अलग बर्तन, अलग चूल्हा पर एक ही परिवार। लखनऊ ने यही सिखाया है कि खाना वजह बनकर रिश्ते नहीं तोड़ता।कायस्थों की होली में इत्र की भूमिका भी कम अहम नहीं। अबीर-गुलाल में खस मिलाना, गीले रंग में इत्र डालना ताकि रंग पड़े तो बदन भी महके। शाम होते-होते नए धुले कपड़े, खस या हिना की खुशबू, और गले मिलना यह रस्म आज भी जिंदा है। अमीनाबाद, रकाबगंज, सआदतगंज की गलियों में यह मंजर अब भी मिल जाता है, बस देखने वाली नजर चाहिए।

आज का लखनऊ बदल गया है। फ्लैट, सोसाइटी, डीजे सब आ गए हैं। पर होली का असली रस अब भी पुराने घरों, पुरानी गलियों में बसता है। कायस्थों की होली अब पहले जैसी खुली न सही, पर उसकी आत्मा अब भी ज़िंदा है। गोश्त की खुशबू, इत्र की महक, रंगों की फुहार और खिलाने-पिलाने की दरियादिली यह सब मिलकर लखनऊ की होली को वह बनाते हैं, जो वह है।और शायद इसी लिए कहा जाता है लखनऊ की होली सिर्फ़ देखी नहीं जाती, चखी जाती है।

ईश्वर हमेशा भक्तों की सहायता करता है

ईश्वर को हम भले ही न देख पाएं लेकिन ईश्वर हर क्षण हमें देख रहा होता है। उसकी दृष्टि हमेशा अपने भक्तों एवं सद्व्यक्तियों पर रहती है। अगर आप गौर करेंगे तो पाएंगे कि जीवन में कभी न कभी कठिन समय में ईश्वर स्वयं आकर आपकी सहायता कर चुके हैं। उस कठिन समय में आपके अंदर भक्ति की भावना उमड़ रही होगी और आप ईश्वर को याद कर रहे होंगे। शास्त्रों कहता है कि ईश्वर के लिए संसार का हर जीव उसकी संतान के समान है। जो व्यक्ति उसके बनाये नियमों का पालन करते हुए जीवन यापन करता है ईश्वर उसकी सहायता अवश्य करते हैं।

गजराज की कहानी आपने जरूर सुनी या पढ़ी होगी। नदी में गजराज को मगरमच्छ ने पकड़ लिया। इस कठिन समय में गजराज ने भगवान को पुकारा और भगवान विष्णु प्रकट हो गये। भगवान ने अपने चक्र से मगरमच्छ का सिर काट दिया और गजराज के प्राण की रक्षा की। सूरदास जी के जीवन की भी एक ऐसी ही कथा है। सूरदास जी देख नहीं सकते थे। एक बार गलती से एक गड्ढे में गिर गये। गड्ढे से निकलने का काफी प्रयास करने पर भी वह बाहर निकलने में असफल रहे। इस स्थिति में सूरदास जी ने गोपाल को पुकारा। भगवान श्री कृष्ण बालक रूप में पहुंच गये और सूरदास जी को गड्ढे से बाहर निकाला। मीरा के प्राण की रक्षा के लिए भगवान ने मीरा को मारने के लिए भेजे गये विष को प्रभावहीन कर दिया।

बघेलखण्ड के बान्धवगढ़ में रहने वाले सेन नामक नाई की भी भगवान ने सहायता की और बघेलखंड का राजा सेन नाई का भक्त बन गया। यह घटना पांच छ सौ साल पुरानी है। सेन नाई राजा की सेवा करता था। इसका काम प्रतिदिन राजा की हजामत बनाना और तेल मालिश करके स्नान कराना था। एक दिन सेन नाई जब राजमहल की ओर चला तब रास्ते में संतों की टोली मिल गयी। नाई उन्हें लेकर घर आ गया और उनकी खूब सेवा की। संतों के साथ बैठकर संत्संग में भाग लिया।

राजा के स्नान करने का समय बीता जा रहा था। नाई के नहीं आने से राजा क्रोधित हो रहे थे। इसी समय भगवान स्वयं सेन नाई का वेष धारणकर राजा की सेवा में पहुंच गये। नई बने भगवान की सेवा से राजा का क्रोध दूर हो गया और मन हर्षित हो गया। सत्संग समाप्त होने के बाद सेन नाई को याद आया कि राजा की सेवा में देरी हो गयी है। हजामत का सामान लेकर डरता हुआ सेन नाई राजमहल में पहुंचा।

राजा को देर से आने का कारण बताने लगा। इस पर राजा ने कहा कि तुम तो मेरी हजामत बना चुके हो। आज तुम्हारी सेवा से मैं अत्यंत प्रसन्न हूं। नाई समझ गया कि आज उसके कारण भगवान को नाई बनना पड़ा। इससे नाई को बड़ा अफसोस हुआ। राजा को जब इस बात का ज्ञान हुआ कि नाई की भक्ति की लाज रखने के लिए भगवान स्वयं आज नाई बनकर आये थे। राजा नाई की भक्त बन गया और उसे अपना गुरू मान लिया। ऐसी कई घटनाएं हैं जो ईश्वर के अस्तित्व और उसकी सहायता का प्रमाण देते हैं। इसलिए कभी भी खुद को बेसहारा नहीं समझना चाहिए। ईश्वर पर आस्था रखने वालों की ईश्वर सदैव सहायता करते हैं।

03 मार्च पूर्ण चंद्र ग्रहण : चंद्र ग्रहण एक खगोलीय महाकाव्य

सुरेश सिंह बैस 'शाश्वत'

3 मार्च 2026 मंगलवार - बुधवार की दरमियानी रात्रि को विलक्षण खगोलिक घटनाक्रम के तहत पड़ने वाले पूर्ण चंद्र ग्रहण 3 मार्च 2026 को पृथ्वी के साये में चाँद के प्रवेश का वह मौन, वरदान-सा क्षण होगा जब आकाश अपने रंगों से खेलता है और चंद्रमा निकल-चमक कर ÷रक्तिम पूर्णिमा÷ का दृश्य प्रस्तुत करता है । जिसे खगोल विज्ञान में ब्लड मून कहा जाता है। ऐसा होने का कारण यह है कि जब चंद्रमा पृथ्वी की उम्ब्रा (गहरी छाया) में प्रवेश करता है, तो पृथ्वी का वायुमंडल सूर्य की किरणों को वक्रित करता है और केवल लाल-लाल प्रकाश चंद्रमा पर पहुँचता है ।जिससे उसका रंग लाल-सी दिखाई देता है।

तारीख : 3 मार्च 2026

प्रकार : पूर्ण चंद्र ग्रहण

समय सीमा : लगभग दोपहर से संध्या तक ग्रहण जारी रहेगा। पूर्ण ग्रहण की अवधिः करीब 58 मिनट तक पूर्णता रहेगी। दुनिया में दृश्यताः पूरी रात की तरफ़ पृथ्वी पर जहाँ चाँद दिखाई दे, वहाँ इस ग्रहण को देखा जा सकेगा। भारत सहित एशिया, ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका, कई अन्य क्षेत्रों में यह देखा जा सकेगा।

चंद्र ग्रहण सूर्य-पृथ्वी-चंद्रमा के सटीक सरेखण के कारण होता है। सूर्य ग्रहण के विपरीत, चंद्र ग्रहण को दुनिया के अधिकतर हिस्सों से देखा जा सकता है जहाँ यह रात है, क्योंकि चाँद पूरे पृथ्वी के पूरे अँधेरे साइड पर चमकता हुआ दिखता है। भारत में भी यह ग्रहण पूरी तरह दिखाई देगा, और खास रूप से दक्षिण-पूर्वी समय में, जैसे कि चाँद क्षितिज पर ऊँचा उठ रहा होता है या पूर्ण रूप से दिखाई दे रहा होता है, इसका सुन्दर लाल रंग देखा जा सकता है। ब्रह्माण्ड की इस अद्भुत घटना की वैज्ञानिक प्रक्रिया अत्यंत स्पष्ट हैः जब पृथ्वी सूर्य और चंद्रमा के बीच आती है, तो इसकी छाया चंद्रमा पर पड़ती है। पृथ्वी की छाया के दो भाग होते हैंः पेनुम्ब्रा ङ्क हल्की छाया। उम्ब्रा ङ्क गहरी छाया। पूर्ण ग्रहण तब होता है जब चाँद पूरी तरह से उम्ब्रा में डूब जाता है। यह गणितीय रूप से अपेक्षाकृत विनीत, परन्तु दृश्य रूप से अत्यंत प्रभावी क्षण है।

भारतीय पंचांग परंपरा में ग्रहण के समय को सूतक काल कहा जाता है। वह अवधि जो ग्रहण के पूर्व से प्रारंभ होकर ग्रहण के बाद थोड़ी देर तक मान्य होती है। इस दौरान कुछ कार्य (जैसे वस्त्र धोना, नहा-धोना, भोजन बनाना, शुभ कार्य आदि) विलंबित माने जाते रहे हैं। वैदिक ज्योतिष में सूर्य-चंद्र ग्रहण को आत्म-चिंतन, ध्यान-धारणा और मन की शान्ति का अनुकूल समय भी बताया गया है, लेकिन साथ ही साथ ग्रहण समय किसी भी नए या शुभ कर्म को आरम्भ करने के लिए अनुकूल नहीं माना जाता है।

प्राचीन पुराणों में यह दृश्य राहु और केतु से जोड़ा गया है। कथा के अनुसार, देवताओं ने अमृत पिया तो असुरों में भ्रम फैलाया गया। तभी अस्तित्व में आए राहु-केतु चंद्रमा को निगलने का प्रयास करते हैं। भगवान विष्णु ने अमृत पान करने वाले राहु को सिर से अलग कर दिया, पर उसकी सर्प-मुख छाया आज भी चंद्रमा को छिपाती है। यही पौराणिक व्याख्या आज तक लोगों के मन में चंद्र ग्रहण को रहस्य और दिव्यता का रूप देती है। इस कथा में राहु और केतु (जो आधुनिक ज्योतिष में ग्रह रूप में माने जाते हैं) चंद्र ग्रहण को समय-समय पर दोहराते हैं और ग्रहण को कुछ उपायों, मंत्रों, और आध्यात्मिक अभ्यासों के साथ सजगता से मनाने की परंपरा समय-अनुसार चली आ रही है।

क्या करें : ध्यान/ध्यान-साधना, मंत्रोच्चारण, अपने मन को शांत रखना, ग्रहण के बाद तर्पण/पितृ कर्म

क्या न करें : ग्रहण के समय कोई नया काम प्रारम्भ न करें, भोजन-पकवान न बनाएं, नकारात्मक विचार न फैलाएं।3 मार्च 2026 का चंद्र ग्रहण जो पूर्ण, लाल-रक्तिम चाँद रूप में दिखाई देगा, वह खगोलीय, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक रूप से एक अत्यंत महत्वपूर्ण अवसर है। यह न केवल पृथ्वी-सौर प्रणाली की प्राकृतिक सुंदरता को दर्शाता है बल्कि हमारे सांस्कृतिक आदर्शों, पुराणों और पौराणिक कथाओं की गहराई और अंतरिक्ष-जीवन के परस्पर सम्बन्ध को भी उभारता है।

आकाश की निस्तब्ध चादर पर जब पृथ्वी की छाया उतरती है,तब चंद्रमा केवल ढकता नहीं वरन् वह एक नई आभा में जन्म लेता है।

होली व रमजान के मद्देनजर डीएम ने धर्मगुरुओं व प्रबुद्धजनों के साथ की बैठक

त्यौहारों को आपसी सौहार्द व भाईचारे के साथ मनाने को कहा
मानक से अधिक आवाज में डीजे बजने पर होगी प्रभावी कार्यवाही

ललितपुर। बैठक लेते डीएम।

ललितपुर। जिलाधिकारी सत्य प्रकाश ने कलैक्ट्रेट सभागार में जनपद के धर्मप्रमुखों व प्रबुद्धजनों साथ शान्ति समिति की बैठक कर आमागी होली व रमजान के त्यौहारों को आपसी सौहार्द व भाईचारे के साथ मनाये जाने की अपील की। पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों को त्यौहारों पर सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने के निर्देश दिये।
जिलाधिकारी ने कहा कि त्यौहार के दौरान अशान्ति फैलाने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। उनके विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जाएगी। अलावा पुलिस अधिकारी होलिका दहन हेतु चिन्हित स्थलों पर सतत् निगरानी रखेंगे। त्यौहार पूरी शान्ति व सौहार्द के साथ मनाये जाने के लिये जिला प्रशासन ने अलग अलग क्षेत्रों में पुलिस व प्रशासन के अधिकारी तैनात किये हैं। उन्होंने धर्मगुरुओं से अपील की कि आपसी भाईचारे के लिये प्रसिद्ध जनपद में यह परम्परा कायम रहना चाहिये। किसी भी तरह की अराजकता बर्दाश्त नहीं की जायेगी। पुलिस को भी लगातार तत्पर रहने को कहा गया। त्यौहारों पर निर्बाध विद्युत व पेयजल आपूर्ति के साथ शराब बंदी का अनुपालन सुनिश्चित कराने को कहा गया। एसपी ने कहा कि अधिकारी अपने क्षेत्रों में आयोजन स्थलों पर पीस कमेटी की बैठकें कर लें और अराजक तत्वों पर नजर रखें सौहार्द बिगाड़ने वालों से सख्ती से निपटें। कहा कि सभी सार्वजनिक स्थलों पर चैंकिंग अभियान चलाएं। बैठक में अपर जिलाधिकारी वित्त अंकुर श्रीवास्तव, उप जिलाधिकारी सदर मनीष कुमार, समस्त क्षेत्राधिकारी सहित परिवहन, विद्युत, आबकारी, जल संस्थानए स्वास्थ्य व अन्य सम्बंधित विभागों के अधिकारी, प्रमुख धर्मगुरु एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

दिल्ली में होगा विशाल भंडारा, ललितपुर से माँगा सहयोग

ललितपुर। श्रीशिवसेवक दिल्ली द्वारा आगामी दिनों में आयोजित होने वाले विशाल भंडारे की तैयारियां की जा रही हैं। ललितपुर से धर्मेंद्र, शुभम और हरिमोहन बांके बिहारी चौरसिया के नेतृत्व में सहयोग अभियान चलाया जा रहा है। पिछले वर्ष विभिन्न सेवादारों के सहयोग से लगभग पांच लाख रुपये से अधिक की राशि दिल्ली भेजी गई थी। इस वर्ष भी मुख्य सेवादार हरिमोहन बांके बिहारी चौरसिया ने ललितपुर जनपद की जनता से अपील की है कि वह स्वेच्छा से दान राशि देकर पुण्य अर्जित करें। अब तक ललितपुर से गणेशराम चौरसिया, राजकुमार साहू, सुनील मालवीय, राजा भैया, हर देनिया, आशु, संजीव भरे खटीक, मुकेश राठौर, अंतिम त्यागी, रामरतन शर्मा, मनीष शर्मा, संजीव आकाश, प्रमोद चौरसिया, संदीप शर्मा, राजेंद्र राजपूत, रामदास डोड, बानी अजमेरी, दारा सिंह संभल ग्वाला, अभिषेक निरंजन, भूपेंद्र, दीपेश, राजेंद्र राजपूत, भारत चौरसिया, घनश्याम चौरसिया, लक्ष्मी नारायण, पीतांबर ज्वेलर्स तथा कुशल गुप्ता के माध्यम से सहयोग प्राप्त हो चुका है।

दुकानदार को दबंगों ने पीटा, सीसीटीवी और डीवीआर भी तोड़ा

आधा दर्जन आरोपियों पर मुकदमा दर्ज

ललितपुर। थाना कोतवाली अंतर्गत आरएमवी कॉलोनी कट पर एक दुकानदार के साथ मारपीट और तोड़फोड़ की एफआईआर दर्ज करायी गयी है।
पुलिस को दी गई शिकायत में पीड़ित मोहल्ला रावतयाना निवासी रोहित यादव पुत्र राजेंद्र सिंह यादवने बताया कि 27 फरवरी 2026 की रात करीब 8.30 बजे वह अपनी दुकान पर मौजूद था। तभी क्षेत्र के कुछ नामजद युवक अपने अन्य साथियों के साथ वहां पहुंचे और बिना किसी कारण के गाली-गलौज करने लगे। जब रोहित ने इसका विरोध किया, तो आरोपियों ने लाठी-डंडों से उस पर हमला कर दिया, जिससे उसे गंभीर चोटें आई। ?घटना के दौरान आरोपियों ने दुकान में तोड़फोड़ की और वहां लगे सीसीटीवी कैमरे व डीवीआर को तोड़ दिया ताकि हमले की कोई फुटेज रिकॉर्ड न हो सके। पीड़ित के मुताबिक, उसका डीवीआर भी मौके से गायब है। उसे बचाने आये उसके पिता को आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गये। पुलिस ने ग्राम खोंखरा निवासी मुकुन्द सिंह पुत्र नाहर सिंह, बॉबी राजा पुत्र शेरसिंह, मोहल्ला चौबयाना निवासी बब्बूराजा पुत्र राजेन्द्र सिंह, खिरिया छतारा निवासी बड़ेराजा पुत्र राजाराम, मोहल्ला चौबयाना निवासी बुद्धसिंह और अज्ञात के खिलाफ बीएनएस की धारा 191 (2), 115 (2), 352, 351 (3) व 324 (2) के तहत एफआईआर दर्ज कर ली है।

ललितपुर। घायल पीड़ित।

संस्कृत को जनसुलभ और व्यावहारिक बनाने पर मंथन

जैन विश्व भारती संस्थान में सरल मानक संस्कृतम पर राष्ट्रीय कार्यशाला संपन्न

ललितपुर। आयोजन में मंचासीन अतिथि।

ललितपुर। जैन विश्व भारती संस्थान (मान्य विश्वविद्यालय) के प्राकृत एवं संस्कृत विभाग द्वारा सरल मानक संस्कृतम विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य संस्कृत भाषा को उसके प्राचीन स्वरूप से निकाल कर सरल, व्यावहारिक और जन सुलभ बनाकर व्यापक प्रचार-प्रसार को प्रोत्साहित करना था।
उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता करते हुए विभागाध्यक्ष प्रो. जिनेन्द्र कुमार जैन ने कहा कि संस्कृत मात्र एक प्राचीन भाषा नहीं है, बल्कि यह हमारी संस्कृति, दर्शन और महान ज्ञान परंपरा की मूल आधारशिला है। उन्होंने कहा कि वर्तमान पीढ़ी के लिए संस्कृत को संवाद योग्य और उपयोगी बनाना आज के समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। मुख्य अतिथि लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय नई दिल्ली के प्रो.दिनेश कुमार यादव ने संस्कृत के वैश्विक महत्व और इसके शैक्षणिक आयामों पर प्रकाश डाला।? विशिष्ट अतिथि एनसीईआरटी नई दिल्ली के डा.देवकीनंदन शर्मा ने विभिन्न सत्रों के माध्यम से प्रतिभागियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि संस्कृत को केवल ग्रंथों तक सीमित न रखकर बोलचाल की भाषा के रूप में विकसित किया जाना चाहिए। वरिष्ठ प्रोफेसर दामोदर शास्त्री ने रोचक उदाहरणों के माध्यम से सरल संस्कृत के प्रयोगों को स्पष्ट किया। राजस्थान संस्कृत अकादमी की पूर्व अध्यक्षा सुषमा सिंघवी ने प्रशिक्षणार्थियों से आह्वान किया कि वह संस्कृत को अपने दैनिक जीवन के व्यवहार में अपनाकर इसके संरक्षण और संवर्धन में सक्रिय भूमिका निभाएं। संचालन डा. सब्यसाची सारंगी ने किया, जबकि डा.सत्यनारायण भारद्वाज ने आभार जताया।

कर्नाटक संपर्क क्रान्ति एक्सप्रेस में जेबकतरी

ललितपुर। झांसी-मिरज रेल मार्ग पर चलने वाली चंडीगढ़-यशवंतपुर कर्नाटक संपर्क क्रान्ति एक्सप्रेस (22686) से एक यात्री की जेब से अज्ञात उचक्के ने 13,500 रुपये की नकदी उड़ा दी।? महाराष्ट्र के कोल्हापुर निवासी राजेश मिश्रा ने बताया कि वह ट्रेन की जनरल बोगी में सवार थे। यात्रा के दौरान उन्होंने चलती ट्रेन में वेंडर से चाय ली और पैसे चुकाए, उस वक्त उनके पास नकदी थी। लेकिन कुछ ही देर बाद जब उन्होंने अपनी जेब चेक की, तो उनके होश उड़ गए। उनकी पैंट की जेब में रखे 500-500 रुपये केकुल 27 नोट (कुल 13,500 रुपये) गायबथे।? पीड़ित ने बताया कि जनरल बोगी में यात्रियों की भारी भीड़ थी, जिसके कारण वह पूरी यात्रा के दौरान खड़े होकर सफर कर रहे थे। इसी भीड़ का फायदा उठाकर किसी अज्ञात बदमाश ने बड़ी सफाई से उनकी जेब काट ली। जीआरपी ललितपुर ने तत्परता दिखाते हुए पीड़ित की तहरीर पर अज्ञात

नपाध्यक्ष ने वार्ड- 5 व 11 सहित बस स्टैंड का किया औचक निरीक्षण

प्याऊ और शौचालय की गंदगी साफ करने को कहा, कहा पाइप लाइन का काम जल्द पूरा हो

ललितपुर। वार्ड का निरीक्षण करतीं नपाध्यक्ष।

ललितपुर। नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष सोनाली जैन ने शनिवार को पालिका टीम और जल निगम के अधिकारियों के साथ शहर के विभिन्न वार्डों और सार्वजनिक स्थलों का सघन निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विकास कार्यों की गुणवत्ता जांची और जनसमस्याएं सुनकर अधिकारियों को मौके पर ही निस्तारण के कड़े निर्देश दिए। ?अध्यक्ष ने वार्ड संख्या 5 (झांसीपुरा) और वार्ड संख्या 11 (सिविल लाइन तृतीय) का भ्रमण किया। झांसीपुरा में माता मंदिर के पास सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान मोती मंदिर मार्ग पर जल निगम द्वारा डाली जा रही पाइप लाइन के कारण सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे मिले। मोहल्लेवासियों ने शिकायत की कि कई दिनों से गड्ढे न भरे जाने के कारण आवागमन बाधित है और पेयजल की भारी किल्लत है। ?इस पर अध्यक्ष ने नाराजगी व्यक्त करते हुए जल निगम के अधिकारियों को होली पर्व के तत्काल बाद सड़क मरम्मत और पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने को कहा। कहा कि 10 मार्च तक पाइप लाइन डालने का कार्य हर हाल में पूर्ण कर लिया जाए। होली के मद्देनजर यात्रियों की सुविधा के लिए अध्यक्ष ने बस स्टैंड का भी निरीक्षण किया। यात्रियों ने बताया कि प्रतीक्षालय में पंखे नहीं हैं और शौचालय की स्थिति बेहद खराब है। मौके पर अध्यक्ष ने प्रतीक्षालय में तत्काल नए पंखे और लाइट लगवाने के निर्देश दिए। बस स्टैंड पर स्थित प्याऊ में गंदगी देख उन्होंने सफाई निरीक्षक को फटकार लगाई और पानी की टंकी की नियमित सफाई सुनिश्चित करने को कहा। निरीक्षण के दौरान नगरवासियों को अध्यक्ष ने आश्वासन दिया कि शहर के विकास और जनसुविधाओं में किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

न्यूज ब्रीफ

मदनपुर पुलिस ने दबोचे दो वारण्टी

ललितपुर। मदनपुर थाना पुलिस ने शनिवार को दो लंबे समय से वांछित वारंटियों को गिरफ्तार किया है। ?पुलिस अधीक्षक मो.मुश्ताक के निर्देशन में वांछित और वारंटी अपराधियों की धरपकड़ हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में एएसपी कालू सिंह एवं सीओ मड़ावरा कृष्ण कुमार मिश्रा के पर्यवेक्षण में मदनपुर पुलिस द्वारा क्षेत्र में दबिश दी गई। ?मदनपुर थानाध्यक्ष राजपाल सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने ग्राम गोराखुर्द में कार्रवाई करते हुए दो वारंटियों को धर दबोचा। पकड़े गए वारण्टियों में ग्राम गोराखुर्द निवासी हरप्रसाद व जमना पुत्रगण स्व.पुनु पाल बताये गये हैं।

बानपुर पुलिस ने दहेज हत्या में के दो वांछित पकड़े

ललितपुर। थाना बानपुर पुलिस ने दहेज हत्या के मामले में वांछित दो आरोपियों को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस के अनुसार थाने पर पंजीकृत मुकदमा अपराध संख्या 32/2026, धारा 85, 80(2) बीएनएस व 3/4 दहेज अधिनियम से संबंधित प्रकरण में वांछित अभियुक्त ग्राम वीर निवासी अतीश उर्फ कृष्णकांत पुत्र अमोद पाल एवं अमोद पाल पुत्र जानकी प्रसाद को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने दोनों आरोपियों को विधिक कार्यवाही पूर्ण करते हुए माननीय न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है। वांछितों को पकड़ने वाली पुलिस टीम में थानाध्यक्ष अरुण कुमार तिवारी, उपनिरीक्षक विपिन डेडा शामिल रहे।

लायंस क्लब ललितपुर गर्व ने न्यूरो सर्जन डा.यशपाल बुंदेला को किया सम्मानित

ललितपुर। लायंस क्लब ललितपुर गर्व द्वारा न्यूरो सर्जन डा. यशपाल सिंह बुंदेला (डायरेक्टर, न्यूरो सर्जरी, मेदांता हॉस्पिटल नोएडा) को चिकित्सा क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवाएं देने के लिए सम्मानित किया गया। डा.बुंदेला क्षेत्र के लोगों को उन्नत न्यूरो चिकित्सा सुविधा स्थानीय स्तर पर दिला रहे हैं। डा.बुंदेला ने आश्वासन दिया कि निकट भविष्य में लायंस क्लब ललितपुर गर्व के तत्वावधान में एक नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाएगा, जिससे अधिक से अधिक जरूरतमंद मरीजों को लाभ मिल सके। इस दौरान क्लब के चार्टर्ड अध्यक्ष संजय जैन रिंकू, पूर्व अध्यक्ष जितेंद्र जैन टिंकू, सचिव जितेंद्र शर्मा जीतू, अमित लिंकन एवं प्रभात चौहान आदि मौजूद रहे।

ललितपुर स्थापना दिवस आज

गौरवशाली 52 वर्षों के विकास को किया याद

ललितपुर। घण्टाघर की पैंसठ साल पुरानी तस्वीर।

ललितपुर। ललितपुर जनपद के लिए आज का दिन ऐतिहासिक गौरव का प्रतीक है। आज से ठीक 51 वर्ष पूर्व, 1 मार्च 1974 को ललितपुर को पृथक जनपद का दर्जा मिला था। स्थापना के 52वें वर्ष में प्रवेश करने पर समूचे जनपद में हर्ष का माहौल है और लोग उस ऐतिहासिक पल को याद कर रहे हैं जब ललितपुर की तकदीर बदली थी।
वरिष्ठ स्तंभकार सिद्धार्थ शर्मा के अनुसार जिला निर्माण की गाथा 1 मार्च 1974 को उत्तर प्रदेश के तत्कालीन यशस्वी मुख्यमंत्री स्व.हेमवती नंदन बहुगुणा के आगमन के साथ शुरू हुई थी। ललितपुर के श्रीतुवन मंदिर मैदान पर एक विशाल आमसभा आयोजित की गई थी, जिसकी अध्यक्षता तत्कालीन नगर कांग्रेस अध्यक्ष स्व. पं. रामनारायण शर्मा कर रहे थे। ?इसी मंच से जब ललितपुर को जिला बनाने की पुरजोर मांग उठी, तो मुख्यमंत्री बहुगुणा ने जनभावनाओं का सम्मान करते हुए मंच से ही घोषणा की। आज से आप लोग जिला ललितपुर लिखना शुरू कर दो, मैं आज से ललितपुर को जिला घोषित करता हूँ। आज मैं बोल करके जा रहा हूँ, ?उस दौर के गवाह बताते हैं कि मुख्यमंत्री बहुगुणा ने खेल की शब्दावली का प्रयोग करते हुए स्व. रामनारायण शर्मा को संबोधित कर कहा था कि शर्माजी, हॉकी के खेल की तरह अन्य लोग डी तक तो गेंद लेकर आते थे परंतु गोल नहीं कर पाते थे, आज मैं गोल करके जा रहा हूँ। उनकी इस घोषणा के साथ ही पूरा मैदान तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा था। घोषणा के बाद 13 मार्च 1974 को ललितपुर जिला आधिकारिक रूप से क्रियान्वित हुआ। तत्कालीन जॉइंट मजिस्ट्रेट रवि माथुर को ललितपुर के पहले जिलाधिकारी बनने का गौरव प्राप्त हुआ। इस पूरे घटनाक्रम और जिला निर्माण की विस्तृत गाथा को वरिष्ठ अधिवक्ता एवं युवक कांग्रेस के पहले जिलाध्यक्ष अशोक रिछारिया ने भी ऐतिहासिक साक्ष्यों के साथ संजोया है। ?आज ललितपुर अपनी विकास यात्रा के 52वें साल में कदम रख रहा है। इस खास मौके पर जनपदवासियों ने एक-दूसरे को शुभकामनाएं देते हुए उन विभूतियों को याद किया जिनके संघर्षों से यह जिला अस्तित्व में आया।

ऑर्थोपेडिक्स : किताबों से आगे का हुआ सम्मेलन

- बताया कि कैसे अब तकलीफ में घुटना बदलने की जरूरत नहीं
- नेशनल ऑर्थोपेडिक कॉन्फ्रेंस लुधियाना में डॉ.दिवाकर ने लहराया परचम

ललितपुर। कान्फ्रेन्स में विश्व के जाने माने ऑर्थो सर्जन।

ललितपुर। जनपद के जाने माने अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ.एके दिवाकर ने लुधियाना पंजाब में जाकर नेशनल ऑर्थोपेडिक कान्फेन्स में अपना शोधालेख पेश किया। जिससे प्रभावित विश्व भर के सर्जन अविभूत हो गये। लैक्चर के बाद डॉ.दिवाकर को सम्मानित किया गया।
होटल रेडिसन ब्लू लुधियाना में ओला कंपनी के मालिक भाविश अग्रवाल के पिता डॉ.नरेश अग्रवाल द्वारा आयोजित किये गये सम्मेलन में विश्व भर के अस्थिरोग विशेषज्ञ एकत्रित किये गये हैं। जिनमें इटली से इंटरनेशनल स्पीकर डॉ.मारियो टंगारी और डॉ.अल्बर्टो बट्टागिया व डॉ.मार्सिलो, एथेंस से डॉ.क्रिस्टोडोलस अमोर्गियानोस, मलेशिया से डॉ.परमजीत कौर, पुणे से डॉ.मित्रा व डॉ.वसु छिल्लर, मुम्बई से डॉ.डीडी तन्ना व डॉ.बीएस राजपूत, सूरत से डॉ.जिग्नेश पटेल, दिल्ली से डॉ.सुशील विजय व डॉ.करण जैन, सोलापुर से डॉ.शिवशंकर, कोलकाता से डॉ.राजीव रमन और किंगशुक मंडल व एएन मुकर्जी, पुणे से ही डॉ.विक्रम राजगुरु और किरण शेटे, चंडीगढ़ से डॉ.रमेश सेन आदि शामिल हैं। नयी तकनीकों के इनोवेटर के रूप में दुनियाँ भर में विख्यात ललितपुर के विशेषज्ञ डॉ.अरविन्द दिवाकर ने पृथ्वी की गुरुत्वाकर्षण शक्ति से टूटी हड्डियों के इलाज के बारे में जानकारी दी जो सस्ता और सुलभ इलाज है। उन्होंने कम से कम खर्च में मरीजों को ठीक करने के अपने वीडियोज का भी पावर प्वांइण्ट प्रिजेन्टेशन दिया। अधिकांश विशेषज्ञों ने घुटने की आर्थराइटिस के के दौरान बिना घुटना बदले पीआरपी और बोन मैरो सेल्स व स्टेम सैल्स से किये जाने वाले उपचार को बेहतर बताया। उन्होंने बर्गर जैसी बहुत मुश्किल बीमारियों को ठीक करने के आसान तरीकों पर पांच लेक्चर दिए। बताया कि पहले जिन मामलों में एम्प्यूटेशन की जरूरत पड़ती थी, ऐसे छोटी हड्डियों के फ्रैक्चर की माइक्रोइनवेसिव तकनीक और पेन पोर्टल सेलुलर लेवल बायोलॉजी से आसानी से ठीक किया जा सकता है। 27 फरबरी से शुरू हुयी यह कान्फ्रेन्स आज 1 मार्च तक जारी रहेगी।

शिक्षा के साथ संस्कृति भी अपनाऐं : भूपेंद्र सिंह

ललितपुर। वार्षिकोत्सव में विजेता को सम्मानित करते अतिथि और प्रबंधक।

ललितपुर। श्री दीपचंद्र चौधरी महाविद्यालय में आयोजित वार्षिक महोत्सव के अंतर्गत सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शानदार प्रस्तुति दी गयी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उपजिलाधिकारी पाली भूपेंद्र सिंह ने कहा कि शिक्षा के साथ संस्कृति का संरक्षण जरूरी है। अपनी विरासत को हमेशा अपनाना चाहिये। महाविद्यालय के संस्थापक प्रबंधक कमलेश चौधरी ने कहा कि शिक्षा के साथ अपनी लोक विरासत को संजोना एक सभ्य समाज का पहला दायित्व है। शुभारम्भ गणेश वंदना से हुआ जो यश एण्ड ग्रुप ने प्रस्तुत की। स्वागत गीत राखी नरवरिया ने गाया। देशभक्ति गीत, लोकगीत, नृत्यनाटिका, समूह नृत्य एवं सामाजिक संदेश पर आधारित नाटकों की शानदार प्रस्तुतियां दी गई। विद्यार्थियों की प्रतिभाए आत्मविश्वास और मंच संचालन ने दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं। प्रस्तुति में स्वागत गीत शुभ दिन आयो रे मुस्कान, भाषण मोबाइल के साइड इफेक्ट रिद्धि, नारी शक्ति एक्ट आयुषी एण्ड ग्रुप, योगा एक्ट सुहानी एण्ड नैन्सी ग्रुप, गाना रक्षा बुन्देला, डांस बोली मीठी लागे सलौनी और निधि पंथ के द्वारा दी गयीं। आर्मी एक्ट सुहानी एण्ड नैन्सी ग्रुप, 90 टू 21 ग्रुपसॉन्ग स्नेहा एण्ड ग्रुप द्वारा प्रस्तुत किया गया। स्टेट डांस आराध्या एण्डग्रुप, डांस मेरे घर राम आयेंगे रिचा कुशवाहा द्वारा मंचित किया गया। नुक्कड़ नाटक अनपढ़ नेता पवन एण्ड ग्रुप ने दिखाया। कॉमेडी एक्ट मेरी नींद मेरा चैन चन्द्रभान एण्ड ग्रुप भाषण अनुशासन सिद्धि, कार्टून एक्ट यश एण्ड पार्टी, गाना सलौनी, डांस क्यूं तरसता है तू बन्दे रागिनी विश्वकर्मा, डांस अफसाना लिख रही हूं सलौनी चौधरी, गाना सलौनी एण्ड रिचा, डांस ढोलीड़ा प्रिन्सी, भाषण हेमा, डांस तेरा यार बोलता है सलोनी एण्ड रिचा की प्रस्तुति रही। डांस राधा तेरी चुनरी प्रतीक्षा एण्ड ग्रुप, डांस बन्नी रिचा कुशवाहा, डांस नैनो वाले आराध्या, डांस आयी गयी रात नैन्सी, डांस निधी पंथ, डांस मेरा जी लाग्या बाबा में विकास, डांस घर मोरे परदेशिया सोनाली, डांस चल छैयां छैयां आयुषी एण्ड सानिया, जुल्म कर डालो रागिनी विश्वकर्मा आराध्या एण्ड निधि, गुरूवर में संसार समाया रागिनी विश्वकर्मा ने मन को मोहित करने वाली प्रस्तुतियों ने समा बांध दिया। विजेताओं को सम्मानित किया गया। इस दौरान प्रबंध समिति से डायरेक्टरगण प्रदीप चौधरी, प्रवीण चौधरी, विकास चौधरी, गौरव चौधरी, प्रणव चौधरी उपस्थित रहे। महाविद्यालय स्टाफ से प्राचार्य डॉ.जेएस तोमर, आदित्य मिश्रा, बृजेश पटेरिया, डॉ.नीरज सिंह, अभिषेक रावत, रोहित रावत आदि मौजूद रहे। संचालन पवन साहू एवं शिवी मिश्रा द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

उप परिवहन आयुक्त का चित्रकूट दौरा

मानक विहीन चलने वाले वाहनो पर कार्यवाही के निर्देश

चित्रकूट। बस मे बैठे यात्री से जानकारी करते उप परिवहन आयुक्त केडी सिंह गौर

चित्रकूट। उप परिवहन आयुक्त परिक्षेत्र झांसी केडी सिंह गौर ने चित्रकूट का दौरा किया। राजस्व प्रास्तियों तथा प्रवर्तन कार्यवाही की समीक्षा की।

होली पर्व पर उप परिवहन आयुक्त ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि इस दौरान यात्रियों के सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित आवागमन पर विशेष ध्यान दिया जाय और खासकर बसों की चेकिंग पर फोकस किया जाय। चेकिंग के दौरान ऐसी बसों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही की जाए जो मानक विरुद्ध, बिना फिटनेस, बिना परमिट, और निर्धारित संख्या से अधिक सवारियां ढोती हुई पाई जाएं। उन्होने स्पष्ट किया कि इस कार्यवाही के दौरान यह विशेष रूप से ध्यान दें कि यात्रियों को असुविधा न हो। यदि मानक विहीन और ओवरलोडिंग कर रही बसों को निरुद्ध करने की आवश्यकता हो तो यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए वैकल्पिक साधन के रूप में रोडवेज की बसें उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने निर्देश दिया कि रोडवेज के क्षेत्रीय प्रबंधक एवं सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक के साथ बैठक भी कर ली जाए।

निरीक्षण मे यात्रीकर अधिकारी दीप्ति त्रिपाठी, आरआई सहित अन्य मौजूद रहे।

स्वच्छ वार्ड प्रतियोगिता का नगर पालिका द्वारा आयोजन

गुरसराय । शासन के निर्देश के क्रम में एवं अध्यक्ष जयपाल सिंह (राजू चौहान), अपर नगर मजिस्ट्रेट/अधिशासी अधिकारी अजय कुमार यादव के आदेश के क्रम में पालिका के वरिष्ठ लिपिक सोनू बक्शी ने नेतृत्व में नगर के वार्डो में स्वच्छ वार्ड प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। नागरिकों में जागरूकता हेतु स्वच्छता ही सेवा सम्बन्धित-साफ सफाई रखना, वार्ड में कही भी खुला कचरा/खुले में पेशाब/खुले में शौच, एवं स्वच्छ वातावरण प्रोत्साहन समिति के सदस्यों के साथ विभिन्न गतिविधियां की गयी है। जिसमें देखा गया कि सोर्स सेग्रिगेशन हेतु पालिका द्वारा दी जा रही ट्रेंनिंग का वार्ड में क्या प्रभाव पड़ा।वार्ड प्रतियोगित में मूल्यांकन स्वच्छ भारत की गाइड लाइन के अनुसार किया गया।प्रायः देखा गया कि सभी घरों में और परिसरों के कचरे को हरे (गीले), सूखे(नीले) के रूप में प्रयोग कर रहे है।कुछ लोग घर घरेलू खतरनाक कचरे को भी अलग-अलग कर रहे है। ट्रेंनिंग के द्वारान सभी वार्डो में जागरूकता हेतु लगाए गए स्टीकर से लोगों में जागरूकता वडी है साथ ही ट्रेंनिंग पार्टनर टीम के द्वारा वार्डो में घर-घर जाकर कचड़ा अलग-अलग करने के बारे में लोगों को पूर्व से ही जागरूक किया जाता रहा है।परिणाम स्वरूप जिसमें वार्ड नं0 20 पायगा में 208 घरों में से 148 घर, लगभग 71% वार्ड नं0 17 बाजार में 237 घरों में से 171 घर लगभग 72 त्न एवं वार्ड नं0 21 बाजार में 218 घरों में से 165घर लगभग 75 त्नअलग-अलग करके गीला एवं सूखा कचड़ा दे रहे हैं।अन्य विन्दुओं जैसे प्लास्टिक निषेद कम्पोस्टिंग आदि के गहन मूल्यांकन उपरांत विजेता वार्ड का चयन कर पुरस्कृत किया जाएगा। अभियान स्वच्छ वातावरण प्रोत्साहन समिति के सदस्य के साथ वार्ड पार्षद सुरेन्द्र अग्रवाल पालिका से सोनू यादव वख्सी (लेखा लिपिक),पार्षदपति सुमंत सोनी माहेश्वरी शरण बुधौलिया (निर्माण लिपिक),पार्षद सलमान खान व योगेन्द्र कुमार मिश्रा, उमेश कुमार, सर्वेश कुमार खरे, राकेश कुमार सोनी, प्रकाश नारायण दीक्षित, दीपक कुमार, जयनारायण कुशवाहा, दीपक महरौलिया, राजेश सैनी, सूर्या प्रकाश शर्मा, हरिओम पीर मुहम्मद, राजेश, अखिलेश सफाई नायक राजेन्द्र सफाई कर्मचारी उपस्थित रहे।

राजापुर थानाक्षेत्र के गांवो मे आबकारी टीम ने दी दबिश

100 किलो लहन नष्ट कर दस लीटर पकडी शराब

चित्रकूट। बरामद लहन को नष्ट करती आबकारी टीम।

चित्रकूट। आबकारी आयुक्त के आदेश एवं जिलाधिकारी पुलकित गर्ग के मार्गदर्शन में होली पर अवैध मदिरा के निर्माण परिवहन पर अंकुश लगाने के लिए संचालित विशेष प्रवर्तन अभियान में जिला आबकारी अधिकारी अखिलेन्द्र बहादुर सिंह के निर्देशन में आबकारी निरीक्षक क्षेत्र चार राजापुर द्वारा अधीनस्थ स्टाफ सहित थाना राजापुर क्षेत्रांतर्गत ग्राम-गडरियन पुरवा मजरा अतरसुई तथा रुपौली में संदिग्ध स्थलों पर दबिश देकर सघन तलाशी ली गई।

दबिश के दौरान ग्राम गड़रियन पुरवा में लगभग 100 किलोग्राम लहन बरामद कर मौके नष्ट किया। साथ ही दस लीटर अवैध शराब जब्त कर एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया एवं संयुक्त प्रांत आबकारी अधिनियम, की सुसंगत धाराओं के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत कर नियमानुसार कार्यवाही की गई।

दबिश टीम मे आबकारी निरीक्षक प्रणव पाण्डेय, आशीष सिंह, रविशंकर गुप्ता, नीरज वर्मा, प्रधान आरक्षी धर्मेन्द्र राजपूत, आरक्षी शिवसागर, सागर, लालचन्द्र, दुष्यंत यादव, सनमान सिंह, सरताज खांन, मो0 अकरम, दीपक, महिला आरक्षी सुमित्रा और रंजना आदि रहे।

न्यूज ब्रीफ

न्यायालय ने सजा से किया दण्डित

चित्रकूट। न्यायालय ने अवैध रुप से वृक्ष काटने के दो अभियुक्तों को न्यायालय उठने तक की सजा व प्रत्येक को एक-एक हजार रुपए के अर्थदंड से दण्डित किया है।

अभियोजन अधिकारी शशिकांत यादव ने बताया कि मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट राजेन्द्र प्रसाद भारती ने ग्रामीण एवं पर्वतीय क्षेत्र वृक्ष संरक्षण अधिनियम के आरोपी अभियुक्त श्यामलाल पुत्र स्व0 प्रभु रैदास निवासी लोढवारा खुर्द, बल्देव प्रसाद पुत्र दसुआ प्रसाद निवासी काडीखेडा को न्यायालय उठने तक व प्रत्येक को एक-एक हजार रुपए के अर्थदंड से दंडित किया।

कोतवाली कर्वी मे एसपी ने सुनी फरियाद

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह की अध्यक्षता में कोतवाली कर्वी में समाधान दिवस का आयोजन किया गया। पुलिस अधीक्षक ने समाधान दिवस में प्राप्त समस्याओं के निस्तारण रजिस्टर का परीक्षण करते हुए निस्तारण आख्या को देखकर सम्बन्धित को निर्देश दिए कि जिन समस्याओं का निस्तारण किया जाता है, उन समस्याओं के निस्तारण से समस्या ग्रस्त व्यक्ति को भी अवगत कराया जाए। निरीक्षण के दौरान थाना परिसर, महिला हेल्पडेस्क, साइबर हेल्प डेस्क, थाना कार्यालय, मालखाना व हवालात का निरीक्षण कर प्रभारी कोत0 कर्वी को साफ सफाई के निर्देश दिये।

पुलिस की क्रॉस कन्ट्री दौड़ पर रूट रहेगा बंद

चित्रकूट। आरटीसी पुलिस लाइन लाइन में आधारभूत प्रशिक्षण प्राप्त कर रहें रिक्रूट आरक्षियों की क्रॉस कन्ट्री दौड़ 10 किमी एक मार्च को समय प्रात 6 बजे से 9 बजे तक होगी। जिसका प्रस्तावित रूट पुलिस लाइन गेट नं-2 से प्रारम्भ होकर शीतलपुर तरौहा मोड़ (मानिकपुर रोड स्थित) होते हुये वापस पुलिस लाइन स्थित परेड ग्राउण्ड मे समाप्त होगी। पुलिस लाइन गेट नं-02 से शीतलपुर तरौहा मोड़ मानिकपुर रोड पर सभी प्रकार के वाहनों का आवागमन पूर्णतः प्रतिबन्धित रहेगा।

पात्र लाभार्थियो के खाते मे भेजी जायेगी धनराशि

चित्रकूट। जिला समाज कल्याण अधिकारी डां वैभव त्रिपाठी ने बताया कि समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना अन्तर्गत माह फरवरी में कुल 247 लाभार्थियों को स्वीकृति प्रदान करते हुए कुल 567 लाभार्थियों को स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है। नवीन स्वीकृति प्राप्त 247 लाभार्थियों को बजट की उपलब्धता के आधार पर प्रति लाभार्थी 30,000 की धनराशि का प्रेषण पीएफएमएस के माध्यम से आधार बेस्ड प्रणाली द्वारा लाभार्थियों के सीधे बैंक खातों में करते हुए लाभान्वित किया जायेगा।

अस्पताल का किया निरीक्षण

चित्रकूट। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ भूपेश द्विवेदी ने बताया कि कार्यालय द्वारा जारी नोटिस का स्पष्टीकरण न दिये जाने एवं चिकित्सालय द्वारा की जा रही लापरवाही के चलते एमएस पटेल हास्पिटल सोनेपुर रोड कर्वी व जीवन वर्षा हास्पिटल पहाडी रोड कर्वी में प्रशिक्षित स्टॉफ न होने के कारण पंजीकरण निरस्त कर दिया गया। नारायण हास्पिटल पाण्डेय पुरवा कमासिन रोड राजापुर का औचक निरीक्षण किया। चिकित्सालय का पंजीकरण नही पाया गया, जिससे चिकित्सालय को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय मे लगी सेनेटरी पैड वेंडिंग मशीन

चित्रकूट। जिलेभर के कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में छात्राओं की स्वास्थ्य सुरक्षा को लेकर सेनेटरी पैड वेंडिंग मशीन स्थापित की गयी है। मशीनें विद्यालयों के बालिका शौचालयों में गोपनीयता एवं सुरक्षा मानकों के अनुरूप भौतिक सत्यापन के उपरांत स्थापित किया गया है। विद्यालय स्तर पर माहवारी स्वच्छता प्रबंधन क्लब का गठन किया जाएगा, जिसके माध्यम से छात्राओं को मासिक धर्म स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जाएगा तथा मशीनों के नियमित उपयोग एवं रख-रखाव की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। यह पहल बालिकाओं के स्वास्थ्य संरक्षण, ड्रॉपआउट दर में कमी तथा विद्यालयों में सकारात्मक एवं समावेशी वातावरण के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

अ.भा.कुश.महा.से जिला उपाध्यक्ष पहलवान,जिला सचिव विनोद, ब्लाक अध्यक्ष देवेंद्र व नगर अध्यक्ष रामदास को बनाया, पदाधिकारी बनने पर समाज में खुशी का माहौल

झांसी जयूसं। अखिल भारतीय कुशवाहा महासभा के झांसी जिलाध्यक्ष ध्रुव सिंह कुशवाहा ने संगठन को मजबूत करने हेतु जिला कार्यकारिणी व बबीना ब्लाक अध्यक्ष एवं नगर अध्यक्ष पद की घोषणा की और इन पदों की घोषणा कर संगठन को नई दिशा देने का संकल्प व्यक्त किया।

जिलाध्यक्ष ध्रुव सिंह कुशवाहा ने बताया कि संगठन को मजबूत एवं सक्रिय बनाने के उद्देश्य से नई कार्यकारिणी का गठन किया गया है। उन्होंने कहा कि सभी पदाधिकारियों को समाजहित में निष्ठा और ईमानदारी के साथ कार्य करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

घोषित पदों में जिला उपाध्यक्ष के पद पर पहलवान कुशवाहा बबीना, जिला सचिव के पद पर विनोद कुशवाहा बबीना तथा बबीना ब्लाक अध्यक्ष के पर देवेंद्र कुशवाहा एंव रामदास कुशवाहा बबीना को बबीना नगर अध्यक्ष पद पर नियुक्त किया। नवनियुक्त पदाधिकारियों ने संगठन के विस्तार, युवाओं की भागीदारी बढ़ाने और समाज के विकास हेतु एकजुट होकर कार्य करने का भरोसा दिलाया।

जिलाध्यक्ष ने कहा कि महासभा का उद्देश्य समाज को शिक्षा, सामाजिक जागरूकता और संगठनात्मक एकता के माध्यम से आगे बढ़ाना है। आगामी दिनों में गांव-गांव सदस्यता अभियान चलाकर संगठन को और सशक्त बनाया जाएगा।

इन पदों की सहमति में समाज के वरिष्ठजन,युवा कार्यकर्ता एवं गणमान्य लोग व जिला कार्यकारिणी के सदस्यों की पूर्ण सहमति बनी। सभी ने नवगठित कार्यकारिणी को शुभकामनाएं दीं। यह जानकारी जिला मीडिया प्रभारी बृजेन्द्र कुशवाहा एंव जिला सोशल मीडिया प्रभारी कमलेश कुशवाहा ने संयुक्त रूप से दी।

अरविंद केजरीवाल कोर्ट से बरी, आप पदाधिकारियो ने जतायी खुशी

चित्रकूट। आम आदमी पार्टी जिला कमेटी पदाधिकारियो ने राष्ट्रीय अध्यक्ष अरविन्द केजरीवाल, पूर्व शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया, प्रदेश प्रभारी सांसद संजय सिंह सहित सभी 23 लोगों को दिल्ली कोर्ट द्वारा लिए गए ऐतिहासिक फैसले से झूठे शराब घोटाले से बरी किये जाने पर चित्रकूट पार्टी कार्यालय से धनुष चौराहे तक लड्डू बांटकर खुशी जतायी है। कार्यक्रम जिलाध्यक्ष सन्तोषी लाल शुक्ला की अगुवाई में हुआ। इस मौके पर बसंत पटेल, नर्वदा प्रसाद यादव, लवलेश केसरवानी, धनराज सिंह, प्रमोद कुमार सोनी, शिवशंकर सिंह, सन्नो मौर्या, डॉ रमाकांत गुप्ता, श्याम बाबू त्रिपाठी, जितेन्द्र गोयल, राजबहादुर साहू, जुबैदा बेगम, दीपिका वर्मा, संगीता निषाद, अरुन केसरवानी, योगेंद्र ठाकुर, श्याम पाण्डेय, बद्री पटेल, अजय कुमार आदि मौजूद रहे।

अजनेरी से सुट्टा तक लगभग 10 करोड़ की लागत से बनायी जायेगी सड़कः डॉ. योगेश त्रिपाठी

गुरसराँय। क्षेत्र के युवा नेता सहकार भारती के निवर्तमान जिलाध्यक्ष डॉ़ योगेश त्रिपाठी अजनेरी लम्बे अरसे से अजनेरी ग्राम से सुट्टा तक को जोड़ने की सड़क की मांग कर रहे थे,इसके लिये योगेश अजनेरी लगातार शासन को पत्राचार भी कर रहे थे,योगेश अजनेरी ने बताया कि गरौठा विधायक जवाहर राजपूत के भागीरथी प्रयास से अजनेरी से सुट्टा को जोड़ने वाली 2600 मीटर की सड़क लगभग 10 करोड़ से ऊपर तक की लागत से बनायी जायेगी,युवा नेता योगेश अजनेरी ने बताया कि यह सड़क मड़पुरा,अजनेरी,छिरौरा,सुट्टा,फरीदा सहित कई गाँवों को सीधा ब्लॉक से जोड़ेगी और हजारों लोग लाभान्वित होंगे!

इण्टर चित्रकला एवं प्राविधिक कला का पेपर शांतिपूर्ण सम्पन्न

गुरसरांय। बोर्ड परीक्षा में शनिवार को इण्टर चित्रकला एवं प्राविधिक कला का पेपर सम्पन्न हुआ। खेर इण्टर कॉलेज के परीक्षा केंद्र पर केन्द्रव्यवस्थापक धनप्रकाश तिवारी,बाह्य केन्द्रव्यवस्थापक नंदकिशोर शर्मा की देखरेख में इण्टर चित्रकला में 4 ने परीक्षा दी।प्राविधिक कला में 4 ने परीक्षा दी 2 अनुपस्थित रहे। परीक्षा विभाग में जितेंद्र सिंह पटेल,विनोद कुमार,जे पी वर्मा,कुलदीप कोबलकर,कौशलेश मिश्रा,कुलदीप वर्मा ने कार्य किया।

श्रीकल्याण बाल विद्या मंदिर इण्टर कॉलेज में केन्द्रव्यवस्थापक सत्यप्रकाश द्विवेदी की देखरेख इंटर के चित्रकला में पंजीकृत 23 ने परीक्षा दी 02 अनुपस्थित रहे। परीक्षा विभाग में कैलाश प्रकाश गुप्ता, हरीबाबू शर्मा,सुनील व्यास ने कार्य किया। राजकीय इण्टर कॉलेज खड़ौरा में इंटर चित्रकला में केन्द्रव्यवस्थापक किरन वर्मा बाह्य केन्द्रव्यवस्थापक सुधीर पाठक की देखरेख में 125 ने परीक्षा दी 05 अनुपस्थित रहे। परीक्षा में हेमकुमार, मनीषा,हरीशंकर सोनी,हेमंत मिश्रा ने कार्य किया।

किसानो के पंजीकरण की धीमी गति पर डीएम ने जतायी नाराजगी

बैठक मे अधिकारियो को दिये निर्देश

चित्रकूट। जिलाधिकारी पुलकित गर्ग की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में फार्मर रजिस्ट्री कार्य की प्रगति की समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने जनपद में किसानों के पंजीकरण की धीमी गति पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों व कर्मचारियों को सख्त निर्देश जारी किए। बैठक के दौरान उप कृषि निदेशक ने बताया कि जनपद में कुल 1,37,349 फार्मर रजिस्ट्री के लक्ष्य के सापेक्ष अब तक 93,993 रजिस्ट्री का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। अवशेष कार्यो को प्रत्येक दशा में 15 मार्च तक शत-प्रतिशत पूर्ण करना है। उप कृषि निदेशक को निर्देशित किया कि पोर्टल या पंजीकरण प्रक्रिया में आ रही किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या का तत्काल संज्ञान लेकर उसका स्थायी निस्तारण कराएं, ताकि डेटा फीडिंग के कार्य में कोई व्यवधान उत्पन्न न हो। समीक्षा बैठक में मुख्य विकास अधिकारी डीपी पाल, अपर जिलाधिकारी चन्द्र शेखर, उपजिलाधिकारी, तहसीलदार एवं लेखपाल उपस्थित रहे।

जिला अस्पताल मे प्रेरणा कैंटीन का उद्घाटन

चित्रकूट। मुख्य विकास अधिकारी ने संयुक्त जिला चिकित्सालय में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के स्वयं सहायता समूह की महिलाओ द्वारा संचालित प्रेरणा मिलेट्स कैंटीन का उद्घाटन किया। कैंटीन में नाश्ते में मिलेट्स उत्पाद बनाये जायेंगे जिसका फायदा चिकित्सालय में आये मरीजों एवं अन्य समस्त नागरिकों को मिल सकेगा। उद्घाटन समारोह मे मुख्य चिकित्सा अधीक्षक शैलेन्द्र सिंह, सहित समूह की महिलाएं उपस्थित रहे।

राम जानकी मंदिर से मूर्ति चोरी, क्षेत्र में सनसनी

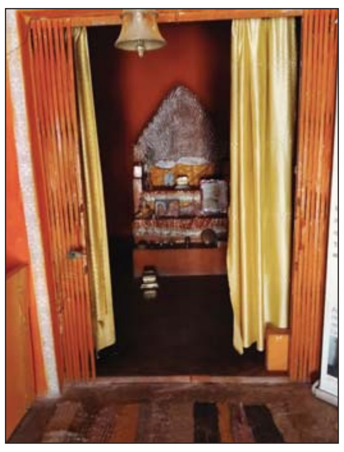

संवाददाता राम लखन सोनी अजनर (महोबा)। थाना अजनर क्षेत्र के ग्राम सेलापुरवा स्थित राम जानकी मंदिर से अज्ञात चोरों द्वारा भगवान राम, लक्ष्मण और सीता की मूर्तियां चोरी कर ली गई। घटना से गांव में आक्रोश और चिंता का माहौल है।

जानकारी के अनुसार शुक्रवार शाम लगभग आठ बजे मंदिर के पुजारी रमेश पूजा-अर्चना कर अपने घर चले गए थे। शनिवार सुबह जब वह पुनः पूजा करने मंदिर पहुंचे तो गर्भगृह से भगवान राम, लक्ष्मण और जानकी की मूर्तियां गायब थीं। पुजारी ने आसपास काफी तलाश की और ग्रामीणों से पूछताछ की, लेकिन मूर्तियों का कोई सुराग नहीं लगा।

घटना की सूचना तत्काल थाना अजनर पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष सुभाष चन्द्र पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है तथा आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है।

पुजारी रमेश ने बताया कि मंदिर का निर्माण वर्ष 2009 में हुआ था तथा वर्ष 2011 में मूर्तियों की विधिवत प्राण प्रतिष्ठा की गई थी।पुजारी ने बताया कि 2011 मे मूर्ति की दक्षिणा 95000 लगी थी ग्रामीणों ने शीघ्र खुलासे की मांग करते हुए मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की भी अपील की है।

पुलिस का कहना है कि जल्द ही मामले का खुलासा कर दोषियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

खाद्य दुकानो से टीम ने लिये सैंपल, मिलावट पर चेताया

चित्रकूट। बर्फी का सैंपल लेते खाद्य विभाग टीम

चित्रकूट। आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन एवं जिलाधिकारी पुलकित गर्ग के आदेश अनुपालन में सहायक आयुक्त खाद्य शशांक त्रिपाठी के निर्देश पर होली पर्व विशेष अभियान पर खाद्य सुरक्षा विगाग टीम द्वारा कुल चार नमूने जाँच के लिये संग्रहित किये संग्रहित किये। उन्होने बताया कि सूरसेन राजापुर स्थित सुरेश प्रसाद की दुकान से पनीर, सरधुवा राजापुर स्थित प्रो0 तरून कुमार खोया, कर्वी स्थित काममिगरि होटल एण्ड रेस्टोरेण्ट दूध की बर्फी, कर्वी स्थित काजल स्वीट् हाउस दूध की बर्फी, रामघाट कर्वी स्थित मोदनवाल स्वीट हाउस से पेड़ा का सैंपल लिया। जांच टीम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी रत्नाकर सिंह, विनय कुमार रहे।

बारहद्वारी, चौथा मील श्री हुल्की माता मन्दिर से गुरसरांय तक सीसी सड़क का हुआ शिलान्यास

गुरसरांय(झांसी)। 27 फरवरी शुक्रवार को गरौठा विधानसभा क्षेत्र के बारहद्वारी क्षेत्र के बारह गाँव से लेकर गरौठा चौथा मील- हबूपुरा गुरसरांय मार्ग चौड़ीकरण व सुदृढीकरण का पूरा काम सर्वाधिक चलने वाली भारी वाहनों के लिए 24 करोड़ 67 लाख रुपए की लागत से 8.05 किलोमीटर लंबी सड़क का लगातार क्षेत्र के कई दर्जनों गांव से लेकर गुरसरांय के लोगों की मांग पर और गरौठा विधायक जवाहरलाल राजपूत द्वारा लगातार शासन से लेकर विधानसभा में इस सड़क की मांग को प्रमुखता से उठाने के बाद आखिर आज विधिवत चौथामील हनुमान जी मंदिर परिसर के समीप भूमि पूजन कर विधि विधान से शिलान्यास कर दिया गया है। इस दौरान चौथामील हनुमान जी मंदिर परिसर में गरौठा तहसील क्षेत्र के बड़ी संख्या में ग्रामीणों की मौजूदगी में एक गोष्ठी भी हुई। जिसमें विधायक जवाहरलाल राजपूत ने कहा आज जिस सड़क का शिलान्यास हुआ है इससे अभी तक बारह गाँव से अधिक लोगों को धूल आदि आवागमन की जो भारी असुविधा थी उसको सीसी सड़क पूरी तरह गुणवत्तापूर्ण ढंग से बनवाया जायेगा। काम की गुणवत्ता के लिए आप लोग मुझे बताये अथवा शिकायत करे ताकि उत्तर प्रदेश के योगी सरकार की मंशा अनुरूप यह सड़क झांसी जिले में ही नहीं बुंदेलखंड में एक मॉडल के रूप में विकसित हो सके। इस दौरान नगर पंचायत अध्यक्ष गरौठा डॉक्टर अरुण कुमार मिश्रा ने कहा कि गरौठा विधानसभा क्षेत्र में सड़को और पुलों के वर्तमान विधायक द्वारा कराये जा रहे कामों और किये जा रहे प्रयासों की सराहना की। सभा का संचालन भाजपा युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष नेहिल सिंघई ने किया। इस मौके पर श्री राम सेवा समिति के अध्यक्ष एडवोकेट सतीश चन्द्र चौरसिया, पंडित रामनारायण पस्तोर,रामेश्वर अग्रवाल, भाजपा वरिष्ठ नेता गुलाब जैन,प्रेम अग्रवाल,पूर्व प्रधान हरप्रसाद पटेल ठेकेदार वीरपुरा, जितेंद्र कुशवाहा, रामजी सोनी, लक्ष्मण सिंह अस्ता, विजय सिंह अस्ता,अनुज द्विवेदी प्रधान नागर,केशवेंद्र सिंह,बल्लन गुप्ता, अनुराग उपाध्याय,प्रवेन्द्र सिंह प्रधान ढिपकई,नीरज शर्मा शीला, राजू यादव प्रधान लखावती,मुन्नी दाऊ, प्रतीक जैन,प्रसिद्ध नारायण यादव, अनिल तिवारी पूर्व प्रधान जखौरा, रविन्द्र जूदेव पूर्व प्रधान, मयंक गुप्ता,कविता शर्मा,अवधेश प्रताप सिंह फौजी, पंडित अब्बू महाराज सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण और भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान लोक निर्माण विभाग कार्यदायी संस्था की ओर से अवर अभियंता नवनीत राजपूत ने कार्य की तकनीकी व गुणवत्ता से लेकर इस सड़क के बहुउपयोगी बनने के बारे में ए टू जेड जानकारी दी। अंत में आभार व्यक्त भाजपा की वरिष्ठ नेत्री कविता शर्मा ने किया।

भक्ति रस के रंग में डूबी झाँसी

साधो–द–बैंड टीम बाँधा समां, मुक्ताकाशी मंच पर भक्ति भावना के ओत प्रोत गीतों से भक्ति मय हुआ वातावरण

झांसी जयूसं। शहर में पहली बार अनोखे तरह के महाभक्ति कंसर्ट कार्यक्रम में शनिवार शाम साधो द बैंड की टीम ने मुक्ताकाशी मंच पर शमां बांध दिया। साधो द बैंड टीम का यह कार्यक्रम इस मायने में भी अनूठा रहा कि मुकेश अंबानी के एंटीलिया में कार्यक्रम की प्रस्तुति के बाद यह पहली प्रस्तुति झांसी में रही। युवा सामाजिक कार्यकर्ता परन शर्मा के संयोजन में आयोजित इस कार्यक्रम को लेकर युवाओं में खासा उत्साह दिखा। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में मंडलायुक्त विमल दुबे एवं सदर विधायक रवि शर्मा उपस्थित रहे। इस आयोजन में एंट्री निःशुल्क रखी गई। भक्ति संगीत के इस अनूठे आयोजन में बैंड के कलाकारों ने कई तरह के भक्ति गीतों से युवाओं का मन मोह लिया। होली से पूर्व कार्यक्रम में उपस्थित जनसमूह भक्ति के रंगो में सरोवार रहा । यह कार्यक्रम इस लिए भी महत्वपूर्ण रहा क्योंकि साधो द बैंड के इस आयोजन में सांस्कृतिक एवं भक्तिमय विरासत को जनसमूह के सामने संगीतमय धुनों के माध्यम से प्रस्तुत किया गया जिसमें श्रोता मंत्रमुग्ध रहे।

आयुक्त, झांसी मंडल, झांसी विमल कुमार दुबे ने आयोजन की सराहना की और कहा कि इस प्रकार के आयोजन से युवा पीढ़ी को भक्ति का मार्ग प्राप्त होता है। यह अनोखे तारीखे से आयोजित कार्यक्रम झांसी में पहला कार्यक्रम है। इस अवसर पर नगर विधायक रवि शर्मा ने कहा कि आज वर्तमान समय में युवा अपने सांस्कृतिक एवं धार्मिक विरासत को पहचान रहा है और उसका संवर्धन करने का कार्य भी कर रहा है। आज के इस भक्तिमय कार्यक्रम में युवाओं का जो जोष और उनकी रूचि व उत्साह दिखाई दिया, इससे यह बात निश्चित है कि आने वाले समय में प्रत्येक युवा भक्तिमय मार्ग पर चलकर अपने देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगा।

आयोजक परन शर्मा ने कहा कि प्रत्येक युवा अपनी सांस्कृतिक विरासत को पहचाने मेरा यही संदेश आज के इस कार्यक्रम के माध्यम से आप सभी तक पहुचाना था। मुख्य रूप से साधो द बैण्ड आयोजन का उददेश्य युवाओं को भक्ति से जोड़ने का है और उन्होंने आये हुए सभी सम्मानित नागरिकों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर अभिषेक भार्गव, हर्ष गोस्वामी, देवेन्द्र दुबे, नरेन्द्र यादव, सौरभ वाजपेई, हिमांशु गोपालरानी, अमित जादौन , आलोक वशिष्ठ, अंकित साहू, रवि पण्डित, अभय उपाध्याय, प्रणीत चचौंधिया, सचिन यादव, वीरेन्द्र परिहार, अनिल पासवान, दीपक मुठेले, आदर्श राय निखिल नायक, सोमेश शिवहरे, रितिक तिवारी, , जतिन गोस्वामी, हर्षित झा, दीपक त्रिपाठी, शिवम राय, निखिल संगपाल, प्रखर सहगल, रवि यादव आशीष त्रिवेदी, लाला शमा, बिट्टू शमा, अर्पण शर्मा, शिवा यादव, श्रेयश उपाध्याय, रोहित शर्मा, बण्टी गुर्जर, पुरुकेष अमरया, रोहन शाक्या, सोनू सिमरधा, हिमांशु समाधिया, विंशी सविता सतेन्द्र सिंह यादव, छोटू मौर्या, लखन कुशवाहा अभिषेक जैन विशाल ठाकुर, आशीष तिवारी, मोहित मिश्रा (सदर), अभिषेक त्रिपाठी, रुस्तम गुर्जर नितिन भार्गव, अंशु सेठ, उत्कर्ष शर्मा, हेमंत पचौरी, राजा पचौरी, नवीन राय, अनुज द्विवेदी पूड़ी, विकास अहिरवार सिमरधा, प्रणय अग्रवाल, मयंक शर्मा, दिव्यांश पाखरे, अंशु श्रीधर, हिमांशु स्वामी, रियांशु मुखरैया, अनिकेत परिहार, पुष्पेन्द्र वर्मा, तनिष्क राज, लड्डू पटैरिया, प्रिंस तिवारी, नरेश श्रृंगीरिषी, शीतल प्रजापति, धर्म करौसिया, शुभम बनर्जी, विकास सहगल विनय उपाध्याय, चेतन ओझा, सनी वर्मा, कुनाल सूरी, अन्नू भार्गव, सुशील भार्गव, ईशु राय, नितेन्द्र गौर, अमित नैनवानी, विशेषांक तिवारी,विनय तिवारी, हर्ष अतुल मिश्रा,अमित खटीक, धर्म करोसिया, बिट्टू सरदार जी, सनी वर्मा, गोलू यादव, हेमंत कुशवाहा शिवाजीनगर, राजा पाल करारी, दीपक बाल्मीकि, सुमित यादव, हर्ष गुप्ता, मिक्की राय, अंकित शर्मा, सोम नायक, अभिषेक त्रिपाठी, दीपेश, विकास सहगल, विशेषांक तिवारी, देवांश सेठ, नीरजा गुप्ता बबीता ओझा, मोनिका चौरसिया आदि लोग उपस्थित रहे।

मीन महोत्सव 2026 में आकाश रायकवार को किया सम्मानित

झांसी जयूसं। इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान लखनऊ में मीन महोत्सव 2026 के आयोजन के दूसरे दिन उत्कर्षट मत्स्य पालकों को सम्मानित किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महानिदेशक मत्स्य उत्तर प्रदेश श्रीमती के ,धन लक्ष्मी, विशिष्ट अतिथि एन आर रहमानी निदेशक मत्स्य उत्तर प्रदेश मत्स्य विभाग के सभी प्रदेश के अधिकारी गण ,फीश शीड कंपनियों के सीईओ अंतरराष्ट्रीय विज्ञानिक ,सहित प्रदेश के सफल मत्स्य पालक उपस्थित रहे।

इस अवसर पर प्रोपराइटर आकाश रायकवार मत्स्य बीज हेचरी झांसी के द्वारा एक बुक भेट की जिसमें मत्स्य पालन हेचरी केंद्र द्वारा किए गए कार्यों को प्रदर्शित किया। इस मीन महोत्सव 2026 के दूसरे दिन झांसी के आकाश रायकवार को उनके दिए गए सुझावों के लिए महानिदेशक मत्स्य ने सम्मानित किया। कार्यक्रम में बालमुकुंद रायकवार, संजय कश्यप, दर्जनों मत्स्य पालक भी उपस्थित रहे।

न्यूज ब्रीफ

कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग की मासिक बैठक संपन्न

झांसी जयूसं। कांग्रेस कार्यालय मानिक चौक में कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग की मासिक बैठक जिलाध्यक्ष शैलेंद्र कुमार शीलू की अध्यक्षता में हुई। जिसमें विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेन्द्र पाल गौतम द्वारा घोषित कांग्रेस की उत्तर प्रदेश अनुसूचित जाति विभाग की राज्य सलाहकार समिति में पूर्व सांसद बृजलाल खाबरी, पूर्व विधायक गयादीन अनुरागी एवं प्रो. रविकांत –चंदनज,को सदस्य मनोनीत करने पर हर्ष व्यक्त किया गया। बैठक मे संगठन की समीक्षा करते हुये जनहित के मुददों पर संघर्ष करने एवं संगठन की मजबूती पर चर्चा हुई। बैठक में प्रदेश महासचिव अमीर चंद आर्य, प्रदेश सचिव हरिओम श्रीवास, उमा चरण वर्मा, मुकेश बैदौरिया, प्रमोद अहिरवार, पवन राज आदि मौजूद रहें।

दवा खाने के बाद 40 बकरियों की मौत

झांसी जयूसं। खैलार गांव में एक किसान के 40 बकरा–बकरियों की मौत हो गई है। किसान ने सरकारी पशु चिकित्सक पर लापरवाही का आरोप लगाया है। यह घटना तब हुई जब पशुओं को पेट के कीड़े मारने की दवा दी गई थी। किसान सावित्री देवी ने बताया कि उन्होंने सरकार की एनएमएल योजना के तहत 100 बकरा–बकरी के बच्चे पाले हुए थे। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकारी डॉक्टर द्वारा दी गई दवा पीने के कुछ समय बाद ही उनके 10 बच्चे मर गए थे। शेष बच्चे आज मरे हैं, जिससे कुल 40 पशुओं की मौत हो चुकी है। सावित्री देवी के अनुसार, इस घटना से उन्हें लगभग 4 लाख रुपये का नुकसान हुआ है। उन्होंने इस मामले में संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

इस संबंध में, खैलार के पशु चिकित्सा अधिकारी बैजनाथ साहू ने बताया कि किसान महिला अस्पताल से बच्चों के लिए दवा लेने आई थी। साहू के मुताबिक, पशुओं को दवा की ओवरडोज दी गई थी, जिसके कारण दवा श्वास नली में चली गई। बैजनाथ साहू ने यह भी कहा कि पशुओं की मौत के अन्य कारणों का भी पता लगाया जा रहा है।

नगर में आज

जिला जनकल्याण महासमिति झांसी एवं रानी झांसी फाउंडेशन झांसी के तत्वावधान में स्वच्छता एवं पर्यावरण जनजागरूकता को समर्पित संगोष्ठी समेकित कचरा प्रबंधन जनभागीदारी से स्वच्छ शहर का आयोजन 1 मार्च 2026 रविवार को श्री सिद्धेश्वर सिद्ध पीठ ग्वालियर रोड झांसी पर किया जाएगा। संगोष्ठी का उद्देश्य घर–घर से कचरा पृथक्करण, वैज्ञानिक कचरा प्रबंधन, ई–वेस्ट के सुरक्षित निस्तारण तथा ज़ीरो वेस्ट मॉडल को बढ़ावा देकर नागरिक सहभागिता को मजबूत करना है। एवं स्लोगन प्रतियोगिता के चयनित प्रतिभागियों का सम्मान समारोह भी किया जाएगा।

श्री नेमीनाथ जैन मंदिर में हुई सिद्धों की आराधना

झांसी जयूसं। जैनधर्म के अष्टांहिका पर्व के अंतर्गत चल रही विशेष आराधना के अवसर पर आज श्री दि जैन नेमीनाथ मंदिर, गुदरी में चल रहे श्री सिद्धचक्र महामंडल में आज बड़ी संख्या में मातृशक्ति ने सहभागिता की। आरंभ में भगवान की प्रतिमा का अभिषेक शांतिधारा की गई। श्रीमती सुलोचना, अर्चना विशाल जैन के नेतृत्व में चल रहे। विधान के पांचवे दिन दीप प्रज्वलन श्रीमति कुसुमरानी व शीला सिंघई ने व मंगलाचरण अर्चना धरनेन्द्र जैन ने किया। भगवान महावीर निर्वाण महामहोत्सव समिति की संयोजिका सीमा नायक ने बताया कि मंदिर जी में सिद्ध चक्र महामंडल विधान संस्कृत भाषा में किया जा रहा प्रत्येक दिन महामंडल विधान के साथ नेमीनाथ व नंदीश्वर विधान के अर्घ्य भी भक्तिभाव पूर्वक समर्पित किए जा रहे। इस अवसर पर चमेली, शशि बुडपुरा, सुधा, सपना, सीमा नीरज, कल्पना, सुलेखा कंधारी, सारिका सिर्स, पूजा जैन आदि उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का संचालन रूबी जैन ने व आभार शोभा जैन ने प्रकट किया। इसी प्रकार आज पंचायती बड़ा मंदिर जी में ब्रह्म पारस भैया के नेतृत्व में सिद्ध चक्र महामंडल विधान किया गया। इस अवसर पर मनोज नायक, राकेश वैद्य, सुनील जैनको, संजय कर्नल, दिलीप नायक, ऋषभ चिरगांव सहित अनेकों श्रावक श्राविकाओ ने अर्घ्य समर्पित किए।

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के 10 लाभार्थियों को नि :शुल्क गैस सिलेंडर रिफिल सब्सिडी का प्रतीकात्मक चेक वितरित

गरीबों के कल्याण एवं आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में निरन्तर प्रयासरत

झाँसी जयूसं। प्रदेश केमुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा आज उज्ज्वला योजना के तहत लाभार्थियों को निःशुल्क सिलेंडर रिफिल का वितरण लोक भवन लखनऊ से किया गया। जिसमें प्रदेश भर के उज्ज्वला योजना के तहत कुल 1.86 करोड़ पात्र परिवारों को रू.1500 करोड़ की धनराशि के निःशुल्क रसोई गैस सिलेण्डर रिफिल का वितरण किया गया, जिसका सजीव प्रसारण पं.दीनदयाल उपाध्याय सभागार में आयोजित कार्यक्रम में जनपद के अधिकारियों/कर्मचारियों व भारी संख्या में उपस्थित महिला लाभार्थियों की उपस्थिति में देखा व सुना गया। इस अवसर पर सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के सौजन्य से सभी लाभार्थियों को आस्था का ध्वज लहराया, सुख समृद्धि का नया युग आया नामक कलैण्डर 2026 एवं जनकल्याणकारी योजनाओं से सम्बन्धित उत्तर प्रदेश संदेश पत्रिका का निःशुल्क वितरण किया गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में जिला विकास अधिकारी सुनील कुमार ने जनपदवासियों को होली पर्व की हार्दिक शुभकामनाये देते हुये पात्र व्यक्तियों को योजनाओं का गुणवत्तापूर्ण एवं पारदर्शी लाभ दिलाये जाने हेतु आश्वस्त किया। उन्होंने बताया कि मुफ्त गैस कनैक्शन में निःशुल्क गैस सिलेण्डर, चूल्हा, रेग्यूलेटर व सेफ्टी पाइप उपलब्ध कराया जा रहा है। इसके साथ ही महिलाओं को धुएं से आजादी, स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव, पर्यावरण सुधार में सार्थक कदम उठाया गया है। इस योजना से छोटे बच्चे के स्वास्थ्य, शिक्षा पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। उन्होंने बताया कि उज्ज्वला योजना के तहत जनपद के 10 पात्र लाभार्थियों को निःशुल्क रसोई गैस सिलेण्डर रिफिल की धनराशि प्रतीकात्मक चेक के माध्यम से वितरित की गई।

जिला पूर्ति अधिकारी सौम्या अग्रवाल ने अवगत कराया कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना भारत सरकार की एक महत्वपूर्ण योजना है, जिसका शुभारम्भ 01 मई 2016 को हुआ था। इस योजना का उद्देश्य जरूरतमंद गरीब परिवारों को निःशुल्क एल.पी.जी. गैस कनेक्शन उपलब्ध कराना है। इस योजना से जहां गरीब परिवारों को भोजन बनाना सुविधापूर्ण हुआ, वहीं प्रदूषण रहित वातारण में भोजन बनाना भी संभव हुआ, इसके अतिरिक्त इस योजना से महिला सशक्तीकरण को भी बढ़ावा मिला है। जनपद स्तर पर दीनदयाल सभागार, में आयोजित कार्यक्रम में अवगत कराया गया कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 के प्रथम चरण अक्टूबर से दिसम्बर 2025 में दीपावली के शुभ अवसर पर निःशुल्क 01 गैस सिलेण्डर रिफिल सब्सिडी तथा द्वितीय चरण जनवरी से मार्च 2026 में होली के शुभ अवसर पर निःशुल्क 01 गैस सिलेण्डर रिफिल सब्सिडी का वितरण किया जा रहा है। जनपद में वर्तमान में 218063 उज्ज्वला योजना के लाभार्थी है, जिसमें एच.पी.सी.एल. के 45986, बी.पी.सी.एल. के 127604 तथा आई.ओ.सी.एल. के 44473 लाभार्थी है। वर्तमान में प्रत्येक सिलेण्डर रिफिल का उपभोक्ता मूल्य 887 रूपये प्रति सिलेण्डर है, जिसमें प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अंतर्गत केन्द्र सरकार द्वारा अनुमन्य सब्सिडी रू0.333.31 प्रति सिलेण्डर दी जा रही है तथा उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा शेष रू. 553.69 प्रति सिलेण्डर सब्सिडी की प्रतिपूर्ति की जा रही है।

इस अवसर पर जिला विकास अधिकारी सुनील कुमार, उपायुक्त खाद्य विनय कुमार सिंह, जिला पूर्ति अधिकारी सुश्री सौम्या अग्रवाल, क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी अमित कुमार त्रिवेदी, नोडल अधिकारी ऑयल कम्पनी सूरज प्रसाद, पूर्ति निरीक्षक रविन्द्र कुमार, पूर्वा तिवारी, सुमित सिंह सहित सम्बंधित अधिकारी एवं प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के 400 लाभार्थीगण महिलाये उपस्थित रही। कार्यक्रम का सफल संचालन शिक्षाविद् डॉ. नीति शास्त्री द्वारा करते हुये सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं के सम्बन्ध में जानकारी दी गयी।

पूर्व सैनिकों की भागीदारी को करना है मजबूत

व्हाइट टाइगर डिवीजन ने जिला सैनिक बोर्डों के सहयोग से निकाली पूर्व सैनिकों की रैली

वीर नारियों, विधवाओं और विशिष्ट उपलब्धि हासिल करने वालों को किया सम्मानित

झांसी जयूसं। व्हाइट टाइगर डिवीजन ने हमीरपुर और बांदा जिलों के जिला सैनिक बोर्डों के सहयोग से हमीरपुर और बांदा जिलों के पूर्व सैनिकों के लिए हमीरपुर में एक पूर्व सैनिक रैली का आयोजन किया, जो उनकी सेवा का सम्मान करने और उनके निरंतर कल्याण और गरिमा को सुनिश्चित करने की अपनी अटूट प्रतिबद्धता को दोहराता है। रैली में वीर नारियों और विधवाओं सहित 350 से अधिक पूर्व सैनिकों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई, जो सेना, नागरिक प्रशासन और उसके पूर्व सैनिक समुदाय के बीच अटूट बंधन को दर्शाती है।

इस कार्यक्रम ने पूर्व सैनिकों को सेवारत कर्मियों से पुनः जुड़ने और जिला सैनिक बोर्ड तथा अन्य एजेंसियों के प्रतिनिधियों से बातचीत करने के लिए एक सार्थक मंच प्रदान किया। पेंशन संबंधी शिकायतों के निवारण, चिकित्सा एवं दंत चिकित्सा परामर्श, रोजगार मार्गदर्शन और वित्तीय जागरूकता बढ़ाने के लिए समर्पित सहायता प्रकोष्ठ स्थापित किए गए। इस अवसर पर बबीना सैन्य स्टेशन के स्टेशन कमांडर ब्रिगेडियर सुमित रावत उपस्थित थे, जिन्होंने सभा को संबोधित करते हुए राष्ट निर्माण में पूर्व सैनिकों के अटूट योगदान की सराहना की। उन्होंने क्षेत्र की वीर नारियों, विधवाओं और विशिष्ट उपलब्धि हासिल करने वालों को सम्मानित किया, जिनकी अनुकरणीय सेवा भावी पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी और समाज में सशस्त्र बलों की छवि को मजबूत करेगी। रैली का समापन धन्यवाद प्रस्ताव और पूर्व सैनिकों को डीआईएवी बैज प्रदान करने के साथ हुआ, जो जिला सैनिक बोर्ड के साथ साझेदारी में भारतीय सेना के उनके बलिदानों को मान्यता देने और पूर्व सैनिक समुदाय के साथ सार्थक जुड़ाव बनाए रखने के अटूट संकल्प का प्रतीक है। हमीरपुर में पूर्व सैनिकों की रैली सेवा की विरासत को भावभीनी श्रद्धांजलि थी, साथ ही यह वर्तमान जरूरतों को पूरा करने और सेवारत सैनिकों और राष्ट्र की सम्मानपूर्वक सेवा करने वालों के बीच स्थायी बंधन को मजबूत करने के लिए सेना और नागरिक एजेंसियों की साझा प्रतिबद्धता को भी सुदृढ़ करती है।

स्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक नाथूराम कुशवाहा द्वारा जनता यूनियन प्रेस, शिव परिवार कालोनी, उन्नाव गेट बाहर झाँसी से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक – नाथूराम कुशवाहा*
फोन नं. 0510-2331158 आरएनआई नं. यूपीएचआईएन/2007/22191 समस्त विवादों का निपटारा झाँसी न्यायालय के अधीन होगा। *पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए उत्तरदायी

cmyk